हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बिल्डरों को नगरीय निकाय मंत्री की सलाह, अवैध प्लाटिंग और अवैध कालोनियां बनाने से बचें

साव बोले- संपत्तिकर का होगा युक्तियुक्तकरण, नगरीय निकाय बनेंगे आत्मनिर्भर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि और आईएनएच के बिल्डर्स कॉनक्लेव-2025 सृजन संवाद कार्यक्रम में प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से चर्चा करते हुए नगरीय निकाय मंत्री, डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, प्रदेश के नगरीय निकायों को भी आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। इस समय बिजली बिलों से लेकर वेतन तक के लिए निकाय सरकार पर निर्भर हैं। जब भाजपा की सरकार प्रदेश में फिर से आई थी, तब अधिकारी कहते थे, नलों की टोटी खरीदने के लिए भी पैसे नहीं हैं, हम अपनी जेब से खरीदते हैं। अब करीब दो साल में निकायों को बेहतर स्थिति में लाने का काम किया गया है। श्री साव ने बिल्डरों को अवैध प्लाटिंग और अवैध कालोनियां बनाने से बचने की सलाह देते हुए नियमों के तहत काम करने के लिए कहा। प्रस्तुत है, बातचीत के प्रमुख अंश-

- **उपमुख्यमंत्री के साथ जो विभाग मिले, उसमें नगरीय निकाय विभाग देखकर कैसा लगा था?**
- सबसे पहले तो हरिभूमि और आईएनएच को ऐसा आयोजन करने के लिए बधाई, आप लोगों ने कार्यक्रम का नाम सृजन संवाद बड़ा ही अद्भुत रखा है। सृजन तो अंतहीन है। यह निरंतर चलता रहता है। जहां तक नगरीय निकाय विभाग का सवाल है तो इस विभाग के मिलने की मुझे बहुत खुशी है। जब मुझे इस विभाग की जिम्मेदारी मिली थी तो प्रदेश के निकायों की हालत बहुत खराब थी। धीरे-धीरे इसको ठीक करने का काम किया जा रहा है। कोई भी शहर प्रदेश की छवि होता है। इसलिए नगरीय निकाय विभाग बहुत अहम है। कांग्रेस सरकार में निकायों को पैसे नहीं मिलते थे। हमने स्थिति को सुधारने का काम किया है। इसका बड़ा प्रमाण है कि प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर सात पुरस्कार मिले हैं। यही नहीं, सौ स्वच्छ शहरों में छत्तीसगढ़ के 58 शहर शामिल हैं। निकायों ने लिए लगातार नई योजना बनाने का काम हो रहा है। निकायों को हमारी सरकार भरपूर पैसा भी दे रही है।
- **परेशान कौन ज्यादा करता है, पार्षद, महापौर या बिल्डर?**
- पाषर्दों की अपनी समस्या है। महापौर की अपनी समस्या है और बिल्डरों की अपनी समस्या है। सबकी समस्या का समाधान करना हमारा काम है। निकायों में तो नेताओं का जमावड़ा है। अपने प्रदेश में रियल एस्टेट में अच्छा काम हो रहा है। बिल्डर सपनों का घर बनाते हैं। यह काम बहुत कठिन होता है। ▶▶| शेष पेज 7 पर

हरिभूमि-आईएनएच द्वारा सृजन संवाद कार्यक्रम की श्रृंखला में रियल एस्टेट कॉनक्लेव-2025, सृजन संवाद का उद्घाटन डिप्टी सीएम अरुण साव ने होटल सयाजी में दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर उनके साथ रायपुर के ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू और हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी भी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर मीनल चौबे ने की। समापन समारोह के मुख्य अतिथि वित्त एवं आवास पर्यावरण, योजना एवं सांख्यिकी मंत्री ओपी चौधरी रहे। अध्यक्षता मंत्री गुरु खुशवंत सिंह साहेब ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक अनुज शर्मा मौजूद रहे।

हरिभूमि-आईएनएच का सृजन संवाद, वित्तमंत्री चौधरी ने किए कई बड़े ऐलान

जमीन की गाइडलाइन के 75 फीसदी स्लैब होंगे खत्म, तीन माह में रायपुर का मास्टर प्लान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि-आईएनएच के सृजन संवाद में मौजूद वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ के मुद्दों पर खुलकर बातें की। प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी के साथ खास व सीधा संवाद में उन्होंने कई ऐलान भी किए। श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कोई बड़ा ग्रोथ इंजन नहीं है। ग्रोथ इंजन बनाने के लिए सरकार ने एससीआर की कल्पना की है। सरकार के इसी कार्यकाल में इसका काम दिखने लगेगा। उन्होंने बताया कि रायपुर में जमीन की गाइड लाइन दरों के 75 फीसदी स्लैब खत्म किए जाएंगे। इस पर काम चल रहा है। श्री चौधरी ने यह भी कहा कि राजधानी रायपुर के मास्टरप्लान की खामियां दूर कर इसे दो माह में धरातल पर लाया जाएगा। श्री चौधरी ने कहा कि सरकार राज्य की बुनियाद के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। आने वाले दिनों में यह देखने को मिलेगा।

वित्तमंत्री श्री चौधरी ने हरिभूमि-आईएनएच द्वारा होटल सयाजी में ▶▶| शेष पेज 7 पर

चौधरी से हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी का संवाद

लैंड यूज के नियमों में करेंगे सुधार

जमीन की पंजीयन दर को 10 प्रतिशत से घटाने संबंधी बिल्डरों के सुझाव पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की इकानॉमी उत्पादक है। उपभोग इकॉनामी जब तक नहीं बनाएंगे तब तक जमीनों का पंजीयन शुल्क कम नहीं कर सकते। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में कई ऐसे शहर हैं जो इकॉनामिक उपभोग के हिसाब से बेहद मजबूत हैं। रोजगार और अन्य मामलों में आगे हैं। छत्तीसगढ़ को भी आर्थिक ▶▶| शेष पेज 7 पर

आय 5 गुना बढ़ी और मकान 15 गुना महंगे, ड्रीम होम अभी भी सपना

आम आदमी की आय बढ़ी है, लेकिन मकान और तेज़ी से महंगे हुए हैं। हरिभूमि और आईएनएच द्वारा आयोजित रियल एस्टेट कॉन्क्लेव, सृजन संवाद के पहले सत्र में यही सबसे बड़ा सवाल गूंजा। मंच पर हरिभूमि के संपादक समन्वय ब्रह्मवीर सिंह ने बिल्डरों से सीधे सवाल पूछे और जवाब में सामने आया कि जमीन की कीमतों, तीस से ज्यादा अनुमति लेनी होती हैं। ▶▶| शेष पेज 7 पर

सृजन संवाद में संपादक समन्वय ब्रह्मवीर सिंह ने डेवलपर के साथ किया मंथन

अनुमतियों में ही 30 फीसदी लागत

अष्ट विनायक रियल्टी के एमडी संतोष लोहाना ने कहा कि ईडब्ल्यूएस के लिए शहरों की तरह पंचायतों में भी सिर्फ 9 फीसदी जमीन आरक्षित होनी चाहिए। श्री लोहाना ने कहा कि एक मकान की लागत का 30 फीसदी हिस्सा तो 20-30 तरह की अनुमतियां लेने में चला जाता ▶▶| शेष पेज 7 पर

मेट्रो और रायपुर का भविष्य

रजत बिल्डकॉन के एमडी मृणाल गोलछा ने कहा कि रायपुर, भिलाई और दुर्ग को जोड़कर स्टेट कैपिटल रीजन विकसित हो रहा है। रायपुर भी अब महानगरों की तरह विकसित हो रहा है। रायपुर, भिलाई, दुर्ग को जोड़कर सरकार ने जो स्टेट कैपिटल योजना बनाई है, उसका फायदा होगा। ▶▶| शेष पेज 7 पर

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹78905/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹96370/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹105196/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand® Jewels Pandri, Raipur

*Conditions apply

लीला देवी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड फार्मेसी

बी एस सी नर्सिंग [60 Seats]

डिप्लोमा इन फार्मेसी [60 Seats]

महाविद्यालय परिसर : ग्रेटर रायपुर, मोतीपुर, जामगांव रोड, जिला -दुर्ग 9131880895, 8319870997

6, इंस्टीट्यूशनल एरिया, मुखर्जी हॉस्टल के पीछे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर 83700 77700, 7024125200

हरिभूमि-आईएनएच का रियल एस्टेट कॉनक्लेव- 2025

'सृजन संवाद' में हुआ रियल एस्टेट को और बेहतर बनाने पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि-आईएनएच का रियल एस्टेट कॉनक्लेव शनिवार को होटल सयाजी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के कई गणमान्य मंत्री, जनप्रतिनिधि, बिल्डर्स एवं वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए। इस अवसर पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने बताया कि किस तरह से नगरीय निकायों को आत्म निर्भर बनाने की दिशा में काम हो रहा है, वहीं उन्होंने बिल्डरों से अवैध कालोनियों और अवैध प्लाटिंग से बचने की सलाह दी। बिल्डरों के साथ भी रियल एस्टेट में होने वाली समस्याओं को लेकर मंथन किया गया। इसमें उनसे जाना गया कि वे सरकार से क्या चाहते हैं। सरकार की तरफ से नगरीय निकाय मंत्री और डिप्टी सीएम अरुण साव ने बैठकर उनकी बातें सुनीं।

कार्यक्रम में जहां डिप्टी सीएम अरुण साव ने कई सवालों के बेबाकी से जवाब दिए, वहीं बिल्डरों ने भी अपनी बातें रखीं। कार्यक्रम में महापौर मीनल चौबे ने कहा, रियल एस्टेट में काम करने वालों के पास लक्ष्मी और सरस्वती दोनों रहती है। शहर का चेहरा बनाने का काम ही रियल एस्टेट से होता है। लेकिन अंधाधुंध विकास भी नहीं होना चाहिए। संतुलित विकास ही अहम है। जहां स्थान मिलता है, वहां पर रियल एस्टेट की योजना लाना सही नहीं है। तालाबों में कालोनी बना देंगे तो क्या होगा। नियमों से काम होना चाहिए। अवैध कालोनी और अवैध प्लाटिंग किसी भी हाल में नहीं होने चाहिए। रायपुर का भविष्य अच्छा हो, इसका ध्यान रखना भी आपका काम है। रायपुर में कोई स्थान नहीं बचा है। कार्यक्रम के अंत में आईएनएच के स्थानीय संपादक राजेश लाहोटी ने आभार प्रदर्शन किया।

शहर की पहचान इमारतें: मोतीलाल

रायपुर ग्रामीण के विधायक मोती लाल साहू ने कहा, शहर की पहचान ही इमरातें होती हैं। जिस शहर में जितनी ज्यादा और बड़ी इमारतें होती हैं, उसकी वैसी ही पहचान होती है। शहर को संजाने का काम बिल्डरों का है। बिल्डर ही शहर को नई पहचान देते हैं। समस्याएं कई आती है, लेकिन इसका समाधान भी निकालते हैं। तीन सौ कालोनियां ऐसी हैं जिन में जल भराव की समस्या है। सड़क, पानी के स्थान पर भी निर्माण हो जाता है, यह ठीक नहीं है। नियम से काम होना चाहिए।

बिल्डरों का सम्मान

कार्यक्रम में बिल्डरों संतोष लोहाना, मृणाल गोलछा, प्रितेश कटारिया, संजय बघेल और रितविक नत्थानी का डिप्टी सीएम अरुण साव, महापौर मीनल चौबे और विधायक मोतीलाल साहू ने शाल और श्रीफल देकर सम्मान किया।

खबर संक्षेप

बच्चे को गुलेल से मारने की बात को लेकर युवक की हत्या

राजनांदगांव। बच्चे को गुलेल मारने की बात को लेकर आरोपियों ने मिलकर युवक से मारपीट कर उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रार्थी चंद्रशेखर साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 19 सितंबर को वह अपने घर बगदई थाना डोंगरगांव में था। करीबन 10 बजे उसे दीवानभेडी के अशोक साहू व देवेन्द्र साहू द्वारा फोन कर बताया कि आपका भाई घनश्याम को गांव वाले मार रहे हैं, जिस पर डायल-112 को फोन किया, घटना के बारे में बताया और तत्काल बगदई से दीवानभेड़ी आया और गांव वालों को पूछने पर गौतम साहू ने बताया कि आपका भाई ग्राम पंचायत के पास पड़ा है, जाकर देखा घनश्याम वहां पर तड़प रहा था, तब चंद्रशेखर द्वारा पानी पिलाने पर होश में आया और पूछने पर घनश्याम ने बताया कि वह गुलेल रखा था, जिसे गांव के फूलबाई साहू, फुलसिंग साहू, राहुल यादव व अन्य लोग मेरे नाती को गुलेल मार रहे हो, कहकर सभी मिलकर हाथ-मुक्का से लात, घूसा व डंडे से मारपीट करना बताया।

तेंदुए ने युवक पर किया हमला

फिंगेश्वर। फिंगेश्वर वन परिक्षेत्र के सोरिद वनलोहझर इलाके में शनिवार को एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। दोपहर लगभग 2 बजे एक तेंदुए ने सड़क पर खड़े एक युवक पर हमला कर दिया। युवक ने शोर मचाया, जिससे आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों का शोर सुनकर तेंदुआ वापस जंगल की ओर भाग गया। घायल युवक, जो महासमुंद जिले के पटेवा गांव का रहने वाला है।

नक्सल संगठन में दो फाड़, केन्द्रीय समिति के निर्णय को राज्य समिति ने मानने से किया इंकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शांति प्रस्ताव के पत्र जारी होने के बाद नक्सल संगठन दो फाड़ में बंटा हुआ दिखाई दे रहा है।नक्सलियों के केन्द्रीय समिति द्वारा सरकार को भेजे गए शांतिवार्ता व एक माह के सीज फायर के प्रस्ताव को तेलगांना स्टेट समिति के प्रतिनिधि जगन ने इसे केन्द्रीय समिति के अधिकारिक प्रवक्ता कामरेड सोनू द्वारा अभय के नाम पर अस्थायी युद्ध विराम की घोषणा को सोनू की निजी राय बताते हुए कहा कि यह पार्टी का निर्णय नहीं है।

गौरतलब है कि 15 सितम्बर को नक्सल संगठन के केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता अभय उर्फ सोनू ने प्रेस नोट और ऑडियो जारी कर शांति वार्ता व युद्ध विराम की मांग करते हुए प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से अपील

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

तेलंगाना राज्य समिति

की थी। पत्र में अन्य साथियों से चर्चा करने के लिए एक माह का समय भी मांगा था। इस शांति प्रस्ताव के चार दिन बाद ही 19 सितम्बर को तेलगाना राज्य कमेटी ने प्रेस नोट जारी कर युद्ध विराम से इन्कार कर दिया है और अभय उर्फ सोनू के प्रेस नोट को उनकी निजी राय बता दिया है। तेलगांना राज्य समिति ने साफ कर दिया है कि सोनू उर्फ अभय का युद्धविराम संबंधी बयान पार्टी की आधिकारिक राय नहीं है। समिति ने इसे क्रांतिकारी खेमे में भ्रम फैलाने वाला करार देते हुए कहा कि संगठन के फैसले इंटरनेट पर नहीं लिए जाते और किसी को भी इस बयान से भ्रमित होने की जरूरत नहीं है। पिछले 4 दिन के भीतर नक्सल संगठन से दो अलग अलग बयानों से साफ है कि नक्सल संगठन अब नेतृत्व विहीन हो गया है और संगठन में फुट पड़ चुका है। एक तरफ केंद्रीय कमेटी का प्रवक्ता खुद का ऑडियो जारी करता है और युद्ध विराम की मांग करता है। दूसरी तरफ तेलंगाना राज्य कमेटी की तरफ से 4 दिन के भीतर ही इसका खंडन कर दिया जाता है। चार दिन के इस घटनाक्रम से नक्सल संगठन बुरी तरह बिखरा हुआ नजर आ रहा है।

जांच में विद्यार्थियों ने कहा- फांसी लगाने की कोशिश कर रहा था भावेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

प्रशासन की जांच रिपोर्ट में खुलासा

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के एक छात्र को प्रताड़ित करने और विद्यालय से निकालने की घटना के खुलासे के बाद प्रशासन की टीम ने आज इस पूरे मामले की जांच पड़ताल की। जांच में विद्यालय के छात्रों से इस बात का खुलासा किया कि स्कूल में भावेश फांसी लगाने की कोशिश कर रहा था, जिसे उन्होंने रोका था। प्राचार्य पीएम श्री जवाहर भावेश जैन अरावली (कनिष्ठ) सदन कक्षा 6 वीं का छात्र है। 18 सितम्बर 2025 को सुबह 7 बजे 4-5 अन्य छात्र सदन में उपस्थित थे तथा शेष के अनुसार छात्र भावेश जैन अपने पास रखी रस्सी को लेकर पंखे पर फेंकने लगा, उपस्थित छात्रों ने पूछा कि तुम क्या कर हो? उसने कहा मैं फांसी लगाना चाहता हूं, ऐसा कह कर वह रस्सी अपने गले में स्वयं के हाथों से लपेट कर कसने लगा। उपस्थित छात्रों ने ऐसा करने से रोका, इस पर वह उन्हें धक्का देकर भगाने लगा। उनमें से एक छात्र ने तत्काल इस घटना की सूचना हाऊस कैप्टन को देनी चाही, किन्तु कैप्टन को उपलब्ध नहीं पाकर सदन के एक अन्य छात्र ने दौड़कर पास में ही सदन अध्यक्ष राजेश सावरकर को घटना के विषय में सूचना दी।

एक्सीडेंट में एक की मौत

महासमुंद। ट्रक की टक्कर से एक बुजुर्ग की मौत के मामले में बागबाहरा थाने में आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि बागबाहरा भानपुर निवासी अजय ठाकुर ने रिपोर्ट लिखाई है कि सुबह वह अपने दुकान में था, तभी उसे सूचना मिली उसके पड़ोसी शिवलाल मिर्धा का विश्वा ढाबा के पास एक्सीडेंड हो गया। सूचना मिलने के बाद जब उसने विश्वा ढाबा के पास जाकर देखा तो उसका पडोसी शिवलाल मिर्धा घायल अवस्था में पड़ा हुआ था, वहीं कुछ दूर में बल्कर ट्रक खड़ी थी। उसी समय डायल 112 वाहन आयी और घायल शिवलाल मिर्धा को इलाज के लिए बागबाहरा अस्पताल लेकर गये। जहां डाक्टर द्वारा शिवलाल मिर्धा की मौत हो जाना बताया गया। इसके बाद उसने ढाबा के पास जाकर लोगों से पूछताछ किया। तब लोगों ने बताया कि बल्कर ट्रक क्र. सीजी 07 सीएल 8455 खरियार रोड की तरफ से आ रहा था, जिसके चालक ने अपने वाहन को तेज एवं लापरवाही पूर्वक चलाते लाकर रोड क्रास कर रहे शिवलाल मिर्धा को एक्सीडेंट कर दिया, जिससे उसको गंभीर चोटें आई। मामले में आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध धारा 106(1) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

बोलेरो और बाइक में भिड़ंत तीन गंभीर

कवर्धा। रामपुर और सिवनी खुर्द के बीच शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। जिन्हें घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रायपुर

रविवार 21 सितंबर 2025

आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या

वर्ष : 24, अंक : 66

पृष्ठ : 12+6+4 = 22 मूल्य : 5.00**

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 35.0

न्यून. 26.3

कश्मीर के उधमपुर में मुठभेड़, एक जवान शहीद

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया। बताया जाता है कि शुक्रवार देर रात दूदू बसंतगढ़ की पहाड़ियों पर जैश के 3 से 4 आतंकवादियों को संयुक्त बलों ने घेर लिया, जिसके बाद से लगातार गोलीबारी जारी है। इस गोलीबारी में एक जवान घायल हो गया था, जिसके बाद जवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन बचाया नहीं जा सका।

मणिपुर में बस्तर का लाडला रंजीत शहीद

तीन बेटियों से छिना पिता का साया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/बस्तर

मणिपुर में उग्रवादियों द्वारा शुक्रवार शाम किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए। शहीदों में छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के बालेंगा ग्राम ओगायगुड़ापारा निवासी रंजीत कुमार कश्यप (37) भी शामिल हैं। परिवार के इकलौते बेटे के शहीद होने की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। शहीद की पत्नी व पिता सदमे में है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बुजुर्ग मां-बाप का सहारा छिन गया, वहीं रंजीत की तीन मासूम बेटियों के सिर से पिता का साया उठ गया। गौरतलब है कि उग्रवादियों द्वारा किए गए अचानक गोलीबारी से एक वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इस हमले में दो जवान, जिनमें एक जूनियर कमीशंड

▶▶|शेष पेज 7 पर

मुख्यमंत्री साय ने हमले की निंदा की

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मणिपुर में असम राइफल्स पर हुए कायरतापूर्ण हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। मुख्यमंत्री कहा कि राष्ट्र शहीद जवानों के अदम्य साहस और बलिदान को सदैव स्मरण रखेगा। उन्होंने शहीदों को कोटि-कोटि नमन करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि इस कठिन घड़ी में राज्य सरकार शोकसंतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। वीर जवानों का यह त्याग हम सबको देश की रक्षा और एकता के मार्ग पर और अधिक दृढ़ संकल्पित करता है।

टैरिफ, इमीग्रेशन पर सख्ती के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति का बड़ा फैसला

ट्रंप का एक और 'बम', एच1बी वीजा शुल्क अब 88 लाख रुपए!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत एच1बी वीजा शुल्क को सालाना 100,000 अमेरिकी डॉलर तक बढ़ा दिया गया है। ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। यह आदेश 21 सितंबर रात 12:01 बजे से प्रभावी हो गया। ट्रंप के फैसले ने उद्योग जगत में खलबली मचा दी है। कई अमेरिकी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों जो जल्द वापस लौटने के लिए कहा है।

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन/नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा आवेदन पर 1,00,000 डॉलर का शुल्क लगाने संबंधी सरकार आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि एच-1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। इससे पहले एच-1बी वीजा के लिए 215 डॉलर शुल्क लिया जाता था। ट्रंप ने 'कुछ गैर आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर रोक' संबंधी सरकारी आदेश पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। इस फैसले के तहत उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी, जिनके एच1बी

▶▶|शेष पेज 7 पर

भारतीयों पर होगा सबसे अधिक असर

ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 से 2023 के बीच स्वीकृत वीजा में 73.7 फीसदी वीजा भारतीयों के थे। चीन 16 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर था। कनाडा 3% के साथ तीसरे स्थान पर, उसके बाद ताइवान (1.3%), दक्षिण कोरिया (1.3%), मैक्सिको (1.2%) और नेपाल, ब्राजील, पाकिस्तान और फिलीपींस (सभी 0.8%) हैं।

मानवीय समस्याएं पैदा होने की आशंका

भारत ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के फैसले से 'मानवीय समस्याएं' उत्पन्न होने की आशंका है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अमेरिका के इस कदम से परिवारों को होने वाली समस्याओं के कारण मानवीय संकट पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा, सरकार को उम्मीद है कि अमेरिकी अधिकारी इन व्यवधानों का उपयुक्त रूप से समाधान करेंगे। रोजगार वीजा व्यवस्था पर ट्रंप प्रशासन की पाबंदियों को आव्रजन पर नकेल कसने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा माना जा रहा है। एच1बी वीजा तीन साल के लिए वैध होता है।

कुम्हारी टोल प्लाजा में की गई कार्रवाई

दो स्कार्पियों से हवाला के 6.60 करोड़ जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग पुलिस ने रायपुर से महाराष्ट्र ले जाई जा रही हवाला की रकम 6 करोड़ 60 लाख रुपए को जब्त किया है। यह रकम स्कार्पियो वाहन से ले जाई जा रही थी। पुलिस ने मामले को आईटी डिपार्टमेंट के हवाले किया है। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो महाराष्ट्र पासिंग स्कार्पियो गाड़ी में करोड़ों रुपए महाराष्ट्र ले जाए जा रहे हैं। उन्होंने तुरंत एसीसीयू और कुम्हारी थाने की पुलिस को अलर्ट किया। पुलिस ने शनिवार को कुम्हारी टोल प्लाजा

▶▶|शेष पेज 7 पर

शेयर फ्रॉड से रकम जुड़े होने का अंदेशा

पुलिस विभाग के सूत्रों से यह भी पता चला है कि यह रकम जो पकड़ी गई है, वो शेयर मार्केट में लोगों का पैसा लगाकर ठगी गई है। इस रकम को हवाला के जरिए मुंबई भेजा जा रहा था। यहां तक कहा जा रहा है 150 करोड़ रुपए की शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी का मामला भिलाई में पकड़ा गया है। इससे भी इस रकम को जोड़कर देखा जा रहा है।

अभिनेता मोहनलाल को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार

एजेंसी : नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने प्रसिद्ध मलयाली अभिनेता मोहनलाल को शीर्ष सिनेमा सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार 2023' से सम्मानित करने की शनिवार को घोषणा की जिन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड और हिन्दी फिल्मों में भी अभिनय

किया है। मोहनलाल अभिनेता होने के साथ-साथ निर्देशक और निर्माता भी हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने

▶▶|शेष पेज 7 पर

मिल चुके हैं कई पुरस्कार

मोहनलाल को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, नौ केरल राज्य पुरस्कार और अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। 2001 में 'पद्म श्री' और 2019 में 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया। पूर्व में सत्यजीत रे, दिलीप कुमार, राज कपूर, देवानंद, लता मंगेशकर, अमिताभ बच्चन, रजनीकांत को सम्मानित किया जा चुका है।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

अब 14 रुपए में मिलेगा 'रेल नीर'

नई दिल्ली। जीएसटी कटौती 22 सितंबर से लागू होने जा रहा है। रेलवे विभाग ने ट्रेन और स्टेशनों पर मिलने वाले बोतलबंद 'रेल नीर' ब्रांड से बेचे जाने वाले पानी की बोतल के दाम घटा दिए हैं। रेलवे ने 1 लीटर और 1/2 लीटर पानी की बोलत के दाम कम किए हैं। रेल नीर का अधिकतम बिक्री मूल्य 1 लीटर के लिए 15 से कम करके 14 रुपए और आधा लीटर के लिए 10 से कम करके 9 करने का फैसला लिया गया है।

अमूल ने घी, सहित 700 उत्पाद की कीमत घटाई

नई दिल्ली। अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पादों का विपणन करने वाली जीसीएमएमएफ ने घी, मक्खन, आइस क्रीम, बेकरी और फ्रोजन स्नैक्स सहित 700 से अधिक उत्पाद पैक की खुदरा कीमतों में कमी की। कंपनी ने जीएसटी दर में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का फैसला किया है। नई कीमतें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी।

100 से अधिक स्कूलों को बम की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के 100 से अधिक स्कूलों को शनिवार सुबह बम की धमकी मिली जो बाद में तलाश अभियान में फर्जी पाई गईं। शनिवार सुबह 6.10 बजे ईमेल 'टेराइज़र्स111' समूह के नाम से आया था। इस समूह ने पहले भी स्कूलों को इसी तरह के ईमेल भेजे थे। ई-मेल का विषय था आपके भवन में बम रखे गए हैं-कदम उठाएं या आपदा का सामना करें।

यूरोप के कई बड़े हवाई अड्डों पर शनिवार को साइबर हमले की वजह से अफरातफरी मच गई। रिपोर्ट के मुताबिक साइबर हमला करते हुए कई एयरपोर्ट पर चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम को ठप कर दिया गया है, जिससे दर्जनों हवाई अड्डों पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ।

लंदन, बर्लिन, ब्रसेल्स समेत यूरोप के कई एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक

टेक्निकल ब्लैकआउट, हवाई यातायात ठप, दर्जनों फ्लाइट रद्द, थर्ड-पार्टी सर्विस प्रोवाइडर के सिस्टम को बनाया गया निशाना

एजेंसी ▶▶| लंदन

समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एक तृतीय-पक्ष सेवा प्रदाता को निशाना बनाकर किए गए साइबर हमले ने लंदन के हीथ्रो, ब्रुसेल्स और बर्लिन सहित कई प्रमुख यूरोपीय हवाई अड्डों पर चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया है। इससे दर्जनों फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया है।

एयरपोर्ट पर ऑपरेशन बुरी तरह से प्रभावित : रिपोर्ट के मुकाबिक लंदन के हीथ्रो, ब्रुसेल्स और बर्लिन एयरपोर्ट सहित कई स्थानों पर यह दिक्कत देखने को मिली है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने पुष्टि की कि हमले ने एक थर्ड-पार्टी सर्विस प्रोवाइडर के सिस्टम को निशाना बनाया गया है, जिससे एयरलाइंस को मैनुअल प्रोसेसिंग पर निर्भर होना पड़ा। इस साइबर हमले की वजह से एयरपोर्ट पर ऑपरेशन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है और यात्रियों को घंटों तक लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ा। ब्रुसेल्स एयरपोर्ट ने अपनी वेबसाइट पर बताया है कि इस हमले ने ऑटोमेटिक चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम को ठप कर दिया है, जिसके चलते बड़ी संख्या में उड़ानों में देरी हुई है और फ्लाइट कैंसिल करना पड़ा है।

यूरोप के कई एयरपोर्ट पर साइबर हमला

पोलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक हवाई अड्डे के प्रवक्ता एरियन गूसेंस ने कहा कि शनिवार सुबह 10:30 बजे तक, ब्रुसेल्स हवाई अड्डे से प्रस्थान करने वाली 10 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 17 अन्य उड़ानें एक घंटे से ज्यादा देरी से चल रही थीं। लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे ने भी एक बयान जारी कर इस समस्या को एक तृतीय-पक्ष आपूर्तिकर्ता, कॉलिन्स एयरोस्पेस, में एक 'तकनीकी समस्या' को वजह बताया है। दुनिया भर में कई एयरलाइनों के लिए चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम प्रदान करने वाली इस कंपनी को एक तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ रहा है, जिससे प्रस्थान करने वाले यात्रियों को देरी हो सकती है।

बर्लिन एयरपोर्ट के पोर्टल पर यात्रियों को चेतावनी

बर्लिन एयरपोर्ट ने भी अपने आधिकारिक पोर्टल पर यात्रियों को चेतावनी दी कि चेक-इन के दौरान उन्हें लंबे इंतजार का सामना करना पड़ सकता है। एयरपोर्ट ने यह भी बताया कि तकनीकी गड़बड़ी पूरे यूरोप में ऑपरेट करने वाले एक सर्विस प्रोवाइडर से जुड़ी है, और इसको जल्द दूर करने की कोशिश की जा रही है। वहीं, फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट ने राहत की खबर दी कि उसकी सेवाएं इस हमले से प्रभावित नहीं हुई हैं। ज्यूरिख एयरपोर्ट ने भी पुष्टि की कि उसका संचालन सामान्य रूप से चल रहा है और किसी साइबर अटैक का असर वहां नहीं देखा गया।

एमयूएसई सॉफ्टवेयर हुआ प्रभावित

वहीं, कॉलिन्स एयरोस्पेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी को कुछ हवाई अड्डों पर उनके एमयूएसई सॉफ्टवेयर को प्रभावित करने वाली 'साइबर-संबंधी गड़बड़ी' के बारे में पता चला है। उन्होंने आगे कहा कि वे 'इस समस्या को हल करने और अपने ग्राहकों के लिए जल्द से जल्द पूरी कार्यक्षमता बहाल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह प्रभाव इलेक्ट्रॉनिक ग्राहक चेक-इन और बैगेज ड्रॉप तक सीमित है और इसे मैन्युअल चेक-इन संचालन से कम किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

शक्ति को जिम्मेदारी से इस्तेमाल करें जज : सीजेआई

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि जजों को अपनी शक्ति विनम्रता और जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल करनी चाहिए। सीजेआई दिल्ली में सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (कैट) 2025 के 10वें अखिल भारतीय सम्मेलन में बोल रहे थे। इसमें देशभर से जजों और ट्रिब्यूनल सदस्यों ने हिस्सा लिया था। इस दौरान सीजेआई ने कहा, हमारे पास अपार शक्ति है लेकिन इसे सही जगह उपयोग करना जरूरी है। हमारे सामने आने वाले सभी वादियों को विश्वास होता है कि उन्हें न्याय मिलेगा, इसलिए हमारा निर्णय निष्पक्ष होना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि उनके ये विचार आलोचना नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और सुधार का अवसर हैं, ताकि ट्रिब्यूनल और न्याय व्यवस्था और मजबूत हो सके। सीजेआई ने कहा कि ज्यूडिशियल ऑफिसर्स के आचरण गंभीर चिंता का विषय है।

छिंदवाड़ा में दर्दनाक हादसा चार साधुओं की मौत

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में शुक्रवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। बैतूल बालाजीपुरम से दर्शन कर लौट रहे सात साधुओं की बोलेरो गाड़ी का अचानक टायर फट गया। गाड़ी अनियंत्रित होकर टेमनी गांव के पास सड़क किनारे बने एक कच्चे कुएं में जा गिरी. बोलेरो में कुल 7 साधु सवार थे, जिनमें चार की मौत हो गई। टायर फटने की घटना और गाड़ी के अनियंत्रित होते ही तीन साधु समय रहते कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। हालांकि ये तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए और फिलहाल जिला अस्पताल छिंदवाड़ा में इलाज चल रहा है। घायल साधु शिवपूजन गिरी ने बताया कि वे सभी चित्रकूट से आए थे और बालाजीपुरम दर्शन कर लौट रहे थे। हादसे के तुरंत बाद पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति : योगी

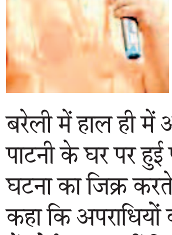

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया। बरेली में हाल ही में अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अपराधियों को अब यूपी में कोई जगह नहीं मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक अपराधी मारीच बनकर आया था, लेकिन जब पुलिस की गोली से घायल हुआ तो चिल्लाने लगा कि गलती हो गई, जो मैं उत्तर प्रदेश में आ गया। यही अंजाम हर उस अपराधी का होगा, जो कानून तोड़ने का प्रयास करेगा। योगी ने साफ शब्दों में कहा कि प्रदेश सरकार अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और जो भी महिला सुरक्षा या कानून व्यवस्था के खिलाफ काम करेगा, उसके खिलाफ सख्त एक्शन होगा।

गुजरात में बोले पीएम मोदी, 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में लिया हिस्सा

भारत का सबसे बड़ा दुश्मन दूसरे देशों पर निर्भरता, चिप हो या शिप... देश में ही बने

एजेंसी ▶▶| भावनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात के दौरे पर हैं। इस दौरान भावनगर में उन्होंने 34,200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में हिस्सा लिया और जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'भारत का सबसे बड़ा दुश्मन दूसरे देशों पर निर्भरता है।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब भारत जो भी लक्ष्य तय करता है, उसे समय से पहले पूरा करता है। सोलर क्षेत्र हो या पोर्ट सेक्टर, दोनों में तय लक्ष्य समय से पहले हासिल किए गए हैं। पोर्ट कनेक्टिविटी दोगुनी हो गई है और शिप अराउंड टाइम घटकर सिर्फ एक दिन रह गया है। नए पोर्ट भी तेजी से विकसित किए जा रहे हैं और 2047 तक दुनिया के समुद्री व्यापार में भारत की हिस्सेदारी तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

- हमारे पैसों से विदेशों में बनी हैं लाखों नौकरियां
- 6 लाख करोड़ रुपये हर साल किराए में दे देते हैं हम

विकसित भारत का रास्ता

दुनिया को भारत का सामर्थ्य दिखाना है। इसी दिशा में लोथल में दुनिया का सबसे बड़ा नेशनल मेरीटाइम म्यूजियम बनाया जा रहा है, जिसका मैं स्वयं निरीक्षण करने भी जा रहा हूं। विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भर भारत से होकर ही गुजरता है। उन्होंने सभी देशवासियों से आग्रह किया कि हम जो भी खरीदें वह स्वदेशी हो और जो भी बेचें वह भी स्वदेशी हो, यही भारत की शक्ति है और यही भारत को आत्मनिर्भर बनाएगा।

भारत को बनाएंगे सबसे बड़ी समुद्री शक्ति

2047 तक विकसित भारत बनने के लिए आत्मनिर्भर होना ही होगा, इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। सभी देशवासियों का एक ही संकल्प होना चाहिए कि चाहे चिप हो या शिप, वह भारत में ही बने। इसी सोच के साथ वन नेशन, वन डॉक्यूमेंट और वन नेशन, वन पोर्ट प्रोसेस लागू किया जाना है। भारत को सबसे बड़ी समुद्री शक्ति बनाने के लिए तीन बड़ी योजनाओं पर काम चल रहा है और आने वाले वर्षों में इस पर 70 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए जाएंगे।'

पूर्व सरकारों ने शिपिंग इंडस्ट्री पर नहीं दिया ध्यान

पीएम मोदी ने कहा, 'देशवासी यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि 75 बिलियन अमेरिकी डॉलर यानी करीब 6 लाख करोड़ रुपये हर साल विदेशी शिपिंग कंपनियों को किराए में दिए जाते हैं। यह रकम भारत के रक्षा क्षेत्र के बजट के बराबर है। हमारे पैसों से विदेशों में लाखों नौकरियां बनी हैं। अगर पूर्व सरकारों ने हमारे शिपिंग इंडस्ट्री पर ध्यान दिया होता तो आज दुनिया भारत में बने जहाजों से व्यापार कर रही होती और उसका सीधा लाभ हमारे देश को मिलता।

कांग्रेस ने हर सामर्थ्य को नकारा

पीएम ने कहा, 'भारत में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है, लेकिन आजादी के बाद कांग्रेस ने हर सामर्थ्य को नकारा। लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस-कोटा राज में उलझाए रखा. जब ग्लोबलाइजेशन का समय आया तो देश को आयात तक सीमित कर दिया, जिससे भारी नुकसान हुआ. शिपिंग इंडस्ट्री इसका बड़ा उदाहरण है। कभी भारत का 40% इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट देश में बने जहाजों से होता था। लेकिन कांग्रेस की कुनीतियों का शिकार होकर शिपिंग सेक्टर बर्बाद हो गया। विदेशी जहाजों पर निर्भरता बढ़ाई गई और शिप बिल्डिंग बंद हो गया। नतीजा यह हुआ कि 50 साल पहले जहां 40% व्यापार भारत में बने जहाजों से होता था, वह घटकर केवल 5% रह गया। हमारे व्यापार के लिए हम विदेशी जहाजों पर निर्भर हो गए और उसका देश को बहुत बड़ा नुकसान हुआ.

'वोट चोरी के हमारे पास प्रमाण बिना सबूत के कुछ नहीं कह रहा'

एजेंसी ▶▶| वायनाड

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को फिर से वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनके पास एक 'हाइड्रोजन बम' सबूत है, जो पूरी सच्चाई को सामने लाएगा और साबित करेगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोट चोरी कर सत्ता हासिल की। उन्होंने वायनाड में कहा, हम एक हाइड्रोजन बम लाने जा रहे हैं, जो स्थिति को पूरी तरह तहस-नहस कर देगा। हम जो कह रहे हैं, उसके हमारे पास स्पष्ट प्रमाण हैं। मैं बिना सबूत के कुछ नहीं कह रहा हूं। हमारे पास सौ फीसदी जानकारी है कि जो कुछ हुआ है, वह सामने आने वाला है। उन्होंने अपने पिछली दो प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए कहा, हमने महादेवपुरा और आलंद में मतदाता की गलत तरीके से जोड़ी और हटाई गई जानकारी दिखाई है। हम इसे इस तरह दिखाएंगे कि भारत में कोई भी यह शक नहीं करेगा कि नरेंद्र मोदी ने वोट चोरी कर चुनाव जीता है।

- वायनाड में राहुल ने फिर दोहराया आरोप

सीईसी ज्ञानेश कुमार पर साधा निशाना

राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयोग (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरों की रक्षा' करने का आरोप लगाया और कहा कि कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र से छह हजार मतदाताओं के नाम हटाने की जांच चुनाव आयोग के प्रमुख के खिलाफ एक स्पष्ट आरोप है।

'ज्ञानेश के खिलाफ चल रही सीआईडी जांच'

राहुल ने कहा, हमने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में काले और सफेद (ब्लैक एंड व्हाइट) में सबूत पेश किए। कर्नाटक में सीआईडी जांच चल रही है। सीआईडी ने वोट चोरी में इस्तेमाल फोन नंबरों की जानकारी मांगी है। ज्ञानेश कुमार ही वह सीईसी हैं, जिनकी कर्नाटक सीआईडी जांच कर रही है। इससे बड़ा आरोप चुनाव आयोग के प्रमुख पर नहीं हो सकता। यह मेरा बयान नहीं, बल्कि तथ्य है।

जाली काटी, पांच दरवाजे पार किए, हाई सिक्योरिटी सेंट्रल जेल से दो कैदी फरार

एजेंसी ▶▶| जयपुर

राजस्थान के जयपुर से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां हाई सिक्योरिटी सेंट्रल जेल से बीती रात दो कैदी फरार हो गए। इससे पूरे महकमे में हड़कंप मच गया। इस घटना के बाद जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है।

- जयपुर की घटना, सोते रहे जेलकर्मी

जानकारी के अनुसार, फरार कैदियों की पहचान अनस और नवल किशोर के रूप में हुई है। अनस को सांगानेर थाने और नवल किशोर को मालपुरा गेट थाने से हाल ही में जयपुर सेंट्रल जेल लाया गया था। दोनों 13 नंबर बैरक में बंद थे।

सो रहे थे ड्यूटी पर मौजूद जेलकर्मी

घटना के समय जेलकर्मी ड्यूटी पर मौजूद थे, लेकिन सभी सो रहे थे। इसी का फायदा उठाकर कैदियों ने बड़ी आसानी से जेल तोड़ दी. घटना की जानकारी मिलते ही जेल और पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। एडीजी जेल रूपेंद्र सिंह ने कहा कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। लापरवाह जेलकर्मियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई होगी। वहीं, फरार कैदियों की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं। आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन जारी है। यह घटना हाई सिक्योरिटी जेल की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा करती है।

सबसे हैरान करने वाली बात

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों ने बैरक की खिड़की की जाली काटी और फिर पांच सुरक्षित दरवाजों से होते हुए तीन बैरिकेड्स पार किए। इसके बाद वे मुलाकात स्थल तक पहुंचे, जहां से पानी का ग्रीन पाइप बाहर फेंका और उसी के सहारे जेल की ऊंची दीवार फांदकर भाग निकले. सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि कैदियों को जेल के भीतर जाली काटने का औजार और पाइप कैसे मिला।

कांग्रेस ने कहा- बिहार में कोई दूसरा विकल्प नहीं

बिहार में महागठबंधन का सीएम फेस तेजस्वी ही होंगे

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा कर मैदान में उतर चुका है। खुद प्रधानमंत्री मोदी भी बिहार की जनसभा में इसका ऐलान कर चुके हैं। उधर, महागठबंधन में अभी तक सीएम फेस की घोषणा नहीं की है। हाल ही में एक चैनल को दिए इंटरव्यू में तेजस्वी यादव ने इशारों-इशारों में खुद को सीएम फेस के लिए सही विकल्प बताया है। अब कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने भी इस पर मुहर लगा दी है।

- वर्तमान में बिहार में यादव हैं नेता प्रतिपक्ष

दरअसल कांग्रेस सांसद सिंह का कहना है कि महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी यादव ही सीएम फेस का चेहरा होंगे, क्योंकि इसके अलावा महागठबंधन के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। बिहार में महागठबंधन का नेतृत्व तेजस्वी यादव कर रहे हैं।

वे ही मुख्यमंत्री के प्रबल दावेदार होंगे। तेजस्वी यादव अभी नेता प्रतिपक्ष भी हैं। पिछली बार 2020 में भी तेजस्वी यादव ही महागठबंधन की तरफ से चीफ मिनिस्टर का फेस थे।

बिना सीएम फेस के चुनाव में नहीं जाएंगे- तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम बिना सीएम फेस के चुनाव में नहीं जाएंगे। महागठबंधन में इसे लेकर बात हो चुकी है। सीएम के फेस के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। बिहार की जनता मालिक है। जनता मुख्यमंत्री बनाने वाली है। 5 से 10 दिन में सीट शेयरिंग हो जाएगी। इसके बाद सीएम फेस का ऐलान हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि अभी हमारा ध्यान अधिकार यात्रा पर है। ये यात्रा नौजवानों की यात्रा है। जिससे प्रदेश में निवेश में आए, फैक्ट्री लगे ये उसकी यात्रा है। प्रदेश में गरीबी हटे, पलायन रुके ये इसकी भी यात्रा है। ये यात्रा जनता के लिए और प्रदेश को बेहतर बनाने के लिए है। जिससे यहां युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार मिल सके।

देर रात आसमान में दिखा रहस्यमयी नजारा, वीडियो वायरल

नोएडा में दिखी चमकीली रोशनी... उल्का पिंड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बीती रात दिल्ली-एनसीआर के लोगों ने एक ऐसा नजारा देखा, जिसे देखकर हर कोई दंग रह गया! रात करीब 1.30 बजे नोएडा के आसमान में अचानक एक चमकीली रोशनी दिखाई दी। देखते ही देखते यह रोशनी तेजी से आगे बढ़ी और लोगों को ऐसा लगा जैसे आसमान में कोई 'आग का गोला' दौड़ रहा हो। कई लोगों ने इसे उल्का पिंड बताया, तो कई ने कहा कि यह टूटता हुआ तारा है। सोशल मीडिया पर इसके वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जैसे-जैसे यह चमकीला पिंड आगे बढ़ा, यह कई छोटे-छोटे टुकड़ों में बिखरता गया और आसमान में जलती हुई लपटें छोड़ता गया।

- रोमांच और हैरानी से भर गए स्थानीय लोग

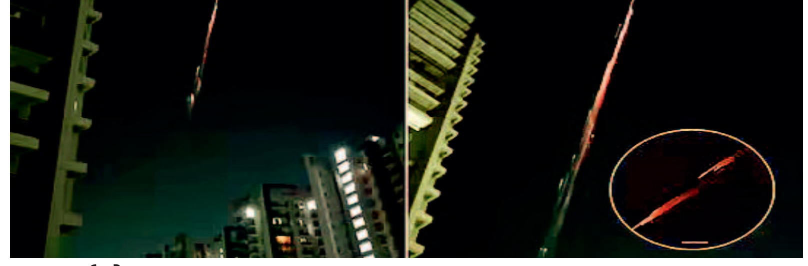

एक्सपर्ट ने बताया इस घटना का सच

इस बारे में जब वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष पर्यवेक्षकों से बात की तो उन्होंने बताया कि आसमान में हुई असामान्य खगोलीय घटना उल्कापिंडों की बारिश या टूटते तारे नहीं थे। नेहरू तारामंडल के वरिष्ठ तारामंडल इंजीनियर ओपी गुप्ता ने कहा- आसमान में दिखने वाली यह चमकती चीजें कोई टूटता तारा नहीं है। यह सैटेलाइट का मलबा था। इस घटना को जयपुर तारामंडल से भी देखा गया। नेहरू तारामंडल की प्रेरणा चंद्रा ने भी कहा कि उल्कापिंडों की बौछार या टूटते तारे की नहीं, बल्कि उपग्रह के मलबे की है।

वायरल हुआ नजारा

जैसे ही लोगों की नजर इस अद्भुत और रेयर मोमेंट पर गई तों उन्होंने इसकी तस्वीरें और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिए। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि 'आग के कई गोले' एक सीधी लकीर में आगे बढ़ रहे हैं। इस क्लिप को साझा करते हुए लिखा गया -अल्फा जेपी ग्रीन स्टेडियम से रात 1.30 पर आसमान में दुर्लभ उल्का पिंड देखा गया।

क्या होता है उल्का पिंड?

आमतौर पर उल्का पिंड तब दिखाई देता है जब अंतरिक्ष का कोई पत्थर या धातु का टुकड़ा पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करता है। वायुमंडल में घर्षण के कारण यह जलने लगता है और आसमान में आग की लकीर की तरह दिखाई देता है। कभी-कभी यह टुकड़े-टुकड़े होकर बिखर जाता है, जैसा कि दिल्ली-एनसीआर में देखने को मिला। भारत ही नहीं, दुनिया के कई हिस्सों में उल्का पिंडों के नजारे पहले भी देखे जा चुके हैं। लेकिन बड़े शहरों जैसे दिल्ली-एनसीआर के आसपास ऐसे दृश्य देखना बेहद दुर्लभ है।

भारत से जंग हुई तो सऊदी अरब करेगा हमारी रक्षा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इस्लामाबाद में पत्रकारों से कहा कि अगर भारत पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की घोषणा करता है, तो सऊदी अरब पाकिस्तान की रक्षा करेगा। उन्होंने बताया कि इस हफ्ते पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए समझौते में रणनीतिक पारस्परिक सहायता का प्रावधान शामिल है। ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तानी चैनल जियो टीवी से बातचीत करते हुए इस समझौते की तुलना नाटो समझौते के अनुच्छेद 5 से की, जिसमें 'सामूहिक रक्षा' का सिद्धांत है। इसका मतलब है कि अगर किसी एक सदस्य पर हमला होता है, तो उसे सभी सदस्य देशों पर हमला माना जाता है। हालांकि पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने साफ किया कि सऊदी अरब के साथ ये समझौता आक्रामक नहीं बल्कि रक्षात्मक है।

- नए समझौते पर बोले पाक रक्षा मंत्री आसिफ

'पाक के परमाणु हथियार सऊदी के लिए उपलब्ध'

ख्वाजा आसिफ ने ये भी दावा किया कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार सऊदी अरब के उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत हमारी क्षमताएं निश्चित रूप से उपलब्ध होंगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पाकिस्तान ने हमेशा अपनी परमाणु सुविधाओं के निरीक्षण की अनुमति दी है और कभी कोई उल्लंघन नहीं किया है।

दुनिया के रहस्यमय देश, एक ही समय पर कहीं दिन तो कहीं रात, यकीन करना मुश्किल

नई दिल्ली। दुनिया में कुछ जगहें ऐसी भी हैं जिनके बारे में सुनकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। यहां एक ही देश में एक ही समय पर दिन और रात का अलग-अलग नजारा देखने को मिलता है, जो रहस्य से भरा हुआ है। एक ही देश में एक समय पर कहीं दिन और कहीं रात इसलिए होता है क्योंकि पृथ्वी घूमती है। पश्चिम से पूर्व की ओर 24 घंटे में एक चक्कर लगाने से सूरज की रोशनी अलग-अलग जगहों पर अलग समय पड़ती है। बड़े देशों में कई टाइम जोन होने से ऐसा नजर आता है। ये बात सुनकर थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन सच है।

टाइम जोन क्या हैं और इनका क्या काम है?

दुनिया को 24 टाइम जोन में बांटा गया है, हर जोन 15 डिग्री देशांतर का होता है, ताकि समय व्यवस्थित रहे। पृथ्वी के घूमने से सूरज की रोशनी अलग-अलग जगहों पर अलग समय पहुंचती है। बड़े देशों में कई जोन होने से एक साथ दिन-रात का मंजर दिखता है। ष ये सिस्टम बहुत स्मार्ट है।

रूस में दिन और रात एक साथ कैसे दिखते हैं?

रूस में 11 टाइम जोन हैं, इसलिए मॉस्को में दोपहर हो सकती है, जबकि कमचटका में आधी रात। इतना बड़ा देश होने से हर हिस्सा अलग समय में जीता है। लोग एक ही समय पर अलग-अलग मौसम एंजॉय करते हैं। ये रूस की खासियत है।

ब्राजील में दिन-रात का ऐसा है हाल

ब्राजील में 4 टाइम जोन हैं, जहां रियो डी जेनेरो में दिन और एकरे में सांझ हो सकती है। देश के फैलाव से ऐसा होता है। लोग एक साथ अलग-अलग समय का आनंद लेते हैं। ये भौगोलिक तथ्य है।

अमेरिका में ऐसा क्यों होता है?

अमेरिका में 6 टाइम जोन हैं, जैसे कैलिफोर्निया में सुबह और न्यूयॉर्क में शाम। मुख्यभूमि और बाहरी इलाकों की वजह से ये अंतर है। लोग एक देश में रहकर भी समय का फर्क महसूस करते हैं। ये भौगोलिक विस्तार का कमाल है।

कनाडा में दिन-रात का अंतर कैसे है?

कनाडा में 6 टाइम जोन हैं, इसलिए ब्रिटिश कोलंबिया में सूर्योदय और न्यूफाउंडलैंड में रात हो सकती है। देश का आकार इतना बड़ा है कि हर हिस्सा अलग समय में चलता है। ये नेचुरल प्रोसेस है।

एक ऐसा सबसे सुंदर गांव, जहां हर नजारा है पेंटिंग जैसा

नई दिल्ली। हम एक ऐसे गांव की बात कर रहे हैं जिसे देखो तो ऐसा लगता है जैसे पेंटिंग देख रहे हों यह गांव है ब्रिटेन का सबसे खूबसूरत गांव बिबरी। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, अपनी अनोखी खूबसूरती के कारण इस गांव को दुनिया का सबसे सुंदर गांव घोषित किया गया है। ब्रिटेन के कॉटस्वोल्डस क्षेत्र में स्थित यह गांव सदियों से अपने प्राचीन बलुआ पत्थर के घरों और सुंदर कॉटेज गार्डन के लिए फेमस है। फोबर्स ने 2025 के लिए दुनिया के 50 सबसे खूबसूरत गांवों की सूची जारी की है। इस लिस्ट में इंग्लैंड के कॉट्सवॉल्ड्स का छोटा सा गांव बिबरी सबसे ऊपर आया है।

फोर्ब्स की लिस्ट में नंबर वन

बिबरी वॉटरकलर पेंटिंग जैसा

बिबरी को इसकी खूबसूरत कंकरीली गलियों, शहद रंग की कॉटेज और सदियों पुराने इतिहास के कारण चुना गया। इस सम्मान ने बिबरी को दुनिया भर में और भी ज्यादा मशहूर कर दिया है। फोर्ब्स के मुताबिक, बिबरी किसी वॉटरकलर पेंटिंग की तरह दिखता है, जहां शहद रंग की कॉटेज एक कतार में खड़ी हैं, उनकी काई जमी छतें 14वीं सदी के बुनकरों की कहानियां कहती हैं।

घूमने वालों से परेशान हैं स्थानीय लोग

खूबसूरती का फायदा बिबरी को तो मिला, लेकिन अब यहां के करीब 600 स्थानीय निवासी ओवरटूरिज्म से परेशान हैं। पीक सीजन में रोजाना करीब 50 बड़े टूरिस्ट कोच यहां रुकते हैं। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि हमारे पास इतनी सुंदर जगह है जिसे हम साझा करना चाहते हैं, लेकिन यहां आने वाली भीड़ ने इसे असहनीय बना दिया है। वे गांव की खूबसूरती और इतिहास को जीने के लिए यहां रुकते ही नहीं, बस एक सेल्फी लेकर निकल जाते हैं।

अमेजन के जंगल में मिले रहस्यमय टाइम कैप्सूल, अंदर झांका तो निकल गई चीखें

नई दिल्ली। ब्राजील के अमेजन जंगलों में एक बहुत ही खास खोज हुई है। शोधकर्ताओं को एक गिरे हुए पेड़ की जड़ों के नीचे मिट्टी के 7 बहुत बड़े कलश मिले हैं। इसमें इंसान, मछलियां और कछुओं की हड्डियां मिली हैं। ममिरौआ इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट की टीम ने इस कलश की खोज की है। इस खोज से अमेजन के पुराने समाजों और उनके रीति-रिवाजों के बारे में नई जानकारी मिलेगी। 3 फुट चौड़े इन कलशों का वजन लगभग 350 किलो था। ये जमीन के 16 फीट नीचे दबे हुए थे। इन कलशों को मामिराउआ संस्थान के पुरातत्वविद मार्सियो अमरल की टीम ने खोजा है।

किसी जैविक चीज से बंद रखा गया था

टीम की एक शोधकर्ता जॉर्जिया लैला होलांडा ने बताया कि ये कलश बहुत बड़े हैं और इन पर किसी तरह का ढक्कन नहीं मिला है। उनका मानना है कि इन कलशों को शायद किसी जैविक चीज से बंद किया गया था जो खराब हो चुकी है। यह जगह पहले लोगों का घर हुआ करती थी। इसका मतलब यह है कि लोग इन कलशों को किसी अलग जगह दफनाने के बजाय अपने घरों के फर्श के नीचे ही रखते थे।

कितनी गहराई में मिले ये कलश?

पुरातत्वविदों का मानना है कि अमेजन में रहने वाले लोग अपने पर्यावरण को बहुत अच्छे से समझते थे। ये कलश इस बात को साबित करते हैं कि अमेजन कोई खाली जगह नहीं थी बल्कि वहां लोग रहते थे और उस जगह को अच्छे से संभालते थे। होलांडा ने बताया, ये कलश 40 मीटर गहराई में मिली जो शायद पुराने घरों की जमीन थीं।

कलश के अंदर क्या-क्या था?

कलशों में मिले मानव अवशेष, मछलियों और कछुओं की हड्डियां अमेजन में रहने वाले पुराने लोगों के अंतिम संस्कार के तरीकों के बारे में जरूरी जानकारी देते हैं। जानवरों की हड्डियां शायद भोजन या किसी तरह की रस्म का हिस्सा थीं जो अंतिम संस्कार के समय की जाती थीं। साउथ अमेरिका के कई पुराने समाजों में ऐसा माना जाता था कि यह खाना मरने वाले को उसकी आगे की यात्रा में मदद करेगा।

पाकिस्तान और सऊदी अरब में सुरक्षा समझौते में कहा गया कि दोनों में से किसी भी एक मुल्क पर कोई हमला होता है तो इसे दोनों मुल्कों के खिलाफ अंजाम आक्रमण समझा जाएगा। तत्कालीन नजरिए से देखें तो ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा है कि पाक-सऊदी डिफेंस एग्रीमेंट भारत के लिए बहुत बड़ा सैन्य और कूटनीतिक झटका है। हां, ये जरूरी है कि इस समझौते से पाकिस्तान को सऊदी से वित्तीय और तेल सहायता मिल सकती है, जो युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान की शक्ति बढ़ाएगी। ऐसे में भारत को इसे गंभीरता से लेना होगा और बदलती भू-सामरिक स्थिति को साधने के लिए अपनी सैन्य क्षमता और ज्यादा बढ़ानी होगी। अगर दीर्घकालीन दृष्टि से देखा, समझा और परखा जाए तो पाक-सऊदी सुरक्षा करार निश्चित तौर पर भारत के लिए खतरनाक संकेत भी है। हालांकि, सऊदी अधिकारी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत के साथ उनके रिश्ते मज़बूत बने रहेंगे और वे क्षेत्रीय शांति के लिए योगदान देते रहेंगे। फिर भी यदि यह समझौता क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा देता है तो यह सभी के लिए लाभदायक होगा, लेकिन यदि यह टकराव को बढ़ावा देता है तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। पाक-सऊदी सुरक्षा समझौते का विश्लेषण करता *आजकल* का खास अंक...

पाक-सऊदी सुरक्षा करार के मायने

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और पाकिस्तान के प्राइम मिनिस्टर द्वारा 17 सितंबर को एक स्ट्रैटेजिक म्युचुअल डिफेंस एग्रीमेंट पर दस्तखत कर दिए गए हैं। डिफेंस एग्रीमेंट के तहत पाकिस्तान और सऊदी अरब में करार अंजाम दिया गया है कि दोनों में से किसी भी एक मुल्क पर अंजाम दिए गए सैन्य आक्रमण को दोनों मुल्कों के खिलाफ अंजाम दिया गया आक्रमण समझा जाएगा। तत्कालीन नजरिए से दृष्टिपात करें तो ऐसा नहीं प्रतीत हो रहा है कि पाक-सऊदी डिफेंस एग्रीमेंट भारत के लिए बहुत बड़ा सैन्य और कूटनीतिक झटका है। अगर दीर्घकालीन दृष्टि से देखा, समझा और परखा जाए तो पाक-सऊदी सुरक्षा करार निश्चित तौर पर भारत के लिए खतरनाक संकेत प्रस्तुत कर रहा है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत विरोधी आचरण अख्तियार करने के तत्पश्चात और ट्रंप द्वारा भारत के मुकाबले में पाकिस्तान को कहीं अधिक महत्व प्रदान करने के कारणवश, पाकिस्तान वस्तुतः अचानक पश्चिम एशिया में अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रासंगिक मुल्क बन गया है। खाड़ी मुल्क अपनी सुरक्षा की खातिर अब पाकिस्तान, तुर्कीए और चीन की तरफ झुकते हुए प्रतीत हो रहे हैं। अभी तक अमेरिका की सुरक्षा पनाह में कायम बने रहे खाड़ी मुल्कों के लिए ये तीनों ही देश अत्यंत महत्वपूर्ण हो गए हैं। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी चीन और तुर्कीए तो पूरी तरह पाकिस्तानी पक्ष के साथ सन्नद खड़े रहे थे। अब लगता है कि पाकिस्तान के कट्टर समर्थकों की कतार में अमेरिका का अंध अनुसरण करते हुए सऊदी अरब भी बाकायदा शामिल हो गया है।

> **डिफेंस एग्रीमेंट के तहत पाकिस्तान और सऊदी अरब में करार अंजाम दिया गया है कि दोनों में से किसी भी एक मुल्क पर अंजाम दिए गए सैन्य आक्रमण को दोनों मुल्कों के खिलाफ अंजाम दिया गया आक्रमण समझा जाएगा। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब विगत अनेक वर्षों से भारत का शीर्ष आर्थिक और रणनीतिक साझीदार है। यक्ष प्रश्न है कि यदि दशकों पुरानी अपनी नृशंस जेहादी फितरत के वशीभूत होकर पाकिस्तान भारत के विरुद्ध आतंकवाद जारी रखेगा तो सऊदी अरब क्या पाकिस्तान के साथ भारत के विरुद्ध मैदान-ए-जंग में उतर**

रणनीतिक साझीदार मुल्क

भारत के लिए चिंताजनक बात यह है कि पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ डिफेंस एग्रीमेंट किया है। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब विगत अनेक वर्षों से भारत का शीर्ष आर्थिक और रणनीतिक साझीदार मुल्क रहा है। यक्ष प्रश्न है कि यदि मुस्तकबिल में दशकों पुरानी अपनी नृशंस जेहादी फितरत के वशीभूत होकर पाकिस्तान यकीनन भारत के विरुद्ध अपनी आतंकवादी कार्रवाइयां जारी रखेगा और जेहादी आतंकवाद का प्रतिकार और प्रतिशोध लेने के लिए पाकिस्तान पर भारत पुनः सुरक्षात्मक आक्रमण भी अंजाम देगा, तो सऊदी अरब क्या पाकिस्तान के साथ भारत के विरुद्ध मैदान-ए-जंग में उतर जाएगा? यह मुमकिन है कि सऊदी अरब अपने फौजी दस्तों को भारत के विरुद्ध आक्रमणकारी युद्ध में पाकिस्तान के पक्ष में कदापि नहीं भेजें, किंतु सऊदी अरब का पेट्रो डॉलर का अकूत खजाना पाकिस्तानी फौज को शक्तिशाली बनाने के लिए बहुत विशाल आर्थिक इमदाद तो कर ही सकता है।

अमेरिकी सैन्य टेक्नोलॉजी

सऊदी अरब के पास अमेरिकी टेक्नोलॉजी विद्यमान रही है। डिफेंस एग्रीमेंट के पश्चात सऊदी अरब आधुनिकतम सैन्य टेक्नोलॉजी को पाकिस्तान को उपलब्ध करा सकता है। पाकिस्तान की फौज के लिए अमेरिकी सैन्य टेक्नोलॉजी की उपलब्धता बड़ी सौगात सिद्ध होगी और यह सैन्य स्थिति भारत के लिए खतरनाक सिद्ध हो सकती है। खाड़ी मुल्कों में सबसे अहम मुल्क सऊदी अरब है और इसने पाकिस्तान के साथ डिफेंस एग्रीमेंट क्यों अंजाम दिया है, जटिल प्रश्न है इसका समुचित उत्तर है कि अमेरिका पर अब खाड़ी मुल्कों को अधिक यकीन कायम नहीं रह गया है। इस्लामी दुनिया की नजरों में डोनाल्ड ट्रंप की कयादत में अमेरिका वस्तुतः इजरायल का अंध समर्थक देश बनकर उभरा है। दो दिनों में गाजा युद्ध को खत्म करने का दावा करने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अभी तक इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को गाजा में युद्ध विराम के लिए राजी नहीं कर सके हैं। सऊदी अरब इस्लामी मुल्कों का सर्वोच्च लीडर देश बन जाने की बड़ी ख्वाहिश पाले रखता है और इस मामले में उसका मुकाबला सदैव तुर्कीए के साथ रहा है।

अमेरिका दुश्मन करार

हाल ही में हमास सरगनाओं को कत्ल करने की खातिर कतर पर अंजाम दिए गए इजरायली आक्रमण ने पश्चिमी एशिया स्थिति को बहुत बिगाड़ कर रख दिया है। कतर में अमेरिका का अल उदेद नामक एयरबेस विद्यमान है। इसके बावजूद 9 सितंबर को कतर पर अंजाम दिए गए इजरायली आक्रमण पर अमेरिका की प्रतिक्रिया बेहद निराशाजनक रही। द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात 1945 से ही खाड़ी के देशों में अमेरिका का किरदार एक सैन्य सुरक्षा प्रदान करने वाले मुल्क का बना रहा है, किंतु इजरायल बनाम गाजा की जंग में अमेरिका की भूमिका पर पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में हलचल मची हुई है। अमेरिका को इस्लामी मुल्कों का दुश्मन करार दिया जाने लगा है। पश्चिम एशिया के मुल्कों का जनमत अमेरिका के विरुद्ध खड़ा हो गया है। विगत कुछ वर्षों के दौरान भारत द्वारा सऊदी अरब और अन्य खाड़ी मुल्कों से अपने कूटनीतिक ताल्लुकातों को शक्तिशाली बनाने के लिए गहन और गंभीर प्रयास किए गए। भारत द्वारा सऊदी अरब के साथ कूटनीतिक संबंध को रणनीतिक संबंध के उच्च शिखर तक पहुंचा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी वर्ष माह अप्रैल में सऊदी अरब के दौरे पर गए थे। आखिरकार क्या परिणाम निकला परस्पर संबंधों को ताकतवर बनाने का, जबकि सऊदी अरब ने पाकिस्तान का दामन थाम लिया? क्या अब वो भविष्य में पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत के विरुद्ध खड़ा हो जाएगा? इस्लामी मुल्क भविष्य में अपनी हिफाजत के लिए पश्चिमी मुल्कों के नॉटो सैन्य संगठन की तर्ज ओ तरीके पर एक अपना इस्लामी सैन्य संगठन तशकील करने के विषय में संजीदगी से विचार विमर्श करने में जुटे हुए हैं। इस्लामी मुल्कों में पाकिस्तान ही एक अकेला ऐसा मुल्क है, जिसके पास परमाणु अस्त्रों की ताकत है।

परमाणु अस्त्रों की क्षमता

अपनी परमाणु अस्त्रों की क्षमता के कारण पाकिस्तान अब अमेरिका से हताश निराश हुए खाड़ी मुल्कों का दुलारा और प्यारा मुल्क बन गया है। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को सेंट्रल ट्रीटी सैन्य संगठन का सदस्य देश बनाया गया, जिसे बगदाद पैक्ट भी कहा गया। जेहादी सरगना ओमामा बिन लादेन को वर्षों तक पाक फौज की निगरानी पनाह देने वाले पाक हुक्मरानों को अब फिर से डोनाल्ड ट्रंप अपने गले से लगाने लगे हैं। भारत ने उन विकट हालात का वीरता और बलिदान देकर कामयाबी से मुकाबला कर लिया और जेहादियों को परास्त किया जबकि अमेरिका, पाकिस्तान और पेट्रो डॉलर उसके बड़े शत्रु बने हुए थे। अब तो भारत बहुत ताकतवर है और ग्लोब्ल साऊथ के देश भारत के साथ खड़े हुए हैं। ब्रिक्स की शक्ति भारत के साथ सन्निहित है। हर हाल में भारत फतेहयाब होकर रहेगा।

पाकिस्तान-सऊदी अरब रक्षा समझौते से भारत रहे सतर्क

रणनीति

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ स्तंभकार

लुटियंस दिल्ली के दिल में भारत के विदेश मंत्रालय के मुख्यालय साउथ ब्लॉक में इन दिनों पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए रक्षा समझौते का भारत पर किस तरह का असर होगा, इस विषय पर विभिन्न कोणों से अध्ययन हो रहा होगा। इस समझौते को 'स्ट्रेटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट' नाम दिया गया है, जिसमें एक प्रमुख धारा यह है कि किसी एक देश पर हमला दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। यह समझौता नाटो-शैली का है, जहां हमले की स्थिति में दोनों देश एक-दूसरे की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस समझौते की पृष्ठभूमि में हाल की क्षेत्रीय घटनाएं, जैसे इजरायल का कतर पर हमला और अमेरिका की सुरक्षा गारंटी में आई कमजोरी, प्रमुख भूमिका निभाती हैं। भारत के लिए यह समझौता एक दोधारी तलवार है। एक ओर, भारत और सऊदी अरब के बीच मजबूत आर्थिक संबंध हैं। भारत सऊदी से 100 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार करता है।

भारत मुख्य रूप से तेल आयात करता है सऊदी अरब से। सऊदी अरब ने स्पष्ट किया है कि भारत के साथ उसके संबंध मजबूत रहेंगे और यह समझौता भारत के खिलाफ नहीं है। अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री मोदी की सऊदी यात्रा के बाद दोनों देशों ने रक्षा सहयोग बढ़ाने की योजना बनाई थी। खाड़ी देशों में 90 लाख से अधिक भारतीय काम करते हैं, जो रेमिटेंस का बड़ा स्रोत हैं। बेशक, यह समझौता भारत की मध्य पूर्व नीति को चुनौती देता है। पाकिस्तान अब मुस्लिम दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है, जो कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ इस्तेमाल हो सकता है। हालांकि, भारत की प्रतिक्रिया संयमित रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जयसवाल ने कहा कि भारत इस विकास का अध्ययन करेगा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। भारत के लिए अवसर भी हैं। यह समझौता भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने का अवसर देता है। क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) जैसे गठबंधनों को मजबूत करना, अंडमान-निकोबार द्वीपों पर रक्षा बुनियादी ढांचा विकसित करना और नौसेना गश्त बढ़ाना आवश्यक है। भारत ओमान, यूएई और बहरीन जैसे मध्यमार्गी खाड़ी देशों से संबंध मजबूत कर सकता है। ऊर्जा विविधीकरण के लिए नवीकरणीय स्रोतों पर जोर देना चाहिए। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग दशकों पुराना है। 1960 के दशक से ही पाकिस्तान सऊदी अरब को सैन्य प्रशिक्षण, सैनिकों की तैनाती और रक्षा सहायता प्रदान करता आया है। हालांकि, यह नया समझौता पहले के अनौपचारिक संबंधों को औपचारिक रूप देता है, जो क्षेत्रीय तनावों के कारण आवश्यक हो गया था। हाल ही में इजरायल ने कतर की राजधानी दोहा पर हमला किया, जो सऊदी अरब की सीमा से सटा हुआ है। इस हमले में अमेरिका की चुप्पी ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सुरक्षा गारंटी पर संदेह पैदा कर दिया। अमेरिका के पास मध्य पूर्व में करीब 40,000-50,000 सैनिक तैनात हैं, लेकिन इजरायल के हमलों पर वाशिंगटन की निष्क्रियता ने सऊदी अरब को वैकल्पिक सुरक्षा भागीदारों की तलाश करने पर मजबूर किया। इसी संदर्भ में पाकिस्तान, जो मुस्लिम दुनिया का एकमात्र परमाणु हथियार संपन्न देश है, सऊदी अरब के लिए एक आकर्षक सहयोगी बन गया। समझौते में रक्षा उद्योग सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सैन्य सह-उत्पादन शामिल हैं, जो दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करेंगे। विदेश मामलों के जानकार मानते हैं कि यह समझौता क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को बदलने वाला है। मध्य पूर्व में इजरायल की आक्रामकता और ईरान के साथ तनाव के बीच सऊदी अरब को एक मजबूत सहयोगी की जरूरत थी। पाकिस्तान के लिए यह आर्थिक और रणनीतिक लाभ का स्रोत है, क्योंकि सऊदी अरब से तेल आपूर्ति और वित्तीय सहायता मिल सकती है। अब जान लेते हैं कि यह समझौता दोनों देशों के लिए क्यों अहम है? सबसे पहले, सऊदी अरब के लिए यह अमेरिकी निर्भरता से मुक्ति का कदम है। पाकिस्तान की परमाणु क्षमता इस समझौते को और मजबूत बनाती है। पाकिस्तान के लिए यह समझौता आर्थिक संकट से उबरने का अवसर है। पाकिस्तान को सऊदी से तेल आपूर्ति, निवेश और सैन्य सहायता मिल सकती है, जो भारत के लिए चिंता का विषय है। मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत-पाकिस्तान संबंध तनावपूर्ण हैं। इस समझौते से पाकिस्तान को सऊदी की वित्तीय और तेल सहायता मिल सकती है, जो युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान की शक्ति बढ़ाएगी। यदि यह समझौता क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा देता है, तो यह सभी के लिए लाभदायक होगा, लेकिन यदि यह टकराव को बढ़ावा देता है, तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं।

> **पाकिस्तान अब मुस्लिम दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है, जो कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ इस्तेमाल हो सकता है। हालांकि, भारत की प्रतिक्रिया संयमित रही है।**

रक्षा सहयोग के साथ ही एक रणनीतिक संदेश

कूटनीति

महेंद्र तिवारी

स्वतंत्र पत्रकार

पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हाल ही में हुआ सामरिक पारस्परिक रक्षा समझौता दक्षिण एशियाई राजनीति और भारत–सऊदी रिश्तों के लिहाज से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस समझौते को पश्चिम एशिया और एशियाई राजनीति के कई जानकार केवल रक्षा सहयोग नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संदेश मानते हैं।

अमेरिकी विशेषज्ञ माइकल कुलेगमेन ने कहा कि यह केवल सैन्य सहयोग का मामला नहीं बल्कि पाकिस्तान का यह दिखाना है कि वह चीन, तुर्की और अब सऊदी जैसे बड़े सहयोगियों के साथ खड़ा है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि इसे भारत को पाकिस्तान पर हमला करने से रोकने वाली दीवार मानना जल्दबाजी होगी। पश्चिम एशियाई मामलों के जानकार जहाकतनवीर ने भी याद दिलाया कि सऊदी–पाक रक्षा समझौता कोई नई बात नहीं है। अतीत में ऐसे कई समझौते हुए हैं जो ज्यादातर सऊदी की सुरक्षा तक सीमित रहे, पाकिस्तान के लिए नहीं। पाकिस्तान की सेना को कई बार सऊदी हितों के लिए किराए की सेना कहा गया है। सीधे भारत के खिलाफ सैन्य सहयोग की संभावना फिलहाल बेहद कम है। पाकिस्तान और सऊदी अरब का संबंध ऐतिहासिक रूप से गहरा रहा है।

ईरान–इराक युद्ध के दौरान (1980–88) पाक ने सऊदी को सुरक्षा का भरोसा दिया था। 1965, 1971 और कारगिल 1999 के भारत–पाक युद्धों में सऊदी अरब ने पाकिस्तान को वित्तीय और राजनयिक मदद दी, पर उसने कभी भारतीय मोर्चे पर अपनी सेना नहीं भेजी। 2014–15 में सऊदी ने इस्लामी सैन्य गठबंधन बनाया था, जिसका नेतृत्व पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख राहील शरीफ को सौंपा गया था। इन घटनाओं से यह साफ है कि सऊदी और पाकिस्तान का रिश्ता परस्पर जरूरतों और रणनीतिक लाभ पर आधारित रहा है। इस नए डिफेंसए ग्रीमेंट ने इस रिश्ते को एक नया आयाम दिया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सऊदी अरब भारत के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई करेगा। भारत और सऊदी अरब के बीच के रिश्तों की बात करें तो सऊदी ने कभी भी भारत विरोधी आतंकवाद को समर्थन नहीं दिया।

इसके उलट, दोनों देशों के बीच ऊर्जा व्यापार, निवेश और प्रवासी भारतीयों के माध्यम से मज़बूत आर्थिक और सामाजिक संबंध हैं। सऊदी अधिकारी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत के साथ उनके रिश्ते मज़बूत बने रहेंगे और वे क्षेत्रीय शांति के लिए योगदान देते रहेंगे। कुल मिलाकर, यह रक्षा समझौता पाकिस्तान के लिए आर्थिक और कूटनीतिक राहत, सऊदी के लिए अतिरिक्त सुरक्षा गारंटी, और भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी के रूप में देखा जा सकता है।

> **यह रक्षा समझौता पाकिस्तान के लिए आर्थिक और कूटनीतिक राहत, सऊदी के लिए अतिरिक्त सुरक्षा गारंटी, और भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी के रूप में देखा जा सकता है।**

सार्वभौम उदारता त्यागकर अब कठोरता दिखाए भारत

विमर्श

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

अंतराष्ट्रीय कूटनीतियां आधुनिक युग में संतुलन की स्थिति में हैं ही नहीं। विदेश स्तर की कूटनीतियों का यह असंतुलन भारत के लिए प्रतिदिन समस्या खड़ी कर रहा है। नवीन समस्या पाकिस्तान तथा सऊदी अरब के मध्य गत 17 सितंबर को हस्ताक्षरित हुए एक रणनीतिक रक्षा अनुबंध के परिप्रेक्ष्य में उभर रही है। दोनों देशों ने हस्ताक्षरित अनुबंध प्रारूपों का आदान-प्रदान करने की समयावधि में एक संयुक्त वक्तव्य दिया है कि उनमें से किसी भी देश पर किसी भी प्रकार के आक्रमण को दोनों ही देशों के विरुद्ध आक्रमण माना जाएगा।

विचारणीय 'रणनीतिक पारस्परिक रक्षा अनुबंध' पर सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान अब्दुल अजीज अल सऊद और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी इस अवसर पर उपस्थित थे। दो मुस्लिम देशों के बीच हुआ यह अनुबंध भारत के लिए कई संदर्भों में चिंतनीय है। अभी तक इस अनुबंध पर भारत की ओर से भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल का ही वक्तव्य आया है। उनके अनुसार, भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कार्य करेगा तथा सभी क्षेत्रों में व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। अमेरिका की पहल पर भारत विरोधी दो मुस्लिम देशों की इस नई गुटसापेक्षता द्वारा भारत का चिंतित होना स्वाभाविक है। हालांकि सऊदी से भारत के द्विपक्षीय संबंध कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थिति में हैं। चाहे द्विपक्षीय स्थिर संबंध हों, ऊर्जा सुरक्षा हो, निवेश का बड़ा प्रवाह हो अथवा वहां रह रहे भारतीयों द्वारा उस देश के चहुंदिश विकास में उच्च स्तर की पदाधिकारिक महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाए जाने का सत्य हो, किंतु अब परिस्थिति भिन्न हो चुकी हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 में ही दोनों देशों का परस्पर व्यापार 42.98 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का हुआ था, जिसमें से हमने वहां से 31.42 बिलियन डॉलर मूल्य का आयात किया तो यहां से वहां 11.56 बिलियन यूएसडी मूल्य का निर्यात संपन्न हुआ। भारत कच्चे तेल तथा पेट्रो उत्पादों की बड़ी मात्रा के लिए अरब देश पर निर्भर है। विगत में दोनों देशों के विशिष्ट संबंधों का परिलक्षण तब दिखा था जब 2016 में सलमान बिन ने नरेंद्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'किंग अब्दुल अजीज सैश' प्रदान किया था। भारतीय नेतृत्व के प्रति इस सीमा तक सम्मान प्रदर्शित करने के बाद भी आज अकस्मात अमेरिकी दबाव में सऊदी की वैश्विक दक्षिण में भारत के प्रति एक विरोधी छवि उभर कर सामने आई है। हालांकि अभी पाकिस्तान और सऊदी के बीच हुए रक्षा अनुबंध की विस्तृत रूपरेखा सामने नहीं आई है, किंतु इतना तो निश्चित है कि यदि पाकिस्तान के साथ रक्षा-सुरक्षा रणनीतिक समझौते के बाद संयुक्त वक्तव्य में दोनों देशों की ओर से किसी शत्रु देश का संकेत उभरता है, तो पाकिस्तान के संदर्भ में तो वह भारत ही हुआ, और सऊदी के पाकिस्तान के साथ होने के संकेतन का अर्थ भी यही है कि वह भी अप्रत्यक्ष रूप में भारत का शत्रु ही हुआ। इस परिप्रेक्ष्य में भारत के सामने अमेरिका से लेकर सऊदी अरब तक अपनी कूटनीतिक गतिविधियों को नवाकार देने की चुनौती उभर आयी है।

> **भारत उन देशों के प्रति सार्वभौम उदारता प्रदर्शित करना बंद करे, जो द्विपक्षीय संबंधों को दीर्घकाल तक संभाले रखने की तुलना में स्वार्थ व एकाधिकार की नीतियों के कारण उन्हें तोड़ने को प्राथमिकता दे रहे हैं**

गत आठ-नौ माह में भारत के संबंध अमेरिका के साथ जिस ढंग से असंतुलित हुए हैं, उस कारण भारत के प्रति सऊदी की द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति में भी परिवर्तन आ चुका है। सामरिक सुरक्षा हेतु अमेरिकी कृपा पाने के लिए सऊदी ने भारत के प्रति अपनी कूटनीतिक स्थितियां उसी प्रकार ढाल ली हैं, जैसे अमेरिका ने उससे अपेक्षा की है, और निश्चित रूप में अमेरिकी शासन मध्य एशिया में खाड़ी के अग्रणी देशों में से एक सऊदी को भारत के अनुकूल बनाये नहीं रखना चाहता। चूंकि ऑपरेशन सिंदूर की समयावधि में पाकिस्तान के बहाने भारत व अमेरिका के संबंधों में अविश्वास उत्पन्न हुआ था, इसीलिए अमेरिका उसी के माध्यम से सऊदी को भारत के प्रतिरोध में खड़ा करने का प्रयास कर रहा है।

अरब देश भारत विरोधी पाकिस्तान वाले गुट में सम्मिलित होने की अमेरिकी मंशा का विरोध नहीं कर सकता है और तब तक तो कदापि नहीं कर सकता है, जब तक वह अपनी सामरिक आवश्यकताओं के लिए अधि सीमा तक अमेरिका पर ही निर्भर है। भारत के प्रति अमेरिका, चीन, सऊदी अरब तथा अन्य देशों का जो कूटनीतिक भेदभाव परिलक्षित हो रहा है, उससे हमें यही शिक्षा ग्रहण करनी होगी कि अब भविष्य में भारत कम से कम उन देशों के प्रति सार्वभौम उदारता प्रदर्शित करना बंद करे, जो पारस्परिक द्विपक्षीय संबंधों को दीर्घकाल तक संभाले रखने की तुलना में स्वार्थ व एकाधिकार की नीतियों के कारण उन्हें तोड़ने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

समझौते से बढ़ सकती हैं भारत की सैन्य मुश्किलें

सैन्य चुनौती

डॉ. एन. के. सोमानी

वरिष्ठ पत्रकार

ऑपरेशन सिंदूर में भारत के हाथों बुरी तरह से पिट चुका पाकिस्तान अब अपनी रक्षा और सुरक्षा के लिए सैन्य समझौतों की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है। सऊदी अरब के साथ किया गया स्ट्रेटेजी म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट उसकी इसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि पाकिस्तान इससे पहले अमेरिका के नेतृत्व वाले समझौतों और गठबंधनों का हिस्सा रहा है लेकिन सऊदी अरब के साथ हुआ समझौता उस बाध्यकारी खंड के कारण अहम हो जाता है, जिसमें कहा गया है कि दोनों देशों में से किसी के भी खिलाफ किसी भी तरह के हमले को दोनों पर किया गया आक्रमण माना जाएगा।

समझौते की शब्दावली एक तरह से नाटो के खंड 5 की 'कॉपी' है, जिसमें कहा गया है कि एक देश पर हमला सभी सदस्य देशों पर हमला माना जाएगा और सभी सदस्य उससे अपनी तरह से निबटेंगे। यही वजह है कि पाकिस्तान-सऊदी अरब सुरक्षा समझौते को मीडिल ईस्ट में नाटो का आरंभ कहा जा रहा है। पाकिस्तानी मीडिया का दावा है कि जल्दी ही कुछ और देश भी समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। भारत ने समझौते पर सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। भारत का कहना है कि वह क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्यन करेगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक का शीर्ष नेतृत्व लगातार इस बात की कोशिश करता हुआ दिखाई दे रहा है कि वह किसी न किसी तरह भारत को दुनिया के बड़े देशों से अलग-थलग कर दे। पाक नेताओं और फिल्ड मार्शल असीम मुनीर के विदेश दौरों का सिलसिला पाकिस्तान की इस कोशिश का ही परिणाम है। हालांकि समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद सऊदी अरब ने कहा है कि भारत के साथ हमारे मजबूत संबंध हैं, हम संबंधों को आगे बढ़ाते रहेंगे। यह समझौता किसी खास देश या घटना विशेष की प्रतिक्रिया नहीं है बल्कि दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक और गहन सहयोग का संस्थागत रूप है। हम क्षेत्रीय शांति में हर संभव योगदान देने का प्रयास करेंगे। भारत और सऊदी के बीच अरसे से घनिष्ठ संबंध रहे हैं। भारत सऊदी का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सऊदी और उसकी खाद्य सुरक्षा के लिए भारत अहम देश है। संयुक्त सैन्य अभ्यास के माध्यम से भी दोनों देश रक्षा सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। इसके अलावा दोनों देश आतंकवाद, उग्रवाद और वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए खुफिया जानकारी साझा करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान भारत और सऊदी अरब के संबंध खासे मजबूत हुए हैं। मोदी अब तक तीन बार (2016, 2019 और अप्रैल 2025) सऊदी अरब का दौरा कर चुके हैं। साल 2016 में जब पीएम मोदी पहली दफा सऊदी की यात्रा पर गए, उस वक्त सऊदी अरब ने उन्हे अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। साल 2019 में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भारत की यात्रा पर आए तो पीएम मोदी खुद दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए पहुंचे। भारत यात्रा पर आए सऊदी प्रिंस ने उस वक्त कहा था कि पिछले 70 सालों में सऊदी अरब को खड़ा करने में भारत की भी अहम हिस्सेदारी रही है। ऐसे में सवाल यह है कि सऊदी अरब पाकिस्तान जैसे आतंकवाद का पोषण करने वाले देश के साथ इस तरह के समझौते के लिए क्यों राजी हो गया। कहीं ऐसा तो नहीं कि सऊदी परमाणु शक्ति संपन्न भारत के साथ संबंधों को संतुलित करने की आवश्यकता महसूस करने लगा है। सच तो यह है कि पिछले दिनों इजरायल द्वारा कतर की राजधानी दोहा पर किए मिसाइल हमलों ने खाड़ी देशों के भीतर इस कदर भय उत्पन्न कर दिया है कि उनका वाशिंगटन पर भरोसा डगमगा गया है।

माना जा रहा है कि सऊदी सीधे तौर पर भारत पर हमला नहीं करेगा लेकिन जिस तरह से यूरोप के देश यूक्रेन को सैन्य मदद कर रहे हैं, उसी तरह सऊदी भारत के खिलाफ पाकिस्तान को सैन्य मदद दे सकता है। सऊदी अरब की सेना भले ही छोटी हो लेकिन उसके जखीरे में अमेरिका, चीन और रूस से खरीद किए हुए अत्याधुनिक हथियार हैं। अब पाकिस्तान ने सऊदी के साथ पैक्ट कर भारत-अमेरिका सहित मिडिल ईस्ट को बड़ा संकेत दे दिया है। निसंदेह समझौते के बाद पाकिस्तान की ताकत और अधिक बढ़ जाएगी। ऐसे में भारत को स्ट्रेटेजी म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट को गंभीरता से लेना होगा और बदलती भू-सामरिक स्थिति को साधने के लिए भारत को अपनी सैन्य क्षमता और ज्यादा बढ़ानी होगी।

> **निसंदेह समझौते के बाद पाकिस्तान की ताकत और अधिक बढ़ जाएगी। ऐसे में भारत को स्ट्रेटेजी म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट को गंभीरता से लेना होगा तथा अपनी सैन्य क्षमता और ज्यादा बढ़ानी होगी।**

शारदीय नवरात्र विशेष

आदिशक्ति की आराधना का महापर्व

जगत-जननी आदिशक्ति मां दुर्गा की आराधना का वार्षिक महापर्व शारदीय नवरात्र का कल से शुभारंभ हो रहा है। पौराणिक काल से भारतीय जन मानस और संस्कृति में मां शक्तिस्वरूपा के पूजन की परंपरा आज भी बनी हुई है। मां दुर्गा के दिव्य स्वरूप, उनकी व्यापकता और उनके पूजन-भक्ति विधान पर यहां विस्तार से बता रहे हैं।

आवरण कथा

आचार्य गोविंद बल्लभ जोशी

सनातन हिंदू धर्म व्यक्तिवादी नहीं मानवतावादी धर्म है, जहां प्रकृति और परमब्रह्म का चिंतन-मनन निहित है। 'एको अहम बहु स्याम' (अर्थात मैं एक होकर अनेक हो जाऊं) की संकल्पना से प्रारंभ होकर जब एक परमब्रह्म को यह लगा मैं एक से अनेक रूपों में होना चाहता हूं, तब उन्होंने अपनी पराप्रकृति आदि शक्ति का आलंबन लेकर जगत की सृष्टि प्रारंभ की। तब जलचर, थलचर, नभचर जीवों की उत्पत्ति इस जग जीवन को अलंकृत करने लगी। वहीं अन्न और वनस्पति जगत ने सभी के योगक्षेम का दायित्व प्रारंभ किया। आशय यह है कि इन सभी की आधार चेतना शक्ति के रूप में परांबा जगज्जननी आदिशक्ति दुर्गा भवानी विद्यमान हुईं। इसी आदिशक्ति की प्रकृति- परमात्मा की पूजा-आराधना का व्रत पर्वोत्सव है शारदीय नवरात्र में नव दुर्गा का उपासना पर्व।

चराचर की चैतन्यशक्ति

मां आदिशक्ति भगवती चराचर की चैतन्य शक्ति हैं, प्रकृति में चेतना भरने वाली शक्ति ही पराम्बा भगवती दुर्गा हैं।

या देवी सर्वभूतेषु चेतनेत्यभिधीयते
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

मां दुर्गा जगत-उत्पत्ति जगत-पालन और जगत-संहार का कारण हैं। संसार का सार तत्व ही दुर्गा हैं। इनके बिना यह जगत असार है।

सृष्टि स्थिति विनाशानाम् शक्ति भूता सनातनी

सदैव विद्यमान चेतना शक्ति के कारण ही मां आदिशक्ति को सनातनी कहा गया है। यही आदिशक्ति अनेक कारणों से संसार में अनेक रूपों में अवतरित होती हैं और संसार के बिगड़ते संतुलन को व्यवस्थित करती हैं। इसी कारण यह संसार की व्यवस्थापिका हैं। कभी प्रकृति के असंतुलन को ठीक करने हेतु, कभी आसुरी शक्तियों का संहार कर दैवीशक्तियों को जागृत कर बलवती बनाने को, तो कभी अपने भक्तों का आर्त दूर करने आदि अनेक कारणों से अपनी विविध शक्ति स्वरूपों में प्रकट होती हैं।

शरणागत दीनार्त परित्राण परायणे
सर्वस्यार्त हरे देवि नारायणी नमोस्तुते।

सौम्य के साथ रौद्रस्वरूपा

भवसागर से पार उतारने वाली होने के कारण इन्हें भवानी कहते हैं। मां का स्वरूप अतिसौम्य भी है तो अतिरौद्र भी है। सौम्य और सात्विक जनों की रक्षा हेतु मां दुर्गा रौद्र रूप धारण कर उन्हें आसुरी ताकतों से बचाती हैं और वात्सल्यमयी सौम्य स्वरूपा होकर भक्तजनों की रक्षा करती हैं।

अति सौम्यातिरौद्रायै नतास्तस्मै नमो नमः।

वस्तुतः शुंभादि दैत्यों का संहार होने के बाद इंद्रादि देवताओं ने इसी प्रकार माता दुर्गा की स्तुति प्रार्थना की थी। जो जगदंबा देवताओं की रक्षा करने हेतु अवतरित हुईं, वह मनुष्यों का भय

क्यों नहीं हरण करेंगी, जो लोग इसी श्रद्धा-भक्ति से मां की आराधना करते हैं, उन्हें लौकिक सुख एवं पारलौकिक सुख दोनों प्राप्त होते हैं।

सहज भक्ति भी है फलदायी

कलिकाल में तो उनकी सहज भक्ति ही फलदायी बताई गई है। शास्त्र कहते हैं कि 'कलौ चंडी विनायकौ' अर्थात कलिकाल में चंडिका एवं विनायक गणपति जी महाराज की उपासना तत्काल फलदायी है। आसुरी ताकतों एवं दुष्ट प्रवृत्तियों से मुक्त होने का यह एकमात्र साधन है। राष्ट्र एवम सनातनधर्म की रक्षा हेतु चंडी-विनायक आराधना बहुत महत्वपूर्ण है। इसीलिए उपासना क्रम में विनायक गणपति आराधना के बाद ही दुर्गापूजा उत्सव आता है। इसीलिए प्राचीन काल से ही राजा और प्रजा सभी दुर्गा-उपासना पर्व को नवरात्र महोत्सव के रूप में मनाते आ रहे हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने नवरात्र आराधना एवं विजयदशमी पूजन के बाद लंकाविजय की हुंकार भरी थी।

नवरात्र पूजन विधि-विधान

भक्तजनों की सुविधा हेतु संक्षिप्त पूजा विधान इस प्रकार दिया जा रहा है ताकि आप अपने पूजास्थल पर नवरात्र आराधना कर मां दुर्गा की कृपा प्राप्त कर सकें।

नित्य कार्यों से निवृत्त होकर गंगा-यमुना, कृष्णा, कावेरी, सिंधु, गोदावरी आदि नदियों का स्मरण करते हुए तीर्थ स्नान का पुण्य प्राप्त करने के बाद पूजा स्थान पर जाकर सर्वप्रथम सामग्री को व्यवस्थित कर स्वयं को केसरयुक्त रोली तिलक करें। फिर अखंडदीप जलाएं। तत्पश्चात स्वास्तिक बनाकर चौकी पर कलश स्थापित करें। कलश में हल्दी का एक टुकड़ा, एक सिक्का और आम-अशोक के पत्ते डालें। उनके ऊपर साबुत चावलों का भरा हुआ एक कटोरा, पूर्णपात्र के रूप में स्थापित करें। पूर्णपात्र में नारियल रखें। जटा नारियल का मुख ऊपर आसमान की ओर अथवा स्वयं की ओर करें। पुनः कलश को चारों ओर से लाल अथवा पीले वस्त्र से आच्छादित करें और उसे मौली से बांधना चाहिए। वहीं दो सुपारी रिद्धि-सिद्धि सहित श्री गणपति महाराज के रूप में स्थापित करें। उनके ऊपर कलावा का गोला, एक जोड़ा यज्ञोपवीत और दूर्वा रखकर हाथ जोड़कर कलश में सभी देवी-देवताओं के निमित्त पूजन प्रारंभ करें। सर्वप्रथम उन्हें आसन के निमित्त फूल अर्पित करें, फिर हाथ में फूल, रोली, अक्षत लेकर ध्यान लगाकर अर्पित करें। माता दुर्गा की प्रतिमा अथवा चित्र के समक्ष उनका आह्वान करें। दुर्गा जी की प्रतिमा के आगे कलश में ही गणपति, मातृका कलश वरुण, नवग्रह आदि का इस प्रकार पूजन करें। उन्हें चार बार आचमनी से जल समर्पित करें। इसका तात्पर्य यह है कि आप उनके चरण धो रहे हैं। हाथ से अर्घ्य दे रहे हैं। मुख में आचमनी करा रहे हैं और चौथी बार उनका सर्वांग स्नान करा रहे हैं। तत्पश्चात उन्हें वस्त्र अर्पित करें। वस्त्र के बाद तिलक करें। उन्हें धूप, दीप दिखाएं, फिर पंचमेवा लड्डू आदि प्रसाद चढ़ाना चाहिए। उसके बाद फल, तांबूल आदि अर्पित कर कुछ द्रव्य भेंट चढ़ाकर आरती करनी चाहिए।

इसके बाद प्रधान पूजा अर्थात नवदुर्गा पूजा भी इसी प्रकार पाद्य, अर्घ्य, आचमनी और सर्वांग स्नान, धूप, दीप, नैवेद्य, फल, तांबूल आदि क्रम में रखें। भगवती दुर्गा के नौ के नौ रूपों का प्रतिदिन पूजन करना चाहिए। जो दिन जिस स्वरूप का हो, उस स्वरूप की उस दिन विशेष पूजा करनी चाहिए। सायंकाल गाय के घृत अथवा तिल के तेल से उनकी भक्तिभाव से आरती कर पुष्पांजलि करनी चाहिए और हाथ जोड़कर इस श्लोक का उच्चारण करें-

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणी नमोस्तुते।

तत्पश्चात दोनों हाथ आस-पास की ओर उठाकर मां दुर्गा को शरणागत होते हुए कहें-

शरणागत दीनार्त परित्राण परायणे,
सर्वस्यार्तिहरे देवि नारायणी नमोस्तुते।

इस प्रकार आप मां नवदुर्गा की आराधना कर सकते हैं। यदि संभव हो तो दुर्गा सप्तशती का पाठ करें या हिंदी अनुवाद पढ़ते हुए मां के नव स्वरूपों एवं चरित्रों को आत्मसात करें।

अष्टमी अथवा नवमी के बाद प्रत्येक भक्त परिवार को नवार्ण मंत्र से हवन कर मां को हलवा, पूड़ी, छोले का प्रसाद भोग लगाकर कन्या पूजन अवश्य करना चाहिए। तत्पश्चात भोज प्रसाद ग्रहण करना चाहिए। *

बंगाल की भव्य-पारंपरिक राजबाड़ी दुर्गा पूजा

भवानीपुर दे बाड़ी दुर्गा पूजा

वैसे तो शारदीय नवरात्र में पूरे बंगाल में दुर्गा पूजा की छटा देखते ही बनती है। लेकिन वहां कुछ दुर्गा पूजाओं की परंपरा कई सदी पुरानी है। अपने में परंपरा, इतिहास और आस्था की त्रिवेणी समेटे इन दुर्गा पूजाओं में से कुछ पर एक नजर।

पर्व परंपरा / शिखर चंद जैन

हालांकि सनातन धर्म के सभी अनुयायी दुर्गा पूजा में पूरी श्रद्धा और उत्साह से सम्मिलित होते हैं, लेकिन बांग्ला भाषियों के लिए यह सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि भावनाओं का उत्सव होता है। इन दिनों बंगाल जगमगाती रोशनी और सुर्ख रंगों से सज जाता है। चारों तरफ विभिन्न प्रकार के व्यंजनों, नए कपड़ों, मोहक सजावट वाले थीम आधारित भव्य-विशाल पंडाल और उत्साह-उमंग भरा उत्सवी माहौल नजर आता है। लेकिन इन सबसे दूर कुछ अत्यंत पारंपरिक, कुलीन और राजघरानों की दुर्गा पूजाएं भी आयोजित की जाती हैं, जो विशुद्ध रूप से सात्विक वातावरण और रीति-रिवाजों से आयोजित की जाती हैं। ये घराने दशकों से और इनमें से कुछ तो सदियों से दुर्गा पूजा मनाते आ रहे हैं। कई राजबाड़ियां (घराने) आज भी अस्तित्व में हैं। पूजा के दौरान इनमें सम्मिलित होना आस्था के सागर में डुबकी लगाने जैसा अनुभव देता है।

बागबाजार हलदरबाड़ी दुर्गा पूजा: यह भी कोलकाता की सबसे पुरानी और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण दुर्गा पूजा की सूची में शामिल है। हलदरबाड़ी की दुर्गा प्रतिमा की पिछले 447 वर्षों से प्रतिदिन पूजा की जाती रही है। यह प्रतिमा बलुआ पत्थर से बनी है और लगभग 600 से 700 वर्ष पुरानी है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि इसे बंगाल के पाल साम्राज्य के शासनकाल में निर्मित किया गया था। कुमारी पूजा, हलदरबाड़ी दुर्गा पूजा के मुख्य आकर्षणों में से एक है।

भूकैलाश राजबाड़ी दुर्गोत्सव: महाराजा जय नारायण घोषाल ने लगभग 300 साल पहले भूकैलाश राजबाड़ी में इस दुर्गा पूजा की शुरुआत की थी, जो अब खिदिरपुर क्षेत्र में है। यहां पर महिषासुरमर्दिनी यानी मां दुर्गा की मूर्ति अष्टधातु से बनी है और देवी घोड़े के आकार के शेर पर सवार हैं।

भवानीपुर दे बाड़ी दुर्गा पूजा: भवानीपुर दे बाड़ी दुर्गोत्सव की शुरुआत वर्ष 1870 में हुई थी। इस पूजा की एक खासियत यह है कि इसकी प्रतिमा में महिषासुर, अंग्रेज सैनिकों की तरह कोट और पैंट पहनते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसे ब्रिटिश काल में सबसे पहले अंग्रेजों के विरोध में बनाया गया था। यहां यह परंपरा आज भी जारी है।

बिष्णुपुर राजबाड़ी दुर्गापूजा: इसकी शुरुआत लगभग 994 ईस्वी में हुई थी। यह पूरे बंगाल क्षेत्र की सबसे प्राचीन दुर्गा पूजाओं में से एक है। इस पूजा को 'मृणमयी मां की

पूजा' के नाम से भी जाना जाता है। यहां दुर्गोत्सव की शुरुआत 15 दिन पहले ही हो जाती है। इस उत्सव के दौरान यहां माता रानी को सांकेतिक रूप से तोप की सलामी भी दी जाती है। नवमी के दिन गुप्त पूजा बंद कमरे में होती है।

लाहा बारी दुर्गोत्सव: यह वैष्णव परिवार महिषासुर वध को अहिंसक मानता है, इसलिए यहां मां दुर्गा का शांत रूप देखने को मिलता है। यह पूजा कितनी पुरानी है, इस पर विद्वानों में मतभेद है। कुछ विद्वानों का कहना है कि भगवान प्राण कृष्ण लाहा ने लगभग 170 साल पहले यह पूजा सबसे पहले की थी, जबकि कुछ अन्य लोगों का मानना है

कि प्राण कृष्ण के पिता श्री राजीव लोचन लाहा ने लगभग 200 साल पहले इसकी शुरुआत की थी।

मल्लिक बाड़ी दुर्गा महोत्सव: यह कोलकाता की सबसे प्राचीन दुर्गा पूजा में से है। भवानीपुर का मल्लिक परिवार के पूर्वज मुख्यतः वैष्णव धर्म का पालन करते थे। कहते हैं 15वीं शताब्दी ईस्वी में नवाब हुसैन शाह के समय से अब तक इस परिवार के सदस्य देवी दुर्गा की एक ही रूप में पूजा करते आ रहे हैं। ये वैष्णव धर्म का पालन करते हैं, इसलिए पूजा के पांच दिनों तक शाकाहारी भोजन ग्रहण करते हैं। *

शोभा बाजार राजबाड़ी दुर्गा पूजा

शोभा बाजार राजबाड़ी के राजा नवकृष्ण देव ने 1757 में पहली बार यहां दुर्गा पूजा का आयोजन किया था। यहां प्राचीन रीति-रिवाजों के अनुसार दशभुजा की पारंपरिक पूजा की जाती है। यहां गैर-हिंदुओं को राजबाड़ी के बाहरी भाग में स्थित 'नाच घर' या नृत्य मंडप में विशिष्ट हिंदू पारिवारिक समारोह देखने को मिलता है। राजा नव कृष्ण देव ने इस दुर्गा पूजा की शुरुआत सभी धर्मों के लोगों को परिसर में प्रवेश की अनुमति देकर की थी। प्लासी के युद्ध के बाद, उन्होंने वॉरेन हेस्टिंग्स और लॉर्ड क्लाइव को भी इस भव्य पूजा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। ऐसा कहा जाता है कि देवी दुर्गा, शाही महल के 'नाच घर' में बजने वाले मधुर गीतों को सुनने के लिए आती थीं।

गजल

गोविंद भारद्वाज

एक ऐसा ही शिफा उसने हमारा कर दिया,
बंद निगाहों से मेरी मां ने उतारा कर दिया।
थे जहां में आदमी हम भी बड़े ही काम के,
इश्क ने हमको यकीनन अब नकारा कर दिया।
छोड़ कर दुनिया चले आए उसी के पास हम,
बस निगाहों से जो उसने इक इशारा कर दिया।
थे कभी शबनम जमाने की निगाहों में अजी,
बेवफाई ने मगर उसकी अंगारा कर दिया।
प्यार उसने भी किया था बेतहाशा ही मगर,
नाम बदनाम लेकिन क्यों तुम्हारा कर दिया?
अब चले तन्हा कमाई के लिए परदेश में,
इस कमाने की हवस ने बेसहारा कर दिया।
पास जब दौलत रही सब खास थे 'गोविंद' के,
मुफलिसी के दौर में सब ने किनारा कर दिया।

कहानी / भूपेंद्र भारतीय

आज के दौर में व्यवस्था तंत्र इतना भ्रष्ट हो चुका है कि छोटे-छोटे काम के लिए भी आम आदमी इसमें उलझ कर कसमसाता रहता है। इर्द-गिर्द मौजूद दलाल भी इस भ्रष्ट व्यवस्था के पोषक बन जाते हैं। भ्रष्ट व्यवस्था के तंत्र में फंसे एक आम आदमी पर केंद्रित कहानी।

चाय की गुमटी

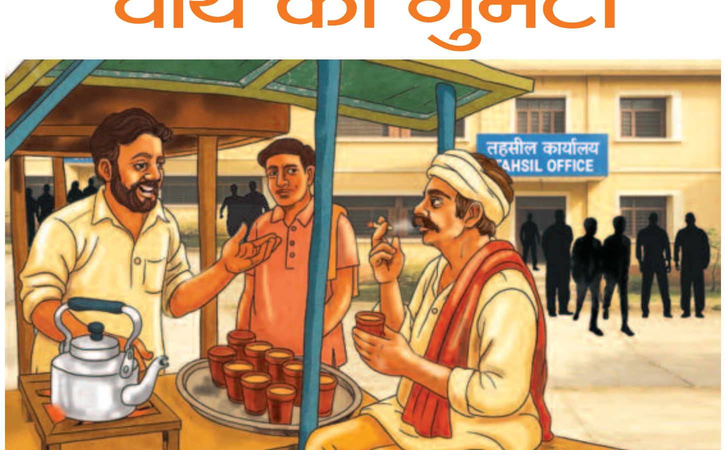

आज सुबह से रुक-रुककर तेज बारिश हो रही थी। सितंबर माह का पहला सोमवार था, भादो की बरखा पूरे रंग में थी। तहसील के सामने वाली चाय की गुमटी में बैठा नयाराम तहसीलदार और पटवारी की बाट जोह रहा था। दोपहर की घड़ी आ गई थी। लग रहा था जैसे सूरज देवता बादलों के पार आराम कर रहे हैं। अब तक तहसील में कोई ज्यादा चहल-पहल नहीं हुई थी। सुबह से हो रही बारिश के कारण तहसील के आस-पास वाली दुकानें बंद थीं। बस कुछ ही लोग दिख रहे थे। नयाराम को अपने गांव से तहसील आए तीन घंटे बीत चुके थे। इन तीन घंटों में उसने दो चाय और आठ-दस बीड़ी पी ली थी। नयाराम अपने हल्के के पटवारी को भी निरंतर मोबाइल लगा रहा था, लेकिन पटवारी का सुबह से मोबाइल बंद आ रहा था। नयाराम दो-तीन बार तहसील के चपरासी से तहसीलदार और पटवारी के आने के बारे में पूछ चुका था। चपरासी का एक ही जवाब होता, 'साहब क्षेत्र में दौरे पर हैं, पता नहीं कब आएंगे।'

नयाराम के पिता की मृत्यु हुए करीब एक वर्ष से ऊपर हो गया था, लेकिन उसके पिता उसकी पुश्तैनी जमीन के कागजों में अब तक जिंदा थे। गुमटी में बैठे-बैठे उसे अपने 'जीसाहब' की बहुत सी बातें रह-रह कर याद आ रही थीं। नयाराम अपने पिता को 'जीसाहब' संबोधित करता था। बीड़ी का करीब आधा बंडल वह फूंक चुका था। मन बहलाने और समय काटने के लिए नयाराम के पास बीड़ी ही अंतिम साधन थी। चाय के लिए पैसे लगभग समाप्त हो चुके थे। आधे दिन से ऊपर का समय बीत चुका था। चाय की गुमटी वाले ने नयाराम की बेचैनी को देखकर उससे पूछा 'क्यों भाई, कब से बैठे हो? किसका इंतजार है? पटवारी-तहसीलदार या फिर किसी दलाल का...।'

नयाराम बोला, 'अरे भाई तहसीलदार, पटवारी दोनों की बाट देख रहा हूं। लेकिन देखो, आधा दिन से ऊपर हो गया है, अब तक किसी के दर्शन नहीं हुए। इतनी भी बारिश नहीं हो रही है कि तहसील ना आएं। सरकारी अधिकारी होकर कोई जिम्मेदारी नाम की भी चीज होती है, जनता जाए भाड़ में।' चाय वाला हल्की मुस्कान के साथ बोला, 'अरे भाई, यहां तो ऐसा ही चलता है। लगता है तुम्हें तहसील में काम-काज का ढंग पता नहीं है। यहां सीधे-सीधे काम करवाना श्रीहरि के दर्शन प्राप्त करने जैसा है भाई।'

नयाराम ने चाय वाले को अपना काम बताया कि पिता की मृत्यु के बाद पुश्तैनी जमीन का नामांतरण होना है। इस काम के लिए तहसीलदार, पटवारी से मिलने के लिए चक्कर पर चक्कर लगा रहा है। चायवाला नयाराम को एक और चाय देते हुए बोला, 'पहले शांति से यह चाय पी लो, फिर मैं तुम्हें बताता हूं तुम्हारा काम कैसे होगा।'

नयाराम ने चाय पीने के बाद एक और बीड़ी जला ली। इस बार उसने चाय वाले की ओर भी बीड़ी का बंडल बढ़ाया। चाय वाले ने भी उसमे से एक बीड़ी निकालकर जला ली। बीड़ी पीते हुए वह बोला, 'देखो भाई, आज का दिन तो तुम्हारा गया। अब साहब का आना मुश्किल है। लगता है साहब आज क्षेत्र के दौरे पर लंबे निकल गए हैं। तुम कल जल्दी आ जाना। मैं तुमको एक व्यक्ति से मिलवा दूंगा। वह तुम्हारा सारा काम बहुत आसानी से करवा देगा। बस तुम्हें थोड़ा खर्चा-वर्चा करना होगा।'

नयाराम पहले चौंका फिर उदास स्वर में बोला, 'लेकिन भाई कितना खर्चा होगा?'

चायवाला आहिस्ता से बोला, 'अरे, डरो मत। ज्यादा खर्चा नहीं होगा, तुम्हारा काम कम में ही हो जाएगा।'

नयाराम सोच में पड़ गया।

नयाराम की भाव-भंगिमा देखकर चाय वाला बोला, 'ज्यादा विचार मत करो, कल आराम से आओ, फिर बात करते हैं। अब गांव वापस जाओ, बारिश और ज्यादा हो सकती है। इस बार भादो अच्छा बरस रहा है।'

नयाराम एक नई उम्मीद के साथ अपने गांव को चलने के लिए उठा। उसने चाय वाले को चाय के लिए पचास का नोट दिया। चायवाला बोला, 'अरे भाई, कल करते हैं सारा हिसाब, आज रख लो यह नोट। अपने बच्चों के लिए बाजार से कुछ खाने की चीज ले जाना।'

नयाराम ने एक ओर बीड़ी जलाई और बोला, 'कल आता हूं।' फिर चाय वाले को राम-राम करके गांव जाने के लिए बाजार की ओर बढ़ गया। आज तहसील में उसका सारा दिन बेकार हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन जीवनदृष्टि से उपजी कहानियां

अगर देखने की गहन दृष्टि हो तो रोजमर्रा के जीवन में हमारे आस-पास तमाम ऐसी घटनाएं और किरदार मिल जाएंगे, जिनसे कहानी की रचना की जा सकती है। वरिष्ठ कथाकार हरि भटनागर को इस कला में दक्षता हासिल है। इस बात की तस्दीक करती हैं कुछ समय पूर्व छपकर आए उनके कहानी संग्रह 'आपत्ति' की कहानियां। इस संग्रह में कुल जमा बारह कहानियां संकलित हैं। हर कहानी की भावभूमि और कथावस्तु, हमें जीवन के अनछुए या कहें कि प्रायः उपेक्षित किए जाने वाली छवियों से रूबरू कराती है। संग्रह की छोटी सी कहानी है 'मोहम्मद', जिसमें कथाकार ने यह दिखाने का प्रयास किया है कि असहिष्णुता किस तरह से व्यक्ति की चेतना और संवेदना को नष्ट कर देती है। शीर्षक कहानी 'आपत्ति' अपनी तरह की अनोखी कहानी है, जिसमें एक सुअरिया की गतिविधियों और भाव भंगिमाओं से उसके मनोविज्ञान का विश्लेषण लेखक ने किया है। संग्रह की अन्य कहानियों में कहीं वे घर के आस-पास विचरते पक्षियों, जानवरों पर कहानी बुन लेते हैं तो कहीं वे दरवाजे पर लटकते ताले के इर्द-गिर्द भी कहानी गढ़ लेते हैं। कह सकते हैं कि इस संग्रह की कहानियों को पढ़ते हुए यह साबित होता है कि जहां कहानी जन्म लेने की संभावना बिल्कुल नजर नहीं आती, वहां भी लेखक ने कहानी को रचा और पूरी कसावट के साथ बुना है। *

पुस्तक: आपत्ति (कहानी संग्रह), **लेखक:** हरि भटनागर, **मूल्य:** 265 रुपए, **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

तरकश

संजय के. दीक्षित

कलेक्टर-एसडीएम टैक्स

छत्तीसगढ़ में एक महिला विधायक के वायरल ऑडियो ने लोगों को हिला दिया है। पब्लिक को यह बखूबी पता है कि सूबे में करप्शन का कोई लेवल नहीं रह गया है। मगर माफियाओं की तरह कलेक्टर, एसडीएम इस तरह रंगदारी टैक्स वसूलने लगे, ये तो शर्मनाक है। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ कि पैसे के लिए कलेक्टर, एसडीएम इतना नीचे गिर जाएं कि विपक्षी विधायक से गठजोड़ करने लगें। ऑडियो में विधायक रेत माफिया से किस बेफिक्री से बोल रही कि कलेक्टर इतना से कम में मानेगा नहीं, फिर भी मैं बात कर लूंगी...एसडीएम को इतना देना पड़ेगा। हालांकि, विधायक ने ऑडियो को साजिश बताया है मगर सिस्टम को इसकी जांच करानी चाहिए, क्योंकि इस ऑडियो से विधायिका और कार्यपालिका की बची-खुची साख कटघरे में आ गई है।

मलाईदार पोस्टिंग और जेल

वक्त का गजबे चक्कर है...कभी आसमान पर पहुंचा देता है तो कभी धड़ाम से जमीन पर पटक देता है। विषय है गिरफ्तार आईएएस निरंजन दास का। राज्य प्रशासनिक सेवा से आईएएस बने निरंजन दास का जलवा लोगों ने बीजेपी में भी देखा तो कांग्रेस में भी। बीजेपी के दौरान नॉन आईएएस होते भी तीन साल तक भिलाई जैसे निगम के कमिश्नर रहे तो तीन साल नगरीय प्रशासन के डायरेक्टर। गरियाबंद में दो साल कलेक्टर की। हालांकि, कांग्रेस शासनकाल में उन्हें गजब का पोर्टफोलिया मिला। वे नगरीय प्रशासन के सिकरेट्री भी बनें। 31 जनवरी 2023 को रिटायर हुए तो 24 घंटे के भीतर संविदा पोस्टिंग मिल गई थी। और, विभाग ऐसे कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की होगी। आबकारी सचिव, आबकारी कमिश्नर, पंजीयन सचिव, नॉन के एमडी, ब्रेवरेज कॉरपोरेशन के एमडी। एक साथ पांच पोस्टिंग और पांचों उंगली घी वाली। संविदा में ऐसी पोस्टिंग किसी सचिव को आज तक नसीब नहीं हुई होगी। मगर निरंजन की ये हैसियत छह-सात महीने ही रह पाई। ईडी ने छापा मारकर उनकी हवाई रफ्तार पर ऐसा ब्रेक लगाया कि एक साल की संविदा नियुक्ति में तीन-चार महीना इधर-उधर भागते बीता। और अब...? सुप्रीम कोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक की अर्जी खारिज होने के बाद वे बोरिया-बिस्तर समेटकर भागने के फेर में थे कि ईओडब्लू ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

इतिहास दुहराएगा?

कहते हैं इतिहास दुहराता है...छत्तीसगढ़ में यह सही उतरता दिख रहा है। मुख्य सूचना आयुक्त सरजियस मिंज 2017 में रिटायर हुए तो करीब डेढ साल तक यह पद खाली रहा। तब तत्कालीन चीफ सिकरेट्री विवेक ढांड का सीआईसी बनना लगभग तय माना जा रहा था। मगर जैसे ही रेरा अस्तित्व में आया, उन्होंने सीआईसी की कुर्सी पर से अपना रुमाल उठा लिया और फिर सूबे की सबसे बड़ी पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंग उन्हें मिल गई। वे रेरा के चेयरमैन बन गए। इसके बाद एमके राउत को सीआईसी बनाया गया। राउत को रिटायर हुए तीन साल हो गए हैं। मगर अभी तक इस पद पर किसी की नियुक्ति नहीं हुई है। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने सीआईसी के लिए इंटरव्यू दिया है, लेकिन मामला गोल-गोल रानी की तरह घूम रहा है। ताजा अपडेट यह है कि अमिताभ जैन बिजली विनियामक आयोग के चेयरमैन बनेंगे। 19 सितंबर को हेमंत वर्मा रिलीव होकर त्रिपुरा चले गए और अब इस पद पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अमिताभ अगर बिजली विनियामक आयोग के चेयरमैन बन गए तो फिर इतिहास दुहराएगा।

41 साल का सर्विस क्लब

मुख्य सचिव अमिताभ जैन अगर बिजली विनियामक आयोग के चेयरमैन बनें तो वे छत्तीसगढ़ के 42 साल वाले सर्विस क्लब में शामिल हो जाएंगे। अमिताभ आईएएस में 36 साल की सर्विस पूरी कर चुके हैं। और पांच साल उन्हें बिजली विनियामक आयोग में मिल जाएगा। याने 41 साल की सरकारी सर्विस हो जाएगी। उनसे पहले विवेक ढांड और अजय सिंह इस क्लब के मेंबर हैं। विवेक आईएएस में करीब 37 साल रहे। उसके बाद पांच साल रेरा में। फिर डेढ़ साल योग आयोग में। अजय सिंह करीब 37 साल आईएएस में रहने के बाद प्लानिंग कमीशन में रहे और इस समय राज्य निर्वाचन कमिश्नर हैं। हालांकि, पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंग के मामले में अजय सिंह विवेक और अमिताभ के सामने थोड़ा कमजोर पड़ेंगे। राज्य निर्वाचन की पोस्टिंग सम्मानजनक है मगर रेरा और बिजली विनियामक जैसा ग्लेमर नहीं।

मुकद्दर तो होता है

जब तक आईएएस बीएल अग्रवाल क्रीज पर रहे, तब तक यही समझा जाता था कि अमिताभ जैन को सीएस की कुर्सी तक पहुंचना आसान नहीं। बीएल, अमिताभ से जस्ट एक बैच उपर 88 बैच के आईएएस थे। और 22 साल में आईएएस बन जाने से सर्विस भी लंबी थी। जाहिर है, अमिताभ के सपने में कोई आता होगा तो वो बीएल ही होंगे। अलबत्ता, अमिताभ गजबे किस्मती हैं। कौन सी ऐसी अच्छी पोस्टिंग रही, जो उन्होंने नहीं की। रायपुर कलेक्टर से लेकर डीपीआर तक। दो बार पीडब्लूडी सिकरेट्री। वित्त, वाणिज्यिक कर से लेकर राजभवन सचिव तक। अमिताभ प्रमुख सचिव थे, इसी दौरान बीएल अग्रवाल सर्विस से बाहर हो गए। इसके बाद तो फिर...अमिताभ जैन ने पौने पांच साल की कीर्तिमानी पारी खेल डाली। और अब उनका भाग्य देखिए...सीएस से रिटायरमेंट से 11 दिन पहले बिजली विनियामक आयोग चेयरमैन की कुर्सी खाली हो गई। ऐसा भी नहीं कि हेमंत वर्मा को प्रेशर डालकर हटाया गया हो। उनका त्रिपुरा में सलेक्शन हो गया और फायदे को देखते हुए उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसे अब किस्मत नहीं कहेंगे तो फिर क्या कहेंगे।

समय का चक्र

नॉन घोटाले में प्रिंसिपल सिकरेट्री डॉ. आलोक शुक्ला के यहां एसीबी ने छापा मारा तो ऐसा नहीं कि किसी बात को लेकर सरकार उनसे खफा हो गई थी। 2008 के विधानसभा चुनाव में आलोक शुक्ला के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रहने के दौरान राज्य सरकार के साथ उनके संबंध जरूर बेहद खराब हो गए थे। मगर समय के साथ खाई पट गई और 2016 में आलोक जब सेंट्रल डेपुटेशन से रायपुर लौटे तो उनका रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत किया गया था। रेड कार्पेट का मतलब यह कि पहली बार किसी आईएएस को डेपुटेशन से लौटने से पहले पोस्टिंग दे दी गई, वो भी दो अहम विभागों की वाली। आलोक के रायपुर लौटने से करीब हफ्ता भर पहले सरकार ने प्रमुख सचिव खाद्य और स्वास्थ्य बनाने का आदेश जारी कर दिया था। तब ब्यूरोक्रेसी में भी काफी लोगों को ये खटका था कि आखिर क्या कारण है कि सरकार उन पर इतना प्रेम बरसाने लगी। मगर करीब सालेक भर बाद ही एसीबी का छापा पड़ा तो लोग हैरान रह गए। कुल मिलाकर इसे ग्रह-नक्षत्र का खेल कह सकते हैं। जाहिर है, आलोक रिजल्ट देने वाले अफसर माने जाते थे। पुराने मंत्रालय भवन में उस समय कंप्यूटर और लेपटॉप के कीबोर्ड खटखटाने वाले गिने-चुने अफसर थे, उनमें एक आलोक थे। छत्तीसगढ़ के पीडीएस की सुप्रीम कोर्ट से लेकर पूरे देश में तारीफ हुई, उसे बनाने वाले भी आलोक थे। मगर वही आलोक नॉन घोटाले के अभियुक्त बन गए...ईडी कोर्ट में पहुंच सरेंडर कर रहे तो ये समय का चक्र ही है।

फिलीपींस से मुख्य सचिव

छत्तीसगढ़ के अगले मुख्य सचिव विकास शील मनीला से दिल्ली लौट चुके हैं। वे छत्तीसगढ़ कब आएंगे, यह अभी क्लियर नहीं। मगर लोग इस बात से बेचैन हैं कि उनका मोबाइल स्वीच ऑफ आ रहा। फोन लगाने वालों में कुछ रीयल चाहने वाले हैं, तो कुछ बधाई देकर अपना नंबर बढ़वाने वाले। बहरहाल, बात मुख्य सचिव की तो अभी तक राज्यों में दिल्ली से मुख्य सचिव आते थे। मगर छत्तीसगढ़ का कद इस मामले में बढ़ गया है, यहां सीधे फिलीपींस से मुख्य सचिव आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ के लिए ये खास तो है ही।

कलेक्टर और मुख्य सचिव

छत्तीसगढ़ में अभी तक 11 मुख्य सचिव हुए हैं, विकास शील 12वें होंगे। इन 12 में से चार मुख्य सचिव ऐसे हैं, जो रायपुर के कलेक्टर रह चुके हैं। इनमें सुनिल कुमार पहले नंबर पर हैं। उनके बाद आरपी मंडल, अमिताभ जैन और अब विकास शील। मंडल के बाद रायपुरिया कलेक्टर के चीफ सिकरेट्री बनने का हैट्रिक बन जाएगा। और लगता है रायपुरिया कलेक्टर के चीफ सिकरेट्री बनने का सफर आगे भी जारी रहेगा। विकास शील 2029 में रिटायर होंगे तो उनकी कुर्सी के दो ही दावेदार होंगे। सुबोध कुमार सिंह और सोनमणि बोरा। दोनों रायपुर के कलेक्टर रह चुके हैं। सुबोध 2027 में सीएस बनने के एलिजिबल हो जाएंगे तो सोनमणि जनवरी 2029 में। अगर सुबोध सिंह मुख्य सचिव बन गए तो भी सोनमणि दुखी नहीं होंगे क्योंकि उनके पास पर्याप्त टाईम रहेगा। सुबोध अगस्त 2033 में रिटायर होंगे। उसके बाद सोनमणि के पास सीएस रहने के लिए ढाई साल बचेगा। सोनमणि का रिटायरमेंट मार्च 2036 में हैं। हालांकि, 2002 बैच के आईएएस रोहित यादव बोरा के कंपीटिशिन में रहेंगे। रोहित 2032 में एसीएस हो जाएंगे। यदि सोनमणि की जगह रोहित का ग्रह-नक्षत्र काम कर गया तो वे भी रायपुर कलेक्टर रह चुके हैं। सोनमणि और रोहित का रिटायरमेंट ईयर 2036 है। जाहिर है, सुबोध के बाद यकीनन सोनमणि और रोहित में से कोई एक मुख्य सचिव बनेगा। और दिलचस्प यह है कि इन दोनों के बाद मुख्य सचिव के तगड़े दावेदार सिद्धार्थ कोमल परदेशी भी रायपुर के कलेक्टर रह चुके हैं। हालांकि, 2003 बैच में सिद्धार्थ समेत चार आईएएस अधिकारी हैं। मगर इनमें से सिर्फ सिद्धार्थ रायपुर के कलेक्टर रहे हैं। कहने का आशय यह है रायपुर कलेक्टर के मुख्य सचिव बनने का क्रम आगे भी जारी रहेगा।

बजट 15 करोड़, पहुंचा डाला 50 करोड़

नवा रायपुर के सेक्टर-24 में ट्राईबल म्यूजियम बन रहा है। भारत सरकार के पइसे से बन रहे म्यूजियम के लिए 2018 में 15 करोड़ का टेंडर हुआ था। इसके बाद टेंडर का अमाउंट 25 करोड़ हुआ फिर 45 करोड़। साढ़े पांच करोड़ रुपए डिजिटल वर्क के लिए सेंक्शन हुआ है। पीएम नरेंद्र मोदी का ये ड्रीम प्रोजेक्ट है। 2014 में पहली बार पीएम बनने के बाद उन्होंने आदिवासी बहुल राज्यों में ट्राईबल म्यूजियम बनाने का ऐलान किया था। 45 करोड़ के टेंडर में 17 करोड़ की सिर्फ मूर्तियां लगाई जा रही हैं। बिलिंग के फेर में मूर्तियों का इस कदर जाल बिछा दिया गया कि मुआयना करने आए केंद्रीय प्रतिनिधियों को कहना पड़ा कि मूर्तियों का म्यूजियम मत बना दीजिए...ट् राईबल टच रखिए। ताकि, म्यूजियम ही रहे, लग्जरी होटल न दिखे। असल में, मूर्तियों का खेल लाजवाब होता है। 172 नगरीय निकायों में अटलजी की प्रतिमाओं का मामला अभी ज्यादा दिन नहीं हुआ है। बाद में कोई बखेड़ा खड़ा हो, इससे बचने सिस्टम को इसकी सतत मानिटरिंग करनी चाहिए।

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या पीएम आवास योजना में छत्तीसगढ़ कोई बड़ा धमाका करने वाला है?
2. विकास शील के मुख्य सचिव बनने के बाद एसीएस ॠचा शर्मा और मनोज पिंगुआ क्या सेंट्रल डेपुटेशन का अब रास्ता तलाशेंगे?

समझौता करने से किया इंकार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

दीपिका पादुकोण चर्चा में बनी हुई हैं। दरअसल, उन्हें ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 AD' के सीक्वल से बाहर कर दिया गया है। खुद निर्माता ने दीपिका पर तंज कसते हुए सोशल मीडिया पर ये घोषणा की है। इससे पहले दीपिका तब विवादों में आई थीं, जब उन्हें साउथ की एक और बड़ी फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर किया गया था। बहरहाल, अब दीपिका की वो 3 मांगों का खुलासा भी हो गया है, जिन्हें मानने से निर्माताओं ने इनकार कर दिया। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, 'कल्कि 2' के निर्माताओं ने दीपिका को हटाने का फैसला इसलिए लिया, क्योंकि उन्होंने अपनी फीस 25 फीसदी बढ़ा दी थी और 7 घंटे की शिफ्ट की मांग की थी। निर्माताओं ने इन दोनों मांगों पर दीपिका से बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन वो अपनी बात पर अड़ी रहीं। निर्माताओं ने दीपिका को लंबे शूटिंग घंटों के बदले एक बड़ी लग्जरी वैनिटी वैन देने की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। निर्माताओं ने आर्थिक मामलों पर भी बातचीत की। दीपिका और उनकी टीम ने किसी भी मसले पर समझौता करने से इनकार कर दिया। दीपिका की टीम भी निर्माताओं के लिए बड़ी समस्या थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि दीपिका 25 लोगों की टीम के साथ सफर करती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेत्री अपने टीम के लिए 5 स्टार सुविधाएं और शूटिंग के दौरान खान-पान की व्यवस्था की भी मांग कर रही थीं। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया कि चूंकि 'कल्कि 2898 एडी' एक वीएफएक्स से भरी फिल्म है, इसलिए छोटे-छोटे शूट से भी बजट काफी बढ़ सकता है।

सोनाक्षी व सुधीर की 'जटाधारा' 7 नवंबर को सिनेमाघरों में

मुंबई। कुछ समय पहले सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की फिल्म 'जटाधारा' का ऐलान हुआ था। खात बात यह है कि इस फिल्म के जरिए सोनाक्षी तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। अब आखिरकार 'जटाधारा' की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। आइए जानें यह फिल्म सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी। 'जटाधारा' 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को आप हिंदी के साथ-साथ तेलुगु भाषा में देख पाएंगे। फिल्म का मोशन पोस्टर सामने आ गया है। निर्माताओं ने रिलीज तारीख की घोषणा करते हुए लिखा, 'अंधकार की गहराइयों से, दिव्यता उभरती है।

पवन कल्याण की 'ओजी' में प्रकाश की एंट्री

मुंबई। तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार और आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण जल्द ही फिल्म 'दे कॉल हिम **OG**' में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान सुजीत ने संभाली है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए अभिनेता इमरान हाशमी तेलुगु सिनेमा में कदम रख रहे हैं। अब 'ओजी' में दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज की एंट्री हो गई है। फिल्म से उनकी पहली झलक भी सामने आ गई है, जिसमें वह गंभीर लुक में दिख रहे हैं। फिल्म में प्रकाश राज को 'सत्या दादा' का किरदार निभाते हुए देखा जाएगा। उनके लुक की बात करें तो वह मैरून कुर्ते के ऊपर सॉल ओढ़े हुए हैं और आंखों पर नजर का चश्मा लगा हुआ है। इसमें प्रियंका मोहन भी अहम भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म का बजट 250 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

टीवी मसाला

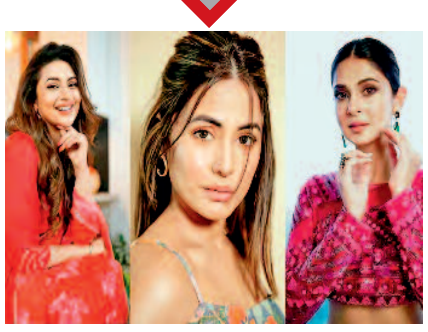

ये हैं टीवी इंडस्ट्री की प्रसिद्ध अभिनेत्रियां, जिनका काम है काबिले-तारीफ

मुंबई। भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रियता देश में बॉलीवुड से कम नहीं है। पिछले 66 सालों में इस इंडस्ट्री ने कई दिग्गज अभिनेत्रियों को जन्म दिया, जो लाखों के दिलों पर राज करती हैं। इन अभिनेत्रियों की प्रतिभा वाकई सराहनीय है, जिनके कारण ही सीरियल मशहूर हो पाते हैं। ये अभिनेत्रियां बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों से ज्यादा प्रसिद्ध हैं, क्योंकि इन्हें हर भारतीय जानता है। आइए टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों के बारे में जानते हैं।

श्वेता तिवारी : 1999 से टीवी इंडस्ट्री में कदम रखने वालीं श्वेता तिवारी आज भी सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने 'कलीरें' नाम के शो से अपने करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, 'कसौटी जिंदगी की' में उनका काम इतना कमाल का था कि वह घर-घर में पहचानी जाने लगी थीं। उन्होंने 'बेगुसराय', 'मैं हूं अपराजिता' और 'मेरे डैड की दुल्हन' जैसे सीरियल में भी शानदार अभिनय किया था। वह 2004 में बिग बॉस 4 की विजेता भी रही थीं।

दिव्यांका त्रिपाठी : 'ये हैं मोहब्बतें' की इशिता ऊर्फ दिव्यांका त्रिपाठी किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। वह लाखों भारतियों की पसंदीदा अभिनेत्री हैं, जिनकी खूबसूरती भी देखते ही बनती है। एक समय पर दिव्यांका इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलोअर्स वाली भारतीय टीवी अभिनेत्री हुआ करती थीं। दिव्यांका केवल टीवी सीरियल ही नहीं, बल्कि कई वेब सीरीज में भी काम कर चुकी हैं। उन्हें आज भी प्रशंसकों का उतना ही प्यार मिलता है।

निया शर्मा : अपने बेबाक अंदाज और खूबसूरती के लिए जानी जाने वालीं निया शर्मा भी देशभर में प्रसिद्ध हैं। 'जमाई राजा' सीरियल से सफलता की सीढ़ियां चढ़ने के बाद से आज तक वह अपनी प्रतिभा से लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। ब्रिटेन स्थित साप्ताहिक समाचार पत्र ईस्टर्न आई में निया को 2017 की दूसरी सबसे सेक्सी एशियाई महिला का खिताब भी मिला था। सीरियल के अलावा निया कई रियलिटी शो और गानों का भी हिस्सा रही हैं।

जेनिफर विंगेट : टीवी इंडस्ट्री की अभिनेत्रियों की बात की जाए तो जेनिफर विंगेट का नाम आना लाजमी है। 'बेहद' और 'बेपनाह' सीरियल में उनका अभिनय देखकर लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। जेनिफर 'सरस्वतीचंद्र', 'दिल मिल गए', 'कहीं तो होगा' और 'कुसुम' जैसे कई लोकप्रिय सीरियल में भी नजर आई हैं। वह टीवी इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं, जो एक एपिसोड के डेढ़ से ढाई लाख रुपये लेती हैं।

हिना खान : हिंदुस्तान में हर कोई हिना खान का नाम जानता है, जो बिग बॉस 11 की फाइनलिस्ट रही थीं। भारतीय टेलीविजन पर सबसे लंबे समय तक चलने वाले धारावाहिक 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' ने उन्हें प्रसिद्धि दिलाई थी। इस सीरियल में उन्होंने अक्षरा का किरदार निभाया था। वह बिग बॉस के साथ-साथ खतरों के खिलाडी का भी हिस्सा रह चुकी हैं। हिना स्तन कैंसर से जंग लड़ रही हैं, लेकिन उनके चेहरे की मुस्कान उनके जज्बे का सबूत देती है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। इच्छुक उम्मीदवार अपने बायोडाटा सही संपर्क करे- डागा पेट्रोल पंप, फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड, रायपुर मो. - 8109135400. (RO-998)

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप हेतु कर्मठ उर्जावान बारहवीं पास कर्मचारी की आवश्यकता है, महिला को प्राथमिकता। बोलचाल सरल सभ्य हो। बायोडाटा प्रमाणपत्र सहित मिलें- गुरमेल सिंह एंड संस बीपीएल डीलर सेक्टर 40 ,नया रायपुर 9522945744(RO-398)

ड्राइवर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- अनुभवी गैर अनुभवी कार ड्राइवर, टाटा एस ड्राइवर, ट्रैक्टर ड्राइवर हमाल, कम्प्यूटर ऑपरेटर सेल्स गर्ल सेल्स मैन की आवश्यकता है काम करने वाले व्यक्ति ही सम्पर्क करें- 7489770673, 9826183500.(RO-2603)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग कार्य हेतु लडको की आवश्यकता है सैलेरी योग्यतानुसार शीतला एजेंसी रिंग रोड नंबर 1 भांटागांव चौक न्यू बस स्टैंड रायपुर 9300629026, 9300129026.(RO-0056)

ड्रायवर

आवश्यकता है- रायपुर में वाहन पार्किंग यार्ड में गाड़ियों का हिसाब किताब रखने/ साफ सफाई के लिए दसवीं/ बारहवीं पढ़े छोटे परिवार की। रहने की व्यवस्था उपलब्ध। वेतन 10000/योग्यतानुसार। 10 बजे बाद 7974100341 कॉल करें।(RO-266)

टीचर

आवश्यकता है- लेडी वाईस प्रिंसिपल, क्लर्क, रिसेप्शनिष्ट, इंचार्ज, एवं हिन्दी- अंग्रेजी माध्यम में: इंग्लिश, मैथ्स, साइंस, एसएसटी पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिकाओं, ड्राईवर की आवश्यकता। साक्षात्कार 24.09.2025 प्रातः 9:30बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानीटंकी के पास खमतराई, 9826198065, 07712252855.(RO-6996)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- सेल्समैन, कम्प्यूटर आपरेटर, ड्राईवर, माल छोड़ने के लिए लड़कों की एवं घरेलू कार्य हेतु लड़की /महिला की आवश्यकता है संपर्क करे:- बोरियाखुर्द रायपुर मो. न. 9893115061.(RO-284)

बिलिंग कार्य

आवश्यकता है- दुकान में बिलिंग कार्य हेतु आदमी की आवश्यकता है जिसे टैली, बिजी सॉफ्टवेयर, एकाउंटिंग, एक्सल, ईमेल की जानकारी हो वेतन योग्यतानुसार संपर्कः -खेतान इंटरप्राइजेस, खेतान गैरेज बिल्डिंग, मौदहापारा थाने के पीछे रायपुर(RO-25)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- मेडिकल इक्विपमेंट (Medical equipments) की मार्केटिंग के लिए लड़के की आवश्यकता है . Contact AG ENTERPRISES KAMAL VIHAR RAIPUR M-9329358582, 8435958582.(RO-23637)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

मैनेजमेंट एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- Business Manage करने के लिए MBA/ B.Tech/ BBA पास अनुभवी मैनेजमेंट एग्जीक्यूटिव की रायपुर ऑफिस में आवश्यकता है। Salary; 25,000 से 35000/- तक I Whats up your Resume 8602470046.(RO-272)

कम्प्यूटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- सी एंड एफ में कार्य करने हेतु कंप्यूटर (SAP) ऑपरेटर की आवश्यकता है। सोना ट्रेडिंग कंपनी, सांता स्वीट्स के पास,भनपुरी, रायपुर। संपर्क - 6266694683 (मिलने का समय - 10 से 6) (RO-12)

इलेक्ट्रीकल/ड्रायवर

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल एवं ड्राइवर -2 पद की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार सुपेला भिलाई संपर्क करें। मो.- 98278-06026,81092-90503.(आरो नं.-4101)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की वेतन 10000/- से 15000/- तक +कमीशन संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल:- 9329103178.(RO-281)

थेरेपिस्ट

आवश्यकता है- पंचकर्म थेरेपिस्ट 2 मेल योग्यता: 10वीं पास कार्य समयः सुबह 10 से शाम 7 तक आयुर्वेदिक क्लिनिक –ESIC हॉस्पिटल के पास,स्मृति नगर भिलाई वेतन :7000-9000 , संपर्क :7000836094. (आरो न.-1654)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य के लिए अतिशीघ्र आवश्यकता है ,10वी 12वीं पास युवको के लिए जो ग्वालियर में रह कर काम कर सके वेतन 10000 + कमीशन + बोनस रहना फ्री, प्रमोशन + ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20हजार महीना मो. 9039470547, 7869296951.(RO-415)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है। सैलरी 7,000 से 20,000 कमाने का अवसर पता- खम्हारडीह पुलिस स्टेशन के पास न्यू सेल्स टैक्स कॉलोनी रायपुर संपर्क करें - 9343467254, 7470490884.(RO-6716)

सेल्समैन/हेल्पर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन व कपड़े की दुकान में काम किया हुआ व्यक्ति एवं हेल्पर की आवश्यकता है समय 3 से 6 चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29- 30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658, 9425206658.(RO-7259)

पेज मेकर/डिजाइनर

आवश्यकता है- WE ARE HIRING JOIN OUR TEAM श्रीकंचनपथ समाचार पत्र समूह में कार्य करने के लिए पेज मेकर और डिजाइनर की आवश्यकता है। * Quark express (pagemaker), * Photoshop, * Corel Draw,* Hindi - English typing, अनुभवी को प्राथमिकता। मो. -98930-92649, 99933-30237.(आरो नं.-7200)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सेल्स/हेल्पर

आवश्यकता है- सेल्स/हेल्पर की भर्ती – The Cheese Cubicle (एम.जी. रोड, फूड स्टॉल) व S.G. Fashion (पंडरी, वस्त्रालय) हेतु युवक-युवतियाँ चाहिए। योग्यता कोई भी चलेगी, अनुभव जरूरी नहीं। संपर्कः 8602607134. (RO-6717)

पैकिंग/सेल्समैन कार्य

आवश्यकता है- डेयरी कैलेंडर्स माल जमाने एवं पैक करने लड़के एवं लड़कियाँ तथा काउंटर एवं सिटी में ऑर्डर बुक करने सेल्सगर्ल, सेल्समेन चाहिए. डेयरी हाउस अन्नपूर्णा कम्प्लेक्स रहमानिया चौक के पास बंजारी रोड रायपुर 9329100996, 0771-4036213. (RO-6719)

असिस्टेंट अकाउंटेंट

आवश्यकता है- चायपत्ती के फैक्ट्री में असिस्टेंट अकाउंटेंट की आवश्यकता है संपर्क करें जैन ट्रेडर्स आकृति विहार अमलीडीह रायपुर मोबाइल नंबर- 074699- 80000, 0771- 4075490. (RO-6718)

सुपरवाइजर/मैनेजर

आवश्यकता है- हेवी मीडिया कोल वाशरी में (1) अनुभवी ड्राइवर ट्रिप टेलर BS6 5540/ 4625 हेतु 40 पद, (2) अनलोडिंग सुपरवाइजर 3 पद (3) डिस्पैच सुपरवाइजर 3 पद (4) ट्रांसपोर्ट मैनेजर, इंचार्ज, सुपरवाइजर 3 पद (5) रेक लोडिंग सुपरवाइजर/ इंचार्ज 2 पद (6) बेल्ट प्रेस ऑपरेटर 2 पद (7) वाशरी ऑपरेटर 2 पद (8) फिटर एंड वेल्डर 2 पद की आवश्यकता है सम्पर्क- 9340061365, 8815104587 पता- CP&CBL बिलासपुर छत्तीसगढ़ (RO-38729)

हरिभूमि

सेल्समैन/मैनेजर

आवश्यकता है- रायपुर की प्रतिष्ठित जगह में आवश्यकता है सेल्समैन /सेल्स गर्ल एवं मैनेजर की पार्ट टाइम एवं फुल टाइम हेतु चौकीदार एवं सफ़ाईकर्मी के लिए भी संपर्क करें- 9425522234, 8358914444.(RO-om)

अन्य

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 790 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+56500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने हेतु आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (सचिन शर्मा)- 7054311719.(RO-1169)

Property प्रापर्टी

फ्लैट

बेचना है- कोटा रोड, रायपुर, दिशा कॉलेज के पास , रेलवे स्टेशन से मात्र 1km व एम्स से मात्र 2km की दूरी पर नवनिर्मित सोसाइटी में 2BHK-3BHK फ्लैट्स बेचना है । सम्पर्क :- 9238925953.(RO-13)

वाहन

बेचना है- डॉक्टर की अप्रैल 2016 टियागो पेट्रोल टॉप मॉडल 132000 किलोमीटर चली हुई टॉप कंडीशन गाड़ी 310000 रुपए में बेचना है थोड़ा बहुत नेगोशिएबल संपर्क 7587338235. (RO-6714)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- बंगाली डायवोसी विदुर 40/5'3" इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्टर प्रतिमाह इनकम- 50000/- हेतु वधु चाहिए। जातिबंधन नहीं ,बच्चे वाले संपर्क ना करें (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) मो.- 9826294381, 9389024361 (671)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जैकेट के शेष

जमीन की गाइडलाइन .....

आयोजित सृजन संवाद कार्यक्रम में रियल एस्टेट के बिल्डरों के समक्ष राज्य सरकार की नई योजनाओं के बारे में अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि 13 साल के प्रशासनिक जीवन में मन में कोई मलाल नहीं रहा। फिर लगा कि जीवन में कुछ अच्छा करने राजनीति में आना चाहिए। तुलनात्मक रूप से यह बड़ा परिवर्तन था। उन्होंने रियल एस्टेट के कारोबारियों के द्वारा उठाए गए बहुत से मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट के कारोबार को अवैध प्लाटिंग रोके बिना नहीं बढ़ाया जा सकता। उसे जितना कम कर पाएं, उतना अच्छा होगा। एसडीएम और निगम आयुक्त के पास अवैध प्लाटिंग को नियंत्रित करने की शक्तियां होती हैं। अवैध प्लाटिंग करने वाले पॉवर ऑफ अटार्नी लेकर प्लाट बेचते हैं। हमने अब नियम बनाया है कि पॉवर ऑफ अटार्नी केवल ब्लड रिलेशन को ही दिया जाएगा।

एससीआर का आईकॉनिक टॉवर बनेगा : वित्तमंत्री ने कहा कि कोई भी प्रदेश अर्बन प्लानिंग के साथ ग्रोथ इंजन तैयार करता है। उसके अनुसार ही उसके विकास की दिशा तय होती है। कर्नाटक का ग्रोथ इंजन बैंग्लुरु है। उसी प्रकार राज्य में नया रायपुर सहित राजधानी के करीबी शहरों को जोड़कर एससीआर बनाने की ओर कदम बढ़ाएं हैं। एससीआर के लिए एक्ट बनकर तैयार हो गया है। यह एक्ट नगर निवेश के कानून के ऊपर होगा। दीवाली से पहले एससीआर की पहली बैठक होगी। जिसमें इसका सेटअप तय किया जाएगा। एससीआर के लिए आईकॉनिक टॉवर भी तैयार किया जाएगा, जो 700 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए आर्किटेक्ट का टेंडर भी जारी हो गया है।

नया रायपुर का तेजी से विकास : एक सवाल पर उन्होंने कहा कि नया रायपुर का विकास तभी होगा जब इसे हम कमर्शियल रूप से विकसित करेंगे। इस पर काम चल रहा है। यहां पर आवागमन और संचार की सुविधा के साथ ही ऐसे संस्थान को लाने का प्रयास किया जा रहा है, जो ख्यातिनाम हों। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सवाल उठने पर कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में पूर्व की भाजपा सरकार ने आईआईटी, ट्रिपल आईआईटी, आईआईएम, हिदायतउल्ला लॉ यूनिवर्सिटी, सीपेट और एनआईटी जैसे संस्थान छत्तीसगढ़ में खोले। अभी हमारी सरकार आने के बाद निफ्ट, निलेप, फोरेंसिक साइंस, सहित कई अन्य संस्थानों ने काम शुरू किया है। अभी सोमाया, नरसिम्हा, गोखले इंस्टीट्यूट जैसी संस्थाओं को नया रायपुर में लाने का प्रयास हो रहा है। यहां हम एमडी सिटी बनाने जा रहे हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बाम्बे हास्पिटल का टेंडर हो चुका है। सरोज हास्पिटल भी यहां पर खुलने वाला है। मेडी सिटी का प्लान भी है।

मेट्रो के सर्वे के लिए टेंडर जारी : श्री चौधरी ने बताया कि मेट्रो का सर्वे करने के लिए टेंडर 20 दिन पहले ही जारी किया गया है। एससीआर के लिए मेट्रो जरूरी है। कहां तक बनेगा इसका पूरा सर्वे करा कर हैं। आने वाले दिनों में इसका प्लान पूरी तरह से तैयार होगा। बिल्डरों ने मांग की कि नया रायपुर के विकास में तेजी लाने लेयर-2 को खोला जाए। मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि लेयर-2 पर एग्रेसिव इंफ्रास्टक्चर विकसित करने जा रहे है। यहां पर समन्वित टाउनशिप विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लेयर-1 थोड़ा और उपर आ जाए फिर 1 साल के अंदर लेयर-2 का प्लान आएगा। उन्होंने बताया कि नया रायपुर में संचार सुविधा और नेटवर्क बढ़ाने के लिए बीजीएफ स्कीम के तहत प्राइवेट प्लेयर यहां पर अपना टॉवर लगाने जा रहा है।

नया रायपुर में बनेगा लेबर हट मेंट : बिल्डरों की मांग पर उन्होंने बताया कि नया रायपुर में छोटे प्लाट भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यहां पर लेबर हट मेंट का सरकारी प्रोजेक्ट भी लाया जा रहा है। हाउसिंग के क्षेत्र में ईडब्ल्यूएस के लिए भी लिए नियमों में परिवर्तन किया गया है। अब तक गरीबी रेखा वाले ही इसे खरीदते थे। अब औद्योगिक क्षेत्र के लिए इन मकानों को बेचा जा सकेगा।

60 प्रतिशत बुकिंग आने पर ही टेंडर : उन्होंने बताया कि हाउसिंग बोर्ड के हालात सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाउसिंग बोर्ड अब कोई प्रोजेक्ट लाता है तो उसके निर्माण की शुरुआत तब तक नहीं की जाती जब तक 60 प्रतिशत बुकिंग नहीं हो जाती। उन्होंने बताया कि पुराने रायपुर के रिडेवलपमेंट प्लान पर भी सरकार का कर रही है। यह पीपीपी मॉडल में किया जा रहा है।

गाइड लाइन दरों का युक्तियुक्तकरण : उन्होंने बताया कि प्रदेश में गाइड लाइन दरों में 2017-18 से वृद्धि नहीं हुई है। वह भी 30 प्रतिशत कम है। रायपुर शहर का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि शहर में गाइड लाइन दरों में कई विसंगति पाई गई है। 1500 से अधिक दरें प्रचलित हैं। इन दरों को युक्तियुक्तकरण कर 75 प्रतिशत घटाने के प्रयास किए जा रहे है। आने वाले दिनों में इसमें परिवर्तन देखने को मिलेगा।

लैंड यूज के नियमों ....

रूप से मजबूत करने समन्वित प्लान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, लैंड यूज के नियम 1960 के हैं। नियम का उल्लंघन इसमें होता है। इसके लिए बेसिक प्लान बनाने की जरूरत हैं। लैंड यूज पर भी सुधार करने जा रहे हैं। रायपुर का जो मास्टर प्लान है उसमें सुधार कर 3 माह में अंतिम रूप से जारी करेंगे। जो गलतियां हैं उसे ठीक करेंगे।

25 साल में ....

उनकी जटिलता से मकानों की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं आम आदमी की कम ने घर का सपना मुश्किल बनाया है।

संपादक समन्वय ब्रह्मवीर सिंह ने इस संवाद की शुरुआत यह सवाल इस सवाल से की, कि 25 साल में आम आदमी की कमाई पांच गुना ही बढ़ी है, जबकि मकानों की कीमत 10 से 15 गुना तक पहुंच गई है। ऐसे में आम आदमी अपने घर का सपना कैसे पूरा करेगा? इस पर सबा इन्फ्रा वेंचर के एमडी संजय बघेल ने कहा कि दस साल पहले 50 रुपये प्रति वर्गफुट जमीन मिलती थी, अब 1000 रुपये से ऊपर। मटेरियल 5 गुना महंगा हुआ, लेकिन जमीन 50 से 100 गुना तक उछल गई। यही वजह है कि मकानों के दाम आसमान छू रहे हैं। संवाद में बिल्डरों ने अपनी सीमाएं बताईं और समाधान भी सुझाए।

अभी और चाहिए विकास: वीजीआर एस्टेट्स के डायरेक्टर रितविक नथानी ने उद्यानों, खेलों और आधारभूत सुविधाओं पर और फोकस करने पर जोर दिया। रिषभ बिल्डकॉन के एमटी प्रितेश कटारिया ने कहा – "मकान भले सस्ते हों, लेकिन जब तक आम आदमी की आय नहीं बढ़ेगी, घर लेना आसान नहीं होगा। सरकार को ऐसे उपाय करने चाहिए कि आज की 20 हजार की आय 50 हजार हो सके। मृणाल गोलछा ने यह भी कहा कि नए नौकरीपेशा युवाओं को प्राथमिकता से बैंक ऋण मिलना चाहिए।

रितविक नत्थानी का जवाब- वैसे तो रायपुर की 25 सालों में बहुत ग्रोथ हुई है, लेकिन अब भी यहां पर कई काम होने चाहिए, उद्यानों को लेकर काम होना चाहिए, खेलों पर काम होना चाहिए। संतोष लोहाना ने कहा, टाटीबंध का जो ब्रिज बना है, उसको पहले बन जाना चाहिए था। सवाल- सरकार से क्या उम्मीद है? प्रितेश कटारिया का जवाब- अधोसंरचना का और ज्यादा निर्माण होना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारे रायपुर में दूसरे शहरों की तुलना में मकानों की कीमत कम है। आम आदमी की आय में कैसे इजाफा हो इस पर ध्यान देने और काम करने की जरूरत है। आज जिनकी कमाई 20 हजार है उनकी कमाई 50 हजार कैसे हो, इस पर फोकस रहेगा और कमाई बढ़ेगी तो अपना आशियाना लेना आसान होगा। मृणाल गोलछा ने कहा, जो नए लोग नौकरी में आते हैं उनको ऋण देने पर भी फोकस होना चाहिए। ऐसे लोगों को ऋण के लिए अपने परिवार वालों की तरफ देखना पड़ता है, भले इनकी आय प्रारंभ में कम रहती है, लेकिन इनको भी बैकों को ऋण देने में प्राथमिकता देनी चाहिए।

अनुमतियों में ही ....

है। अगर इन्हें सरल बनाया जाए तो 50 लाख का मकान 30 लाख में मिल सकता है।

मेट्रो और रायपुर ....

यह बात तय है कि छत्तीसगढ़ को महानगर मिलने वाला है। मेट्रो के लिए डीपीआर भी बन रहा है। इस पर संतोष लोहाना ने जोड़ा, जबलपुर से आए एक मित्र ने कहा, रायपुर अब हमारे शहर से सौ गुना आगे निकल गया है।

साव बोले- संपत्तिकर ....

ये लोगों की मदद करते हैं।

- अवैध काम कितनी दुविधा पैदा करते हैं?
- अवैध प्लाटिंग और अवैध कालोनी एक बड़ी चुनौती है। गरीब वर्ग अपने गहने बेचकर, कर्ज लेकर प्लाट या घर लेते हैं। जब उनको मालूम होता है कि उन्होंने जो प्लाट या घर लिया है वह अवैध है तो उनको परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़क, नाली, पानी के लिए ये निगम के पास आते हैं तो निगम को भी परेशानी होती है। सारा बोझ निगम पर आता है। किसी भी तरह से अवैध प्लाटिंग और अवैध कालोनियों का निर्माण नहीं होना चाहिए। बिल्डर अगर नियमों से काम करेंगे, तो उनको सरकार की मदद भी मिलेगी, लेकिन नियमों के खिलाफ जाकर काम करेंगे, तो उन पर कार्रवाई भी होगी।
- आवास पर्यावरण और नगरीय निकाय विभाग के बीच में बिल्डर कितने पिस रहे हैं?
- ऐसा कुछ नहीं है, किसी भी बिल्डर से अब तक कोई शिकायत नहीं आई है। नियम से काम करने वालों के साथ हमेशा सरकार खड़ी है।
- बिल्डरों से क्या अपेक्षा है?
- नियमों से काम करें, अवैध कालोनियों को रोकें। प्रदेश में छोटे-छोटे शहरों में भी कालोनियां बन रही हैं। विकास हो रहा है। काम अच्छा करें किसी भी तरह से ग्राहकों के साथ चीटिंग न करें। रैन वॉटर हार्वेस्टिंग को योजनाओं में प्राथमिकता देनी चाहिए।
- नगरीय निकाय परेशानी में हैं, उसके पास पैसे नहीं रहते हैं, ये कब आत्मनिर्भर बनेंगे?
- नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हमारी सरकार काम कर रही है। संपत्ति कर को लेकर भी योजना बनाई गई है। इसको लेकर कार्यशाला भी की गई है। इसको ठीक करने की योजना है। इसका युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। ऐसा होने से किसी को भी ज्यादा भार नहीं पड़ेगा। निकायों को पैसों की कमी नहीं होने दी जा रही है। विकास के काम हो रहे हैं। जरूरत के सारे पैसे उपलब्ध हैं।
- ईडब्ल्यूएस के नाम पर जमीन आरक्षित होती है, लेकिन गरीबों के लिए मकान नहीं बन पाते हैं?
- जमीन का उपयोग हो इसको लेकर प्रयास करेंगे और योजना बनाएंगे।

ब्रिटेन से नए कानून के तहत पहली बार डिपोर्टेशन

भारतीय शख्स एयरपोर्ट से भेजा गया फ्रांस

लंदन। यूनाइटेड किंगडम (यूके) ने पहली बार अपने नए अवैध प्रवासन नियमों के तहत एक भारतीय नागरिक को देश से बाहर भेज दिया है। यह व्यक्ति छोटी नाव के जरिए इंग्लिश चैनल पार करके अगस्त की शुरुआत में अवैध रूप से ब्रिटेन पहुंचा था। गुरुवार को उसे हीथ्रो हवाईअड्डे से एक वाणिज्यिक विमान से फ्रांस की राजधानी पेरिस भेजा गया। यह कार्रवाई हाल ही में ब्रिटेन और फ्रांस के बीच हुए नए समझौते के तहत की गई। इसे 'वन-इन, वन-आउट डील' नाम दिया गया है। इस समझौते का मकसद इंग्लिश चैनल के जरिए हो रही अवैध प्रवासन गतिविधियों को रोकना और मानव तस्करों पर नकेल कसना है। यह पायलट योजना अगस्त 2024 से जून 2026 तक लागू रहेगी।

भारतीय नागरिक का आगे क्या होगा?

गृह कार्यालयके सूत्रों ने पुष्टि की कि डिपोर्ट किया गया व्यक्ति भारतीय नागरिक है। उसे फिलहाल फ्रांस में रखा जाएगा और वहां से अपने देश लौटने के लिए स्वैच्छिक वापसी योजना की पेशकश की जाएगी। अगर वह इस योजना को नहीं अपनाता, तो उसके खिलाफ जबरन डिपोर्टेशन की कार्रवाई होगी। उसे ब्रिटेन में आश्रय मांगने का अधिकार नहीं होगा।

भारतीयों की गिरफ्तारी में इजाफा

ब्रिटेन के गृह मंत्रालय की तरफ से अगस्त में जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले एक साल में अवैध प्रवासन के मामलों में हिरासत में लिए गए भारतीय नागरिकों की संख्या में 108% की बढ़ोतरी हुई है। फिलहाल 2,715 भारतीय ब्रिटेन के डिटेंशन सेंटरों में बंद हैं। यह बढ़ोतरी ब्रिटेन की कड़ी इमिग्रेशन नीति का नतीजा बताई जा रही है 'वन-इन, वन-आउट व्यवस्था- इसके तहत ब्रिटेन उन लोगों को वापस भेजेगा जो छोटी नावों से अवैध रूप से आते हैं। इसके बदले में, ब्रिटेन समान संख्या में शरणार्थियों को सुरक्षित और कानूनी रास्ते से प्रवेश देगा।

विदेश में पहली बार मोरक्को में खुलेगी भारत की डिफेंस फैक्ट्री

नई दिल्ली। भारत के लिए गर्व का पल है। भारत रक्षा क्षेत्र में लगातार अपने को आत्म निर्भर बना रहा है। अभी तक भारत ने कई देशों को हथियार एक्सपोर्ट किए हैं। अब पहला मौका है, जब भारत देश से बाहर अपनी डिफेंस फैक्ट्री लगाने जा रहा है। मोरोक्को वह देश होगा, जहां भारत हथियार बनाएगा। मोरोक्को की राजधानी कैसाब्लांका में 22 सितंबर डिफेंस फैक्ट्री का उद्घाटन होगा। इसके लिए भारत से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कल मोरोक्को के लिए रवाना होंगे। मोरोक्को की राजधानी कैसाब्लांका में शुरू होने जा रही भारतीय डिफेंस फैक्ट्री टाटा की होगी। टाटा के टाटा एडवांस सिस्टम टीएएसएल फैक्ट्री का संचालन करेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इसका उद्घाटन करेंगे। राजनाथ सिंह दो दिन के दौरे पर मोरोक्को में रहेंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य हेतु निविदा सूचना

ई–निविदा संख्या : 97–एस एन टी परियोजना –निविदा–2025 दिनांक: 06.09.2025

कार्य का नाम : बिलासपुर मंडल (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे) और जबलपुर मंडल (पश्चिम मध्य रेलवे) में अनूपपुर–न्यू कटनी जंक्शन ((166 रूट किमी, 18 स्टेशन, 17 ब्लॉक सेक्शन) सेक्शन में मौजूदा कार्यरत स्टेशन इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (17 स्टेशनों पर हिताची मेक ईआई (इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग) और 01 स्टेशन पर क्योसन मेक ईआई) में संशोधन के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग आधारित स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली का डिजाइन, आपूर्ति, निष्पादन, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। **निविदा मूल्य : ₹ 189,55,72,423.00/-** (रुपये एक अरब नवासी करोड़ पचपन लाख बहत्तर हजार चार सौ तेईस मात्र)। **अमानत राशि : ₹ 96,27,900.00/-** (रुपये छियानवे लाख सत्ताईस हजार नौ सौ मात्र)। **निविदा जमा करने की तिथि व समय :** दिनांक: 13.11.2025 को 12.00 बजे तक।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु हमारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं, उससे देख सकते हैं।

उप मुख्य सिग्नल एवं दूर. इंजी. (परि.-II)
सीपीआर/10/325 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना संख्या: 747-इआई–मोडी–रॉबर्टसन–खरसिया–झाराडीह **दिनांक : 15.09.2025.**

कार्य : एसईसी रेलवे के बिलासपुर मंडल में खरसिया–झाराडीह पांचवी लाइन हेतु यार्ड में इंजीनियरिंग अर्थवर्क के लिए एस एंड टी केबल्स क्लीयरेंस यार्ड रिमोडलिंग कार्य और खरसिया –झाराडीह स्टेशन में वितरित इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग (मेसर्स क्योसन मेक) का संशोधन/परिवर्तन और गुरदा से रॉबर्टसन के बीच कॉर्ड लाइन के संबंध में रॉबर्टसन स्टेशन पर वितरीत इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग (मसर्स क्योसन मेक) में संसोधन/परिवर्तन वाई केबिन कोंडा में नए केंद्रीयकृत इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग का कार्य करना है।

निविदा मूल्य : ₹ 30,65,11,081/– (रूपये तीस करोड़ पैसठ लाख ग्यारह हजार एक्कासी रूपये मात्र)। अमानत राशि : ₹ 16,82,600/– (रूपये सोलह लाख बियासी हजार छः सौ मात्र), निविदा जमा करने की तिथि तथा समयः 06.10.2025 के 12:00 बजे तक।

विस्तृत जानकारी ई निविदा में पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता निर्माण रायपुर दपूम रेलवे के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उससे देख सकते हैं।

उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजी.(निर्माण)
सीपीआर/10/एफएल/323 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

न्यायालय भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता, रंका

न्यायालय,
श्रीमान् भूमि सुधार उपसमाहर्ता, रंका जिला– गढ़वा।
भू–हदबंदी वाद सं0– 02/2022–2023

प्रथम पक्ष – अलाउदीन सिद्दीकी
बनाम्
द्वितीय पक्ष – इब्राहीम सिद्दीकी

नोटिस बनाम् – इब्राहीम सिद्दीकी पिता– मो0 सेराजुदीन ग्राम– रामचन्द्रपुर, थाना– रामचन्द्रपुर, जिला– बलरामपुर, राज्य– छतीसगढ़।

गजट प्रकाशन

चूँ बजरिये इस नोटिस के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि आपके विरूद्ध भू–हदबंदी वाद सं0– 02/2022–2023 न्यायालय उपसमाहर्ता भूमि सुधार, रंका में दायर किया गया था जिसमें दिनांक– 13.10.2023 को न्यायालय द्वारा आदेश पारीत कर वाद में अंकित भूमि जो ग्राम– रनपुरा के नया खाता सं0– 16 पुराना खाता सं0– 15/2, नया प्लॉट सं0– 722 तथा पुराना प्लॉट सं0– 424 रकबा– $0.37\frac{1}{2}$ ए0 चौहदी उ0– जहीर मियां, द0 – रोड़, पु0– रोड़, प0– अल्लाउदीन सिद्दीकी विवरण की भूमि प्रथम पक्ष अलाउदीन सिद्दीकी को निबंधित केवाला निश्पादन कर भूमि के किमत के रूप में जमा राशि प्राप्त कर लेने का आदेश पारित है। इसकी सूचना नोटिश के माध्यम से आपको कई बार दिया जा चुका है। अतः इस नोटिस के माध्यम से आपको निदेश दिया जाता है कि उपरोक्त अंकित भूमि आप वाद की सुनवाई तिथि 09.10.2025 तक निबंधित केवाला के द्वारा हस्तांतरित कर किमत के रूप में जमा राशि न्यायालय से प्राप्त कर ले अन्यथा न्यायालय द्वारा प्राधिकृत कर्मी से निबंधित केवाला का निश्पादन करा कर जमा राशि जब्त कर लिया जायेगा।

इसे सख्त ताकिद जाने।

भूमि सुधार उपसमाहर्ता,
रंका

PR 362470 Land Reforms(25-26)#D

कार्यालय, जिला परिषद्, दुमका
E-mail- z.pdumka2014@gmail.com

अति अल्पकालीन ई0–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– ZP-DUM-06/2025-26/Re-01

1. कार्य का नाम :– दुमका जिलान्तर्गत 15th स्वास्थय मद अन्तर्गत योजना निविदा की सूची।

क्र0	कार्य का नाम	प्रा0 राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि	अभ्युक्ति
1	प्रखंड जामा अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लक्ष्मीपुर का निर्माण।	14300000.00	286000.00	10000.00	15 माह	
2	प्रखंड जामा अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिकनियां का निर्माण।	14300000.00	286000.00	10000.00	15 माह	

2.	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि	दिनांक–27.09.2025
3.	ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक–06.10.2025 (अपराह्न 3:00 बजे तक)।
4.	निविदा खुलने की तिथि एवं समय	दिनांक–08.10.2025 (समय 2:00 बजे अपराह्न)।
5.	निविदा खोलने का स्थान	जिला परिशद् कार्यालय, दुमका।
6.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	श्री असीम बिरूआ, जिला अभियंता, जिला परिषद् दुमका।
7.	ई–निविदा प्रकोश्ठ का मोबाईल नंबर	9031261336
8.	निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल ऑन–लाईन मोड द्वारा ही स्वीकार्य होगा।	
9.	निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई0–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही आपकी होगी।	

नोट :– उक्त निविदा में केवल जिला परिशद्, दुमका में पंजीकृत संवेदक ही भाग ले सकते है।
निविदा द्वि–लिफाफा पद्धति के माध्यम से किया जायेगा।
बिना कोई कारण बताये निविदा को रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
SBD के सभी भार्त इस ई0–निविदा में लागू रहेंगे।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

श्री असीम बिरूआ
जिला अभियंता, जिला परिषद्, दुमका।

PR.NO.362456 District(25-26):D

पेज एक के शेष

मणिपुर में बस्तर का ...

ऑफिसर (जेसीओ) और एक जवान शामिल थे, मौके पर ही शहीद हो गए। जबकि अन्य तीन जवान गंभीर रूप से घायल हैं। यह हमला शाम करीब 6 बजे बिष्णुपुर जिले के नांबोल सबल लाई काई इलाके में हुआ, असम राइफल्स के जवानों का वाहन इंफाल से बिष्णुपुर की ओर जा रहा था, तभी घात लगाकर बैठे उग्रवादियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी थी। इस हमले में शहीद रंजीत अपने परिवार का इकलौता बेटा था। रंजीत की शहादत से न केवल उसके बूढ़े माता पिता का सहारा खत्म हो गया, बल्कि उसकी तीन बच्चियों के सिर से पिता का साया भी उठ गया। गांव से असम राइफल्स में नौकरी करने वाला रंजीत अकेला युवक था, जिसने अपनी शुरूआती पढ़ाई पूरी करने के बाद उसने देश सेवा की भावना से यह नौकरी ज्वाइन की थी। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि मणिपुर राज्य की घटना में बस्तर जिले के बालेंगा का जवान शहीद हो गया। हम उनकी शहादत को नमन करते हैं। शहीद रंजीत कश्यप के परिवार से प्रशासन व पुलिस संपर्क में है, जैसे ही पार्थिव देव गृह ग्राम पहुंचेगा, वैसे ही अंतिम सलामी व अंतिम संस्कार की प्रकिया की जाएगी।

एक माह पूर्व छुट्टी पर आया था घर: इस हमले में शहीद होने वाले जवान रंजीत कुमार कश्यप के दोस्तों ने बताया कि विगत माह रंजीत घर आया हुआ था। एक माह तक अपने परिजनों के साथ रहा और परिवार ने उसे खुशी खुशी ड्यूटी के लिए रवाना किया था, लेकिन किसी को पता नहीं था कि एक माह बाद ही उसके शहीद होने की खबर आएगी। रंजीत के परिवार में किसान माता-पिता, पत्नी व 3 बेटियां ही है। एक बहन भी है, जिसकी शादी बीएसएफ जवान से हुई है। रंजीत शुरू से ही देश की सेवा करना चाहता था, इसलिए वह फोर्स ही ज्वाइन करना चाहता था।

मणिपुर सरकार परिजनों को देगी पांच लाख: इंफाल। मणिपुर सरकार ने असम राइफल्स के दो शहीद जवानों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपए और हमले में घायल हुए पांच जवानों को दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। इधर, मणिपुर में बिष्णुपुर जिले के नाम्बोल इलाके में स्थानीय निवासियों ने असम राइफल्स के दो जवानों के मारे जाने के विरोध में शनिवार सुबह प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने पारंपरिक शोक पोशाक पहनकर नारे लगाए।

ट्रंप का एक और 'बम', ...

आवेदन के साथ 100,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा। ट्रंप ने कहा, एच-1बी गैर आप्रवासी वीजा कार्यक्रम अस्थायी कामगारों को अमेरिका में लाने के लिए बनाया गया था ताकि वे अतिरिक्त, बेहद-कुशल कार्य कर सकें। लेकिन अमेरिकी कामगारों की जगह सस्ते और निम्न प्रशिक्षित कामगारों को लाकर वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने कहा, एच-1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ख़तरा है। घरेलू कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एच-1बी पर निर्भर आउटसोर्सिंग कंपनियों की पहचान और जांच की है, जो वीजा धोखाधड़ी, धन शोधन की साजिश... और विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका आने के लिए प्रोत्साहित करने वाली विभिन्न अवैध गतिविधियों में शामिल पाई गई हैं। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग से हमारी आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को जो गंभीर नुकसान पहुंचा है उसके लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। इसलिए, मेरा मानना है कि कुछ विदेशी कामगारों को अमेरिका में बेरोकटोक दाखिल होने देना अमेरिका के हितों के लिए हानिकारक होगा। इस तरह के प्रवेश से अमेरिकी कामगारों को नुकसान होगा, जिसमें उनके वेतन में कटौती भी शामिल है। ट्रंप ने आदेश दिया कि गृह मंत्री घोषणा के प्रभावी होने की तिथि यानी 21 सितंबर 2025 से उन आवेदनों पर निर्णय लेने पर रोक लगाएंगे जिनके साथ 100,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा।

नया 1 लाख डॉलर का नियम क्या है?: 21 सितंबर, 2025 से प्रभावी अमेरिकी कंपनियों को किसी विदेशी कर्मचारी की एंट्री या दोबार से एंट्री के लिए प्रत्येक एच-1बी आवेदन पर 1 लाख डॉलर (करीब 88.10 लाख रुपए) का भुगतान करना होगा। यह नियम इस बात पर ध्यान दिए बिना लागू होता है कि कर्मचारी पहली बार आ रहा है, यात्रा के बाद लौट रहा है या कंपनी बदल रहा है। कर्मचारियों को तब तक अमेरिका में वापस आने की अनुमति नहीं दी जा सकती जब तक कि उनकी कंपनी शुल्क का भुगतान नहीं कर देती।

दो स्कार्पियों से हवाला के ...

में अपना चेकिंग प्वाइंट लगाया। चेकिंग के दौरान उन्हें महाराष्ट्र पासिंग दो स्कार्पियो रायपुर से नागपुर की तरफ जाती हुई दिखी। पुलिस की टीम ने तुरंत दोनों गाड़ियों को रोका। उसके अंदर चार लोग सवार थे। पूछताछ में उन लोगों ने नागपुर जाना बताया। जब पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली तो उनकी आंखें फटी की फटी रह गई। एक गाड़ी के अंदर से 3 करोड़ रुपए नगद और दूसरी के अंदर से 3 करोड़ 60 लाख रुपए नगद रकम बरामद की गई। पुलिस ने जब संदेहियों से पूछताछ की तो वो लोग उस रकम का सही ब्यौरा नहीं दे सके। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया और कुम्हारी थाने लाई। यहां पूछताछ के दौरान इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को मामले की सूचना दी गई। रायपुर से आई आईटी की टीम ने मामले को अपने हेंडओवर ले लिया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

नोट गिनने के लिए मंगवानी पड़ी मशीन: पुलिस ने जब इतनी मात्रा में नोटों का बंडल देखा तो उसे गिनने के लिए उन्हें बैंक से नोट गिनने की मशीन बुलवानी बड़ी। गिनती करने के बाद पता चला की जब्त किए गए नोट 6.60 करोड़ रुपए हैं।

अभिनेता मोहनलाल को ...

'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिग्गज अभिनेता, निर्देशक और निर्माता को भारतीय सिनेमा में उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि प्रतिष्ठित पुरस्कार की चयन समिति की सिफारिश पर, भारत सरकार ने मोहनलाल को 'दादा साहब फाल्के पुरस्कार' 2023 से सम्मानित करने का फैसला किया है। इसने कहा कि मोहनलाल का सिनेमाई सफर बेहतरीन रहा है जो पीढ़ियों को प्रेरित करता है। मंत्रालय के मुताबिक, उनकी बेजोड़ व बहुमुखी प्रतिभा और अथक परिश्रम ने भारतीय फिल्म इतिहास में एक स्वर्णिम मानक स्थापित किया है। इसने कहा कि 65 वर्षीय अभिनेता को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में 23 सितंबर को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। चार दशक से अधिक के करियर में, मोहनलाल ने मलयालम, तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ में 350 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। उनकी कुछ सबसे लोकप्रिय और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों में थनमथ्रा, दृश्यम, वानप्रस्थम, मुन्थिरिवल्लिकल थलिर्ककुम्बोल और पुलीमुरुगन शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोहनलाल को उत्कृष्टता और बहुमुखी प्रतिभा के प्रतीक बताते हुए दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किये जाने की घोषणा पर उन्हें बधाई दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी अभिनेता को बधाई दी और कहा कि उनकी विरासत "भारत की रचनात्मक भावना" को प्रेरित करती रहेगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध निर्माण कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा–क्रमांकः सी.ए.ओ./सी/बी.एस.पी./25–26/13 दिनांकः 12/09/2025. (ओपेन ई–टेंडर) (सिंगल पैकेट सिस्टम)

कार्य का नाम : "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में केंद्री, रायपुर जिला (छत्तीसगढ़) में मेगा कोचिंग टर्मिनल के विकास के लिए विस्तृत अनुमान, डिजाइन और ड्राइंग, बीओक्यू, निविदा दस्तावेज आदि सहित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का निर्माण।"

निविदा मूल्य : ₹ 82,46,687.38/-।
अमानत राशि : ₹ 1,64,900.00/-।
निविदा दस्तावेज की लागत : शून्य।
कार्य पूरा होने की अवधि : 6 (छः) महीने, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से।
निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक : 08/10/2025 को 15:00 बजे तक।
निविदा खोलने का समय एवं दिनांक : 08/10/2025 को 15:30 बजे।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर – पिनः 495004, अथवा उप–मुख्य अभियंता/निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर, पिन–492009 अथवा मुख्य परियोजना प्रबन्धक/पश्चिम/निर्माण/नागपुर/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर–पिनः 440001 के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/देख सकते है।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण
सीपीआर/10/331 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

पूजा खेडकर के पिता का ड्राइवर गिरफ्तार, पिता अभी भी फरार

मुंबई। नवी मुंबई में रोड रेज और किडनैपिंग के केस में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पूर्व IAS पूजा खेडकर के पिता के ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया है। वहीं पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर अभी भी फरार हैं। उनके खिलाफ मामले में कार्रवाई जारी है। घटना 13 सितंबर को मुलुंड-ऐरोली रोड पर हुई, जब एक कंक्रीट मिक्सर ट्रक को 22 वर्षीय प्रह्लाद कुमार चला रहे थे, तभी एक लैंड क्रूजर कार के बीच मामूली टक्कर हो गई। इसके बाद कार में बैठे दो लोगों और ट्रक चालक के बीच बहस शुरू हो गई। पुलिस की जांच में सामने आया कि दिलीप खेडकर और उनके ड्राइवर प्रफुल सुलंकहे ने ट्रक चालक को जबरदस्ती एसयूवी में बिठाया और पुणे स्थित खेडकर बंगले में ले गए। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने एसयूवी का पता लगाकर ट्रक चालक को बचाया, हालांकि इस दौरान पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर ने पुलिस को एंट्री से रोकने की कोशिश की।

मां के खिलाफ भी केस दर्ज

पुणे पुलिस ने पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। मनोरमा पर कार्रवाई में बाधा डालने का आरोप है, उनके खिलाफ नोटिस जारी किया गया है। पूजा खेडकर पर 2022 यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में आरक्षण लाभ लेने के लिए तथ्य छिपाने का आरोप है। उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों का खंडन किया है। यूपीएससी ने भी उनके खिलाफ कार्रवाई की है।

राशिफल

मेष — परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ स्थान परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी।

वृष — कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। व्यर्थ की भागदौड़ बढ़ सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन — लाभ में में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कर्क — सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। मान–सम्मान बढ़ेगा। बातचीत में संतुलन बनाए रखें। वाणी में कठोरता का प्रभाव हो सकता है।

सिंह — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव हो सकते हैं।

तुला — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें।

वृश्चिक — पठन–पाठन में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यभार में वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

धनु — जीवनसाथी से नोकझोंक हो सकती है। कुटुम्ब में मान–सम्मान की प्राप्ति के योग हैं। लंबी यात्रा पर जाना हो सकता है। सुखद परिणाम मिलेंगे।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। खर्चों की अधिकता रहेगी। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ — नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मान–सम्मान मिलेगा। शासन–सत्ता का सहयोग रहेगा। कला एवं संगीत में रुचि बढ़ेगी। खर्च अधिक रहेंगे।

शब्द पहेली - 5995

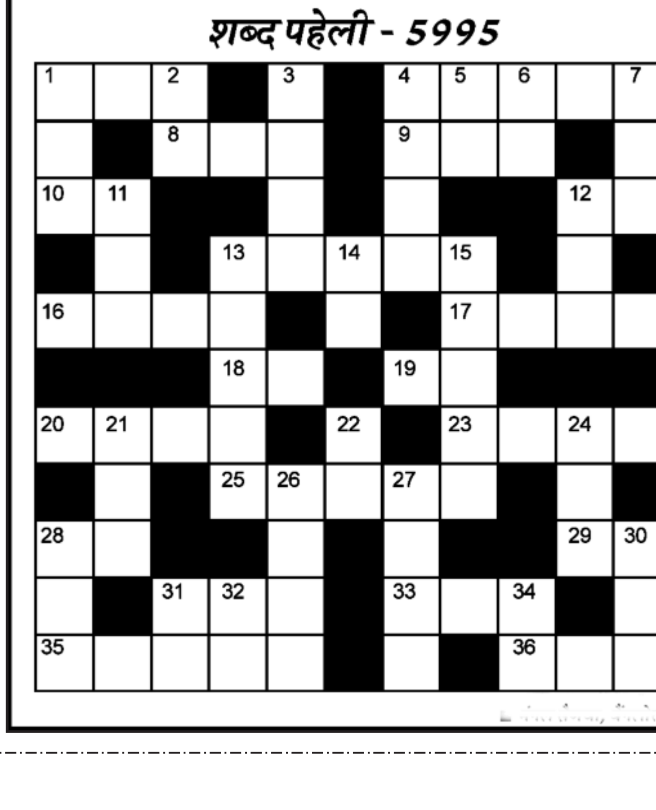

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास–3
4.पानी से सराबोर–5
8.अंधकार–3
9.आक्रमण–3
10.दम, सुट्टा–2
12.समय, वक्त–2
13.कहानी लेखक–5
16.अपराधी, गुंडा–4
17.आलोकित होना–4
18.उद्देश्य, मंजिल–2
19.छाती, सिलना–2
20.जागरण–4
23.सफल, उत्तीर्ण–4
25.पत्नी का नाना–2,3
28.मार्ग, रास्ता–2
29.जरा, थोड़ा–2
31.वैमनस्य–3
33.पाजेब–3
35.जरुरतमंद–3,2
36.गदर, क्रांति–3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह–3
2.वोट,राय–2
3.हथियार, गोला–बारूद–4
4.सनसनी, रोमांच–4
5.एक विदेशी शराब–2
6.आफत, मुसीबत–2
7.उपपत्नी–3
11.बलिदानी–3
12.कार्य करने वाला–3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना–2,3
14.पानी, जल–2
15.निर्माण करने वाला–5
21.प्रकार–3
22.उम्मीद, आशा–2
24.भिखारी–3
26.ख्यात,प्रसिद्ध–4
27.मदिरापान–4
28.मदद,आराम–3
30.इससे कच्ची शराब बनती है–3
31.उस समय–2
32.नागालैंड की एक जाति–2
34.अधर, होठ–2

शब्द पहेली- 5994 का हल

ना	म	क	मा	ना	■	स	म	झ	दा	र
म	■	र	ह	म	■	म	द	न	■	म
र	त	■	■	ची	■	झौ	■	■	वा	णी
ख	स	■	ना	न	ख	ता	ई	■	य	य
ना	ला	य	क	■	त्म	■	मा	त	ह	त
■	■	■	क	था	■	का	न	■	■	■
प	न	घ	ट	■	आ	■	दा	न	वी	र
व	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	र	वि
न	म	■	■	म	■	चा	■	■	ता	न
सु	■	आ	स	व	■	ल	ह	र	■	य
त	ल	ब	गा	र	■	न	क	ब	ज	न

सूडोकु नवताल - 6005

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6004 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

500 रुपये के निवेश से भी बना सकते हैं लाखों रुपये का फंड

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या करना चाहते हैं तो निवेश की जल्द शुरूआत करें। आप कम पैसे से भी अच्छा खासा पैसा जोड़ सकते हैं। निवेश की सधे कदमों से शुरूआत करें, लक्ष्य तय करें और निवेश को बढ़ाते जाएं। इससे आप कुछ ही समय में अमीर बन जाएंगे और भविष्य में पैसे के लिए किसी का मुंह नहीं ताकना पड़ेगा। इन दिनों निवेश के कई ऑप्शन बाजार में मौजूद हैं। लेकिन आप कम पैसे से निवेश की शुरूआत करने जा रहे हैं तो आपके लिए म्युचुअल फंड एसआईपी एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यहां आप हर महीने थोड़ा-थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड जोड़ सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि 500 रुपये निवेश करके आप कितना फंड जोड़ सकते हैं और किस तरह से अपने पैसे को बढ़ा सकते हैं।

यह जानना जरूरी

हर व्यक्ति को अपनी मंथली सैलरी का कुछ हिस्सा बचाकर निवेश जरूर करना चाहिए। आपकी सैलरी चाहे कम हो या ज्यादा निवेश करना बहुत ही जरूरी होता है। आजकल लोग निवेश करने के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी को काफी पसंद कर रहे हैं। म्यूचुअल फंड एसआईपी की खास बात यह है कि यहां आप हर महीने थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छी फंड इकट्ठा कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड एसआईपी के बारे में निवेश से पहले जान लिया जाना चाहिए। इससे आपको परेशानी नहीं होगी।

म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश

म्यूचुअल फंड में आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। यहां आपको हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करनी होती है। खास बात यह है कि म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप मात्र 250 रुपये से अपना निवेश शुरू कर सकते हैं और लंबे समय तक निवेश कर आप काफी अच्छा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। आपके पास पैस बढ़ तो आप एसआईपी में निवेश बढ़ा भी सकते हैं। रिटर्न की बात करें तो म्यूचुअल फंड एसआईपी में औसतन 12 से 16 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। हालांकि मार्केट के हिसाब से यह रिटर्न घट या बढ़ भी सकता है।

500 रु. की एसआईपी में रिटर्न

अगर आप हर महीने 500 रुपये म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करते हैं और आप ऐसा 25 सालों तक करते हैं, तो आप 25 साल में कुल 1.50 लाख रुपये निवेश करेंगे। 12 प्रतिशत के हिसाब से आपको कुल 8.51 लाख रुपये मिलेंगे। इसमें केवल 7.01 लाख रुपये आपके मुनाफे के होंगे। अगर आपके 15 प्रतिशत के हिसाब से रिटर्न मिलता है, तो आपको 25 साल बाद कुल 13.78 लाख रुपये मिलेंगे। इसमें 12.28 लाख रुपये आपको मुनाफे के होंगे।

अनुभवी निवेशक डायरेक्ट प्लान से उठा सकते हैं ज्यादा फायदा

म्यूचुअल फंड के डायरेक्ट और रेगुलर प्लान में 3 बड़े अंतर, कहां करें निवेश

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेश में नए हैं तो रेगुलर प्लान लग सकता है काफी आसान सबसे बड़ा और अहम फर्क दोनों स्कीमों के खर्च यानी एक्सपेंस रेशियो में

अनुभवी निवेशक डायरेक्ट प्लान से ज्यादा फायदा उठा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे कि डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड में तीन बड़े अंतर क्या हैं और इनके फायदे-नुकसान क्या हैं। सबसे बड़ा और अहम फर्क दोनों स्कीमों के खर्च यानी एक्सपेंस रेशियो में होता है. डायरेक्ट म्यूचुअल फंड सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) से खरीदे जाते हैं।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के सामने अक्सर एक बड़ा सवाल खड़ा होता है कि उन्हें डायरेक्ट प्लान चुनना चाहिए या फिर रेगुलर प्लान। दोनों ही रास्ते एक ही स्कीम तक पहुंचाते हैं, लेकिन इनके बीच कुछ ऐसे फर्क हैं जो आपके रिटर्न और इनवेस्टमेंट से जुड़े तजुर्बे को काफी हद तक प्रभावित कर सकते हैं। अगर आप निवेश में नए हैं तो शायद रेगुलर प्लान आपको आसान लगे, वहीं अनुभवी निवेशक डायरेक्ट प्लान से ज्यादा फायदा उठा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे कि डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड में तीन बड़े अंतर क्या हैं और इनके फायदे-नुकसान क्या हैं।

खर्च और रिटर्न का फर्क

सबसे बड़ा और अहम फर्क दोनों स्कीमों के खर्च यानी एक्सपेंस रेशियो में होता है. डायरेक्ट म्यूचुअल फंड सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) से खरीदे जाते हैं। इनमें किसी बिचौलिये या ब्रोकरेज की जरूरत नहीं होती। यही वजह है कि डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। आम तौर पर यह 0.5% से 1% के बीच ही होता है। दूसरी तरफ रेगुलर म्यूचुअल फंड में डिस्ट्रीब्यूटर या ब्रोकर की फीस भी जुड़ जाती है। इस वजह से इनका एक्सपेंस रेशियो 1% से 2.5% तक जा सकता है। यह अंतर भले ही सुनने में छोटा लगे, लेकिन लंबे समय में कंपाउंडिंग की वजह से यह आपके रिटर्न को काफी कम कर देता है। यही कारण है कि डायरेक्ट प्लान लंबे समय में ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, क्योंकि आपकी जेब से फीस और कमीशन पर कम पैसा कटता है।

निवेश करने और उसे मैनेज करने का तरीका

डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड में अगला बड़ा फर्क इनमें निवेश करने और मैनेज करने के तरीके का फर्क है। डायरेक्ट प्लान आपको एएमसी की वेबसाइट, मोबाइल ऐप या कुछ ऑथराइज्ड प्लेटफॉर्म पर ही मिलते हैं. यहां निवेशक को इनवेस्टमेंट से जुड़े सारे ट्रांजैक्शन खुद ही संभालने पड़ते हैं।

रेगुलर प्लान में ये

रेगुलर प्लान में इन बातों की जिम्मेदारी काफी हद तक ब्रोकर या डिस्ट्रीब्यूटर संभालते हैं। वे न सिर्फ निवेश की प्रक्रिया से जुड़े पेपरवर्क और प्रोसेस को पूरा करना आसान बनाते हैं। इसलिए यह तरीका उन निवेशकों के लिए सुविधाजनक रहता है, जो नए हैं या इन चीजों के लिए समय नहीं निकाल पाते। हालांकि इस सुविधा के बदले आपको ज्यादा फीस चुकानी पड़ती है।

सलाहकार की भूमिका

तीसरा बड़ा अंतर इस बात से जुड़ा है कि आपको निवेश में कितनी सलाह और मदद चाहिए। अगर आप निवेश की दुनिया में नए हैं और म्यूचुअल फंड चुनने में कंफ्यूज हो जाते हैं, तो रेगुलर प्लान आपके लिए बेहतर हो सकता है। यहां आपको ब्रोकर या फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह मिलती है, जो आपकी जरूरत और रिस्क प्रोफाइल के हिसाब से स्कीम चुनने में मदद कर सकते हैं।

ऐसे समझना जरूरी

यह समझना जरूरी है कि डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड एक ही स्कीम में निवेश करते हैं, फर्क सिर्फ इनके खर्च, मैनेजमेंट और निवेश से जुड़ी सुविधा में है। डायरेक्ट प्लान उन निवेशकों के लिए सही हैं जो कम लागत में बेहतर रिटर्न चाहते हैं और निवेश से जुड़ी प्रॉसेस को खुद संभाल सकते हैं। वहीं रेगुलर प्लान उन लोगों के लिए बेहतर हैं जिन्हें निवेश की प्रक्रिया को आसान रखना है और प्रोफेशनल सपोर्ट की जरूरत महसूस होती है।

म्यूचुअल फंड के डायरेक्ट और रेगुलर प्लान में अंतर

म्यूचुअल फंड डायरेक्ट

- **एक्सपेंस रेशियो** : कम, क्योंकि इसमें ब्रोकर/डिस्ट्रीब्यूटर का कमीशन नहीं जुड़ता।
- **रिटर्न** : लंबे समय में ज्यादा रिटर्न, खर्च कम होने के कारण
- **निवेश का तरीका** : सीधे एएमसी की वेबसाइट, ऐप या ऑथराइज्ड प्लेटफॉर्म से
- **निवेश का मैनेजमेंट** : निवेशक को खुद रिसर्च और मैनेजमेंट करना होता है
- **किसके लिए बेहतर** : अनुभवी निवेशकों के लिए

प्लान म्यूचुअल फंड रेगुलर प्लान

- **एक्सपेंस रेशियो** : ज्यादा, क्योंकि इसमें कमीशन शामिल होता है
- रिटर्न थोड़ा कम, क्योंकि फीस और कमीशन कटता है
- **निवेश का तरीका** : ब्रोकर या डिस्ट्रीब्यूटर के जरिए

डॉ. वाशानी दर-दाँत (गम पेंट) बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है 94060-21769 HMS देखकर खरीदें असली केंदवा मलहम दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

हाइएस्ट एसेट वाले 5 लार्जकैप फंड्स ने 25% तक दिया सालाना रिटर्न

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए लार्ज कैप फंड्स को स्मॉल कैप या मिड कैप की तुलना में ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद ऑप्शन माना जाता हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि लार्ज कैप फंड देश की टॉप और मजबूत कंपनियों में निवेश करते हैं, जिसकी वजह से लंबे समय में इनका रिस्क थोड़ा कम रहता है और स्टेबल रिटर्न मिलने की उम्मीद भी रहती है। एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के लिहाज से इस वक्त देश के टॉप 5 लार्ज कैप फंड्स में एसबीआई म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रू, निप्पॉन इंडिया और मिरे एसेट की स्कीम्स शामिल हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के 12 सितंबर 2025 तक अपडेटेड आंकड़ों के मुताबिक इन फंड्स ने पिछले 5 सालों में 18% से 25% तक एनुअल रिटर्न दिया है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड इस समय सबसे ज्यादा एसेट वाला लार्ज कैप फंड है। इसका एयूएम करीब 73,731 करोड़ रुपये है। पिछले 5 साल में इस फंड ने डायरेक्ट प्लान से 22.32% और रेगुलर प्लान से 21.60% का सालाना रिटर्न दिया है. खर्च के मामले में इसका एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.86% और रेगुलर प्लान में 1.42% है। लगातार मजबूत परफॉर्मेंस ने इसे निवेशकों के बीच लोकप्रिय बना दिया है।

एसबीआई लार्ज कैप फंड

एसबीआई लार्ज कैप फंड का एयूएम 53,887 करोड़ रुपये है. इस फंड ने पिछले 5 सालों में डायरेक्ट प्लान से 19.93% और रेगुलर प्लान से 19.07% सालाना रिटर्न दिया है. इसका एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.81% और रेगुलर प्लान में 1.49% है।

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड का एयूएम 46,628 करोड़ रुपये है. पिछले परफॉर्मेंस के मामले में यह सबसे आगे रहा है. पिछले 5 साल में इस फंड के डायरेक्ट प्लान ने 25.55% और रेगुलर प्लान ने 24.50% की दर से सालाना रिटर्न दिया है।

मिरे एसेट लार्ज कैप फंड

मिरे एसेट लार्ज कैप फंड का एयूएम 40,510 करोड़ रुपये है। इस फंड का 5 साल का सालाना रिटर्न डायरेक्ट प्लान में 18.06% और रेगुलर प्लान में 16.87% रहा है। खर्च की बात करें तो इसका एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.55% और रेगुलर प्लान में 1.52% है. डायरेक्ट प्लान का लो एक्सपेंस रेशियो इसकी खास बात है।

एचडीएफसी लार्ज कैप फंड

एचडीएफसी लार्ज कैप फंड का एयूएम 38,689 करोड़ रुपये है। पिछले 5 साल में इस फंड के डायरेक्ट प्लान ने 21.87% और रेगुलर प्लान ने 21.15% के हिसाब से सालाना रिटर्न दिया है। इस फंड का एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.99% और रेगुलर प्लान में 1.60% है। मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड और भरोसेमंद ब्रांड वैल्यू की वजह से यह फंड निवेशकों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है।

बिजनेस साइट

22 सितंबर से सस्ते मिलेंगे 'देवभोग' के दुग्ध उत्पाद

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित (देवभोग) ने अपने प्रमुख दुग्ध उत्पादों की खुदरा कीमतों में कटौती करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय जीएसटी काउंसिल के दुग्ध उत्पादों पर कर दरों में की गई कमी के बाद लिया गया। अब 22 सितंबर 2025 (सोमवार) से देवभोग ब्रांड के पनीर, घी और फ्लेवर्ड मिल्क उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर उपलब्ध होंगे, जिससे प्रदेशभर के ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और अधिक किफायती दामों में मिल सकेंगे।

नई दरों के अनुसार, देवभोग पनीर (1 किग्रा) अब 395 के बजाय 376 रुपए में मिलेगा, क्योंकि इस पर अब 0% जीएसटी लागू होगा। इसी

तरह, देवभोग घी का 1 लीटर रिफिल पैक 654 से घटकर 613 रुपए में मिलेगा और फ्लेवर्ड मिल्क (200 मि.ली.) की कीमत 30 से घटकर 28 रुपए कर दी गई है। जीएसटी में इस कमी का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को मिलने जा रहा है, जिससे न केवल उनके खर्च में कटौती होगी बल्कि स्वदेशी व स्थानीय ब्रांड के प्रति विश्वास भी और मजबूत होगा।

हरिभूमि छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर
THE DIAGNOSTIC CARE
दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक — ट्यूबरक्युलोसिस — मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
• जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम • क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूएफटी प्लस) (टीएटी-48 घंटे) खून • एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन)
पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढ़ापारा, रायपुर 492007 मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773
विज्ञापन हेतु संपर्क करें - 9303508130, 9302016344, 7909631282

हरिभूमि HEALTH CARE — छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना — मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल — डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA — भर्ती सुविधा उपलब्ध — Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR — शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अहलूवालिया हॉस्पिटल — 81031 28515, 0771-4050006 — नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर — • कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

सभी प्रकार की एलर्जी — डेंटल सुविधा भी उपलब्ध.. — • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा — छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द — 50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल — Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre — वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल — अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट — सिंघानिया स्किन केयर — 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in — Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre — रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवींनगर, राजातालाब, रायपुर — मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर — डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Gold Medalist, IUK) MD (Pathology, Utkal University) — डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG), F.M.A.S FRM (Gujarat University), DRM (Germany) स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट — उपलब्ध विशेषताएं — C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी — डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ — गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश) — स्पेशलिस्ट : खासी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल — चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ — सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • कैमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट — रविवार अवकाश — क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल — छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल — डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified) — सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) — फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ — प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक — मो. 9977247553 — नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक — सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी — अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर) — जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001) — फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037 — लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल — 24/7 Emergency Services — पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध — ओपीडी 50% off — 0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953 — पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। — * आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव * — बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) — आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता। — डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre — Diabetic Clinic — Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304 — 17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

डॉ. मनोज अग्रवाला — एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट) — स्किन क्लिनिक — सेवाएं • मुहांसे • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी — चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पहले राउंड के बाद शीर्ष 20 में अदिति

रोजर्स। भारत की अदिति अशोक ने वॉलमार्ट एनडब्ल्यू अर्कांसस चैंपियनशिप में पहले दौर में बोगी रहित पांच अंडर 66 का स्कोर बनाया और वह संयुक्त 18वें स्थान पर हैं। सारा श्मेलजेल और मिनामी कात्सु ने पिनेकल कंट्री क्लब में आठ अंडर 63 का स्कोर बनाकर पहले राउंड के अंत में संयुक्त बढ़त बना ली। अदिति ने पहले नौ होल पर दो बर्डी के साथ शुरुआत की और 13वें, 15वें और 18वें होल पर भी बर्डी बनाकर दिन में अपनी बर्डी की संख्या पांच तक पहुंचाई। कनाडा की भारतीय मूल की खिलाड़ियों में सवाना ग्रेवाल ने अपने पहले राउंड में तीन अंडर 68 का स्कोर बनाया और संयुक्त 45वें स्थान पर रहीं, जबकि गुरलीन कौर ने एक अंडर 70 का स्कोर बनाया और वह संयुक्त 86वें स्थान पर है।

ला सेला ओपन : हिताशी और प्रणवी ने कट में बनाई जगह

एलिकांटे (स्पेन)। भारतीय खिलाड़ियों में केवल प्रणवी उर्स और हिताशी बख्शी ही स्पेन में ला सेला ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बना सकी, जबकि कनाडाई किशोरी अन्ना हुआंग ने बोगी-मुक्त छह-अंडर 66 के साथ शीर्ष पर तीन शॉट की बढ़त बना ली।

हिताशी ने पहले राउंड में 72 के बाद दूसरे राउंड में एक ओवर 73 का स्कोर बनाया और अब वह 36 होल तक एक ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त 36वें स्थान पर हैं, जबकि प्रणवी (73-73) संयुक्त 47वें स्थान पर हैं। रिधिमा दिलावरी (75-72) एक शॉट से कट से चूक गईं। उनके अलावा अवनि प्रशांत (78-70), दीक्षा डागर (73-75), वाणी कपूर (78-71) और त्वेसा मलिक (71-78) भी कट से चूक गईं, जो दो ओवर पर गया।

फेडेक्स ओपन

गोल्फर अहलावत और शुभंकर कट से चूके

पेरिस। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत और शुभंकर शर्मा गोल्फ डे सेंट-नोम-ला-ब्रेटेचे में आयोजित किए जा रहे फेडेक्स ओपन डी फ्रांस में कट से चूक गए। अहलावत ने दूसरे राउंड में दो ओवर 73 का स्कोर बनाया, जिससे वह कट हासिल करने में नाकाम रहे। शर्मा (74-71) भी कट से चूक गए। लगातार चार प्रतियोगिताओं में कट में जगह बनाने के बाद अहलावत डीपी वर्ल्ड टूर में कट से चूक गए। कट इवन पार पर निर्धारित किया गया था जबकि अहलावत (71-73) दूसरे राउंड के बाद दो ओवर पार पर थे। अहलावत ने अपने दूसरे राउंड में तीन बोगी, चार बर्डी और एक ट्रिपल बोगी लगाई। इस बीच मार्कस आर्मिटेज ने दूसरे राउंड में तीन अंडर 68 का स्कोर बनाकर दो स्ट्रोक की बढ़त बरकरार रखी है।

खबर संक्षेप

हुबैदा-एले की जोड़ी ने पैरा बैडमिंटन में जीता कांस्य

बीजिंग। भारत के अबु हुबैदा और प्रेम कुमार एले की शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष पैरा बैडमिंटन जोड़ी ने सेमीफाइनल में चीन के माई जियानपेंग और क्यू जिमो से 4-21, 10-21 से हारने के बाद यहां चीन पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय में डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 वर्ग में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी दो जीत और एक हार के साथ ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रही थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के नांग न्गुयेन और चीनी ताइपे के यू यू ओंग की जोड़ी को 21-6, 21-10 से तथा भारत के हारिस मैथिली श्रीकुमार और चेक गणराज्य के जिबनेक सिकोरा की जोड़ी को 21-10, 21-12 से हराया। ग्रुप चरण में उन्हें एकमात्र हार (12-21, 9-21) जापान के डाइकी काजीवारा और कीता निशिमुरा के खिलाफ मिली। डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 व्हीलचेयर पर निर्भर खिलाड़ियों के लिए है।

सुपर 4 मैच में पाइक्रॉफ्ट ही होंगे मैच रैफरी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप सुपर 4 के मैच की जिम्मेदारी फिर अपने एलीट पैनल के मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को सौंपी है

जबकि पीसीबी ने बार बार उन्हें हटाने का अनुरोध किया था। टूर्नामेंट के एक सूत्र ने बताया, 'एंडी पाइक्रॉफ्ट भारत और पाकिस्तान के मुकाबले के लिए मैच रैफरी हैं।' इसके बाद पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने सुपर 4 मुकाबले से पहले मीडिया से बातचीत नहीं करने का फैसला किया। रविवार के मैच के लिए मैच अधिकारियों की सूची अब भी सार्वजनिक नहीं की गई है।

एशिया कप : मैच दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में रात 8 बजे से

महामुकाबला आज : सुपर 4 में पाकिस्तान पर दबदबा कायम रखने उतरेगी टीम इंडिया

एजेंसी ▶▶| दुबई

दोनों टीमों में बढ़ते तनाव के बीच भारत जब रविवार को एशिया कप सुपर 4 के मैच में पाकिस्तान का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य अपनी स्पिन तिकड़ी के दम पर अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक और प्रभावशाली जीत दर्ज करना होगा। भारत और पाकिस्तान की टीम जब आमने-सामने होती हैं तो उनके खिलाड़ियों के बीच तनाव बना रहता है लेकिन इस बार यह नए स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके साथियों ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था, जिससे नया बवाल पैदा हो गया। ऐसा समझा जाता है कि भारतीय टीम इस रविवार को भी पड़ोसी देश के खिलाफ इसी नीति को जारी रखेगी तथा हाथ मिलाना भी संभवतः आम बात नहीं होगी, क्योंकि पाकिस्तानी खिलाड़ी और उनके समर्थक इस मैच को ''द्वेषपूर्ण मैच'' के रूप में देख रहे हैं।

बुमराह और चक्रवर्ती की मैच में वापसी

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले सूर्यकुमार को टीम के सभी महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को परखने की जरूरत थी। पूरी संभावना है कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह अंतिम एकादश में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि ओमान के 43 वर्षीय बल्लेबाज आमिर कलीम और हम्माद मिर्जा जैसे कम चर्चित खिलाड़ियों ने इस जोड़ी की जमकर धुनाई की। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की पाकिस्तान के खिलाफ मैच में वापसी होगी। इन दोनों को ओमान के खिलाफ मैच में विश्राम दिया गया था। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिचें धीमी गेंदबाजों के लिए मददगार हैं और एक बार फिर से कुलदीप यादव (टूर्नामेंट में अब तक आठ विकेट), अक्षर और वरुण पर जिम्मेदारी होगी कि वे निर्णायक रूप से भारत के पक्ष में पलड़ा झुकाएं। अगर अक्षर फिट नहीं हो पाते हैं तो उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर या रियान पराग को मिल सकती है।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तकनीक खराब

पाकिस्तान की टीम अप्रत्याशित प्रदर्शन करने के लिए मशहूर रही है लेकिन वर्तमान टीम कमजोर नजर आ रही है विशेष कर बल्लेबाजी विभाग में। उसके बल्लेबाज अभी तक स्पिन गेंदबाजों को समझने में नाकाम रहे हैं। पाकिस्तान के लिए यह शर्मनाक बात है कि उसके वर्तमान खिलाड़ियों की तकनीक काफी खराब है। सलामी बल्लेबाज सैम अयूब, जो लगातार दो बार शून्य पर आउट हुए, गेंद से अधिक प्रभाव डालने के कारण उपहास का विषय बन गए हैं क्योंकि उन्होंने टूर्नामेंट में रन बनाने की तुलना में अधिक विकेट लिए हैं। साहिबजादा फरहान, हसन नवाज और शाहीन शाह अफरीदी ही टीम में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज नजर आ रहे हैं।

सूर्यकुमार लौटेंगे अपने चिरपरिचित स्थान पर

संजू सैमसन ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक बनाया था, लेकिन अगर दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभमन गिल जल्दी आउट हो जाते हैं तो पाकिस्तान के खिलाफ उनके तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने की संभावना कम है। कप्तान सूर्यकुमार फिर से अपने चिरपरिचित स्थान पर लौटेंगे, जिसने उन्हें विश्व का नंबर एक बल्लेबाज बना दिया है।

चाइना मास्टर्स

सात्विक-चिराग फाइनल में, चिर-प्रतिद्वंद्वी को हराया

एजेंसी ▶▶| शेनझेन

भारत के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने शनिवार को चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पूर्व विश्व चैंपियन मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को सीधे गेम में हराकर लगातार दूसरे पुरुष युगल के फाइनल में प्रवेश किया।

पिछले हफ्ते विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहने के बाद एशियाई खेलों की चैंपियन जोड़ी ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी आरोन और सोह को 21-17, 21-14 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। इस मैच से पहले सात्विक और चिराग का दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 4-11 था। भारतीय जोड़ी ने हाल में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में आरोन और सोह को हराकर कांस्य पदक जीता था।

दूसरे गेम में सात्विक और चिराग की बढ़त

दूसरे गेम में सात्विक और चिराग ने 5-2 की बढ़त को 8-2 तक पहुंचाया। हालांकि मलेशियाई खिलाड़ियों ने अंतर 6-8 तक कम कर दिया। पर ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ी 11-6 की बढ़त बनाए थे। भारतीय जोड़ी ने फिर 15-9 की बढ़त में इजाफा करते हुए इसे 16-12 कर दिया। अंत में मलेशियाई खिलाड़ियों की गलतियों का फायदा उठाते हुए भारतीय जोड़ी मुकाबला जीत गई।

एशिया कप सुपर-4 : बांग्लादेश की शानदार जीत, श्रीलंका को चार विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| दुबई

एशिया कप के सुपर-4 के पहले मैच में बांग्लादेश ने श्रीलंका को 4 विकेट से हराते हुए शानदार जीत दर्ज की। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के बाद 168/7 का स्कोर बनाया था। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.5 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच में बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंका के लिए दासुन शनाका ने 64 रन की पारी खेली। उनके अलावा और कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। मुस्तफिजुर रहमान ने शानदार गेंदबाजी की और सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए। महेदी हसन ने 2 विकेट अपने नाम किए। जवाब में सैफ हसन (61) और तौहीद हृदोय (58) की पारियों ने बांग्लादेश को शानदार जीत दिला दी।शनाका ने मैच में 37 गेंदों का सामना किया और 64 रन बनाए। उनके

बल्ले से 3 चौके और 6 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 172.97 की रही। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय कॅरियर का छठा अर्धशतक रहा। बांग्लादेश के खिलाफ इस खिलाड़ी ने पहला ही अर्धशतक लगाया है। शनाका ने कप्तान चरिथ असलंका के साथ मिलकर सिर्फ 27 गेंदों में 57 रन की साझेदारी निभाई।

OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER-I/II DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR

2nd & 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhavan (BSNL Building), Near Head Post Office Residency Road, Jabalpur-482001, MP

NOTICE FOR SETTLING A SALE PROCLAMATION UNDER RULE 53 OF THE SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT. 1961 READ WITH THE RECOVERY OF DEBTS BANKRUPTCY ACT. 1993.

RC/179/2622 15-09-2025

UCO BANK
Versus
SHRI YOGEH SHRIVASTAVA

To,

(CD1)SHRI YOGESH SHRIVASTAVA
OPP GOL BAZAR THANA BESIDE POONAM SHOES GALI, MALVIYA ROAD. RAIPUR (CG)-492001

(CD2) SMT KUSUM SHRIVASTAVA
OPP GOL BAZAR THANA, BESIDE POONAM SHOES GALI, MALVIYA ROAD RAIPUR (C.G.)-492001

(CD3) SHRI VIKASH SHRIVATAVA
OPP GOL BAZAR THANA, BESIDE POONAM SHOES GALI, MALVIYA ROAD RAIPUR (CG)-492001

(CD4) SHRI SUNNY SHRIVASTAVA
OPP GOL BAZAR THANA, BESIDE POONAM SHOES GALI, MALVIYA ROAD RAIPUR (CG)-492001

(CD5) SHRI VISHAL SHRIVASTAVA
OPP GOL BAZAR THANA, BESIDE POONAM SHOES GALI, MALVIYA ROAD RAIPUR (CG)-492001

Whereas you the **SHRI YOGESH SHRIVASTAVA** was ordered by the Presiding Officer of DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR who had issued the Recovery Certificate dated **30/11/2022** in **OA/1328/2019** to pay to the Applicant Bank(s)/Financial Institution(s) Name of applicant, the sum of **Rs 3191577.95 (Rupees Thirty One Lakhs Ninety One Thousands Five Hundred Seventy Seven And Paise Ninety Five Only)** along with pendentellite and future interest 9.50% we.f. **31/07/2019** till realization and costs of **Rs 34000 (Rupees Thirty Four Thousands Only)**, and whereas the said has not been paid, the undersigned has ordered the sale of undermentioned immovable/Immoveable property.

2. You are hereby informed that the **13/11/2025 at 10.30 A.M.** has been fixed for drawing up the proclamation of sale and settling the terms thereof. You are requested to bring to the notice of the undersigned any encumbrances, charges, claims or liabilities attached to the said properties or any portion thereof.

Specification of Property

Residential Land & Building bearing Khasra No.-606, House No.-40/30, situated at Malviya Road, Babu Jagjivan Ram Ward No.-40, P.H. No.-106 A, Tehsil & District- Raipur (C.G.), Land Area 561 sq.ft.; Property jointly in the name of Shri Yogesh Shrivastava S/o Late Shri Shailendra Shrivastava, Shri Vishal Shrivastava S/o Late Shri Shailendra Shrivastava, Smt. Kusum Shrivastava W/o Late Shri Shailendra Shrivastava, Shri Vikash Shrivastava S/o Late Shri Shailendra Shrivastava and Shri Sunny Shrivastava S/o Late Shri Shailendra Shrivastava

Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: **15/09/2025**

Recovery Officer
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR

वनडे क्रिकेट

स्मृति का शतक बेकार, भारत ने ऑस्ट्रेलिया से गंवाई श्रृंखला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय मैच में भारत को 43 रन से हराकर मेजबान टीम के खिलाफ अपनी 11वीं द्विपक्षीय श्रृंखला 2-1 से जीत ली। मूनी की 79 गेंद की तूफानी पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 412 रन पर ऑलआउट होकर अपने रिकॉर्ड वनडे स्कोर की बराबरी की। यह भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा स्कोर भी था। इससे उसने पिछले साल ब्रिस्बेन में बनाए गए आठ विकेट पर 371 रन के स्कोर को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद भारत की शानदार बल्लेबाजी के सामने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने संयम बनाए रखा। स्मृति मंधाना (63 गेंद में 125 रन) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (35 गेंद में 52 रन) के बीच 121 रन की साझेदारी के अलावा दीप्ति शर्मा (58 गेंद में 72 रन) की अंत में खेली गई आक्रामक पारी के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भारत को 369 रन पर ऑल आउट करके श्रृंखला जीतने में सफल रहे।

मंधाना ने 50 गेंद में मारी सेंचुरी

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में महज 50 गेंद में शतक जड़कर महिला वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गईं। मंधाना ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करेन रोल्टन के 2000-01 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाए गए 57 गेंद में बनाए गए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग 2012-13 सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 गेंद में शतक बनाया, जिससे वह सबसे तेज शतक बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं। मंधाना ने 50 गेंद की शतकीय पारी में 14 चौके और चार छक्के जड़े थे और यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज के बनाया सबसे तेज शतक भी है।

HDFC BANK FESTIVE TREATS Get instant discount up to ₹10,000* on your credit card EMI & on select cards*.

pine labs Our platform, your move.

TOLL FREE NO. 1800-266-0018

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

Regd. Office: Hero MotoCorp Ltd., The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj - Phase -II, New Delhi - 110070, India. CIN: L35911DL1984PLC017354. It is our endeavour to improve our product. This could lead to changes in product specifications without notice. Accessories and features shown may not be a part of the standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. Available at select dealerships. #Compared to all scooters in the 125cc segment as per internal testing. ##Based on the testing report of govt. Certified agency. Actual mileage may vary as per riding conditions. ^Finance scheme is at the sole discretion of financiers and subject to its respective terms and conditions. #As per internal benchmarking of 125cc scooters in India under standard conditions. Actual mileage may vary based on road and riding conditions. $Green Bonus is applicable Pan India on select Hero products and bonus amount may vary as per model/variant. *T&C apply. Offer is for limited period or till stock lasts. For further information, contact nearest Hero MotoCorp authorised outlet (s) or visit website www.heromotocorp.com

अधिकृत डीलरः रायपुरः छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनांदगांवः जय हीरो, 9289922357, धमतरीः सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेरः राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंदः वत्स हीरो, 9289922623, बलोदाबाजारः अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंगः श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतराः श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धाः सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुरः विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ाः जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापाराः कुशल हीरो, 9289923052, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्गः उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुरः संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरियाः ललित सर्विसेज़, 8770383767, भानुप्रतापपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, डोंगरगढ़ः किरण मोटर्स, 9754069392, लवनः गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, सिमगाः श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरुरः श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोड़लाः विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराईः शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुरः राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरियाः अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़ः श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिमः गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, खरोराः अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपालीः बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़ः युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दाः आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरीः हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटनः दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहराः प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांवः आहुजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुरः गुरुनानक ऑटो, 9425596290, केशकालः साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, डुंडरदेहीः किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांवः राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बेरलाः कोन्हा मोटर्स, 98931058752/6260472025, कसडोलः बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोदः नैन ऑटोकेयर, 9425563502, सिमगाः माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंदः छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, परोदाः सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंडरदेहीः एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुलः जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, दिहालीः भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वरः अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुदः शिव ऑटो, 8305711110/9993454103, भानुप्रतापपुरः संस्कार मोटर्स, 8085053343/7898813343, गोहरा पादरः गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, इरपिनारः अंशु ऑटो, 6261421161, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुरः आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुरः आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुरः आरसन हीरो, 9285052266, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com